फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 42 प्रभात जयपुर, गुरुवार 12 सितम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Man-Eaters Of Bahraich

So, why are wolves attacking humans in Bahraich? Nestled between a river and forests, parts of Bahraich have long been a traditional wolf habitat.

World Dolphin Day

PAINTING THE PINK CITY 'TANGERINE'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को टोक्यो (जापान) में निवेशकों की बैठक में भाग लिया। बैठक में उन्होंने दिसम्बर में आयोजित होने वाले राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमेंट समिट-2024 में शामिल होने के लिये जापान के निवेशकों को आमंत्रित किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और राजस्थान के उद्योग-वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोक्यो में ''राइज़िंग राजस्थान'' के रोड शो का नेतृत्व किया

जेट्रो, काई ग्रुप, निप्पॉन स्टील ट्रेडिंग, हिताची, यामाशिता रबर, ई एंड एच प्रिसिज़न, ताकाहाटा प्रिसिज़न और अन्य जापानी फर्मों के साथ मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

- **मुख्यमंत्री ने टोक्यो में नीमराणा दिवस समारोह में भाग लिया, उन्होंने कहा नीमराणा देश-विशिष्ट निवेश क्षेत्र के लिए एक मॉडल है। नीमराणा में कई जापानी कम्पनियां हैं।**
- **मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने अनिवासी राजस्थानी (एन.आर.आर.) समुदाय से भी मुलाकात की। समुदाय से जापान में राजस्थान के दूत की भूमिका निभाने का आह्वान किया।**

टोक्यो, 11 सितंबर। ''राइज़िंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट 2024 के दक्षिण कोरिया रोड शो के सफल आयोजन के बाद, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज जापान की राजधानी टोक्यो में निवेशकों की बैठक (रोड शो) में भाग लिया। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की यह जापान यात्रा जापानी व्यापार जगत को प्रदेश में निवेश के लिए और इस साल दिसंबर में आयोजित ''राइज़िंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वैस्टमैंट 2024 में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए हो रही है।

टोक्यो में आयोजित इस रोड शो को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने जापानी निवेशक समुदाय और उद्यमियों को राजस्थान में निवेश करने और मौजूदा संबंधों को मजबूत करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, जापानी निवेशकों के लिए उपयुक्त व्यापारिक वातावरण प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की सफलता से स्पष्ट है, जहां अब तक 48 से अधिक जापानी कंपनियों ने लगभग 8.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है और 26,000 से अधिक लोगों को रोजगार दिया है। यह ''ईज ऑफ डूइंग बिजनेस'' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक जीवंत उदाहरण है। इसकी सफलता से प्रेरित होकर, हमारी सरकार नीमराणा से करीब 20 कि.मी. दूर छिलोट में दूसरा जापानी निवेश क्षेत्र भी विकसित कर रही है।

टोक्यो में हुई निवेशकों की इस बैठक में उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा ने जापानी निवेशकों के समक्ष राजस्थान में निवेश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी और राज्य की नई नीतियों और शासन प्रणाली में हो रहे परिवर्तन के बारे में बताया।

इसके अलावा, जापानी व्यापारिक समुदाय और राजस्थान राज्य के बीच साझेदारी को चिह्नित करते हुए रोडशो में नीमराणा दिवस समारोह भी आयोजित किया गया।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में आज जापान की कुछ चुनी हुई कंपनियों के सी.ई.ओ. और बिज़नेस लीडर्स के साथ लंच पर मुलाकात की और उन्हें राजस्थान में अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधिमंडल ने जेट्रो, काई ग्रुप, निप्पॉन स्टील ट्रेडिंग, हिताची, यामाशिता रबर, ईएंडएच प्रिसिजन, ताकाहाटा प्रिसिजन सहित कई जापानी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठकें की।

इन बैठकों में, मुख्यमंत्री ने राज्य में निवेश करने और जापान और राजस्थान के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रशंसा की।

रोडशो के बाद, मुख्यमंत्री शर्मा ने टोक्यो में रहने वाले अनिवासी राजस्थानी (एनआरआर) समुदाय से भी मुलाकात की। ये वो लोग हैं, जो वर्तमान में जापान में रह रहे हैं, लेकिन उनकी जड़ें राजस्थान में हैं। मुख्यमंत्री ने अनिवासी राजस्थानियों के समुदाय से जापान में राजस्थान के दूत की भूमिका निभाने और अपने गृह राज्य में निवेश को सुविधाजनक बनाने में मदद करने का आ ान किया।

जापान के दौरे पर गए मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में राजस्थान सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग और वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा और रीको और बीआईपी के अन्य शीर्ष अधिकारी शामिल हैं।

गहलोत सरकार अपने अंतिम दिनों में भी बाज नहीं आई एक और मैगा स्कैम से

ईस्टर्न कैनाल प्रोजैक्ट के तहत 9,600 करोड़ रूपये के टैण्डर आवंटित किये मेघा नामक कम्पनी को

- **इस कम्पनी को राजी रखने के लिये गहलोत सरकार उल्टी लटक गई। कम्पनी को लाभ व सुविधा प्रदान करने के लिये राज्य सरकार ने, टैण्डर की शर्तों में तीन बार परिवर्तन किया, कोरिजैन्डम जारी करके। उदाहरण के लिये, एक कोरिजैन्डम जारी करने मेघा कम्पनी पर, सी.ए. व बैंक द्वारा सत्यापित दस्तावेज ही टैण्डर के साथ देने की शर्त हटा दी।**
- **मजे की बात है कि मेघा कम्पनी ने सबसे ज्यादा इलैक्ट्रोरल बॉण्डस खरीद के दिये थे भाजपा को। क्या इसी कारण अब ज्यादा नहीं उछाला जा रहा नयी सरकार में भी।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अशोक गहलोत सरकार का एक बहुत बड़ा घोटाला, जो उनके पाँच वर्ष के कार्यकाल के बिल्कुल अन्त में हुआ था, गैर कानूनी एवं अनियमित तौर तरीकों की एक अनूठी मिसाल है। जिस कम्पनी को यह ठेका दिया गया था, उसे खुश करने में मुख्यमन्त्री हद से ज्यादा झुक गए थे। शुद्धि पत्रों में वित्तीय तथा तकनीकी – दोनों ही प्रकार के बड़े-बड़े बदलाव किए गए, और इसका नतीजा यह हुआ कि जो शर्तें रखी गई थीं, उन पर राज्य सरकार ने स्वयं समझौते किए।

संदर्भित कम्पनी का नाम ''मेघा'' है तथा इस कम्पनी की खास बात यह है इसने भाजपा को अधिकतम इलेक्टोरल बॉन्ड बॉण्ड्स दिए हैं।

तीन निविदाओं की कुल राशि- रु.7788 करोड़
निविदा में भरी राशि - रु.10571करोड़
आर्डर फाइनल हुआ - रु. 9600 करोड़

यह पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना से संबंधित है। ''राजस्थान के कोटा एवं बारां जिलों में रामगढ. बैराज, महलपुर बैराज, नवनीरा पम्प हाउस, मुख्य नहर को डिलीवरी सिस्टर्न तक पहुँचाना तथा हाईब्रिड वार्षिक मॉडल पर 10 वर्ष के ओ. एण्ड एम. (आपरेशन एवं मैन्टिनैंस) के साथ डिलीवरी सिस्टर्न का निर्माण।''

सम्बन्धित मन्त्री थे महेन्द्र जीत मालवीय, जो अशोक गहलोत के बहुत निकट माने जाते थे। समझा जाता है कि उन्होंने सब कुछ अशोक गहलोत के निर्देशानुसार किया था।

रोचक बात यह है कि वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। क्या इसी कारण भाजपा इस इतने बड़े घोटाले के बारे में कुछ नहीं बोल रही है?

मालवीय ने, कम्पनी को लाभ पहुँचाने के लिए जारी किए गए शुद्धि-पत्रों के जरिए, ''मेघा'' कम्पनी को अनेक लाभ पहुँचाए।

गहलोत सरकार ने बिडर द्वारा सी.ए. द्वारा प्रमाणित तथा बैंक द्वारा प्रमाणित दस्तावेजों का प्रावधान हटा दिया था। इसके बाद, बिडर स्वयं के हस्ताक्षर युक्त अपना ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकता था तथा बैंक सॉल्वेन्सी के किसी बाहरी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं रही थी।

क्या अमेरिका हरियाणा के चुनाव में रूचि ले रहा है?

- **सूत्रों से पता चला है कि हरियाणा के कुछ किसान नेता पंजाब व उत्तर प्रदेश के कुछ किसानों के साथ गत सप्ताह रात 2 बजे अमेरिकी दूतावास गए थे।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। पिछले सप्ताह नई दिल्ली में एक विचित्र घटना घटी। रात के 2 बजे, किसान संगठनों के एक दर्जन नेता गुप्त मीटिंग के लिये अमेरिकन दूतावास में जाते हुए देखे गए तथा डेढ़ घंटे के बाद बाहर आये। इनमें हरियाणा, पंजाब तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान नेताओं के अलावा कुछ कम्यूनिस्ट नेता भी शामिल थे। दूतावास में प्रवेश करते समय उनके चेहरे ढ़के हुये थे। चाणक्यपुरी की खुफिया एजेसिंयों को जब ये लोग संदेहास्पद लगे तो उन्होंने इन नेताओं पर नज़र रखी तथा उनके बाहर आने के बाद उनका पीछा किया। ये सभी लोग छतरपुर के एक फार्म हाउस में जाते देखे गए।

गुप्तचर अधिकारियों ने उनकी पहचान की तथा इस घटना की सूचना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उचित शिक्षा के लिए ''अनफिट'' हैं मदरसे'

नैशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा

- **आयोग ने कहा कि चूंकि मदरसा राइट टु एजुकेशन कानून में परिभाषित स्कूल के दायरे में नहीं आते हैं इसलिए इनमें पढ़ने वाले बच्चे इस कानून के तहत दी जाने वाली सुविधाओं से भी वंचित रह जाते हैं।**
- **आयोग ने कहा कि मदरसे मनमाने तरीके से चलते हैं और वे अन्य स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम का इस्तेमाल भी नहीं करते हैं।**

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। नैशनल कमीशन फॉर प्रोटैक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एन.सी.पी.सी.आर.) ने कहा है कि मदरसे बच्चों, जो वहां पढ़ते हैं, को अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उनके काम करने का मनमाना तरीका है तथा यहां एक स्टैण्डर्ड पाठ्यक्रम व कार्यशैली का सर्वथा अभाव है।

सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर एन.सी.पी.सी.आर. ने यह बात कही और यह भी कहा कि राइट टू एजुकेशन (आर.टी.ई. एक्ट, 2005 के भाग 2(न) के तहत स्कूलों की जो परिभाषा है, उसके अनुसार मदरसे स्कूल नहीं हैं और ये वाजिब शिक्षा के लिए सही स्थान नहीं है। इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बच्चा जो ऐसा संस्था में शिक्षा प्राप्त करता है, वो स्कूल में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम के मूल ज्ञान से वंचित रह जाता है।''

इसमें आगे कहा गया है कि मदरसे मनमाने तरीके से काम करते हैं और संवैधानिक प्रावधानों और आर.टी.ई. एक्ट तथा जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 के प्रावधानों के खिलाफ हैं, एन.सी.पी.आर. ने कहा कि मदरसों की तीन श्रेणियाँ हैं, मान्यता प्राप्त मदरसे, गैर मान्यता प्राप्त मदरसे और अज्ञात मदरसे। ये वे मदरसे हैं जिन्होंने राज्य सरकार से मान्यता के लिए कभी भी आवेदन नहीं किया।

एन.सी.पी.आर. ने कहा है, ''बच्चे भी ऐसी संस्थाओं में भर्ती होते हैं, जो मान्यता प्राप्त नहीं (अनरिकग्नाइज्ड) हैं, क्योंकि ये नियोजित एवं व्यवस्थित नहीं (अनमैप्ड) होती हैं, तथा ऐसी संस्थाओं की संख्या भी ज्ञात नहीं है। इसलिए, ये संस्थाएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रही हैं या नहीं, इसके साथ ही, इन संस्थाओं द्वारा बच्चों को दिए जा रहे माहौल की कोई जानकारी भी उपलब्ध नहीं होती है। इस प्रकार की (अनरिकग्नाइज्ड तथा /अथवा अनमैप्ड) में पढ़ने वाले बच्चों को ''स्कूल न जाने वाले बच्चे'' (आउट ऑफ स्कूल) माना जाना चाहिए, भले ही उन्हें नियमित शिक्षा दी जा रही हो।''

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस साल मार्च में ''उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट, 2004 को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खुली जेल में अस्पताल प्रोजैक्ट पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर

जयपुर, 11 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर स्थित देश की पहली खुली जेल की जमीन पर अस्पताल बनाए जाने के मुद्दे को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाती है तो सीएस भी वहां रहने का पहला अनुभव लेंगे।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर यह प्रोजैक्ट आगे बढ़ाया तो मुख्य सचिव को भी इसमें रहने जाना पड़ सकता है।**

जस्टिस बी.आर. गवई व के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने यह टिप्पणी प्रसून गोस्वामी की अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

प्रार्थी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज ने खंडपीठ को बताया कि अदालत ने 17 मई 2024 को आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, कमला हैरिस ने डॉनल्ड ट्रम्प को अच्छी तरह पछाड़ा, प्रथम टी.वी. डिबेट में!

पोलिटिको, एक जाना माना न्यूज़ प्लेटफार्म, व न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, पूरी ''डिबेट'' में कमला हैरिस ट्रम्प पर छायी रहीं

- **सी.एन.एन. के अनुसार, हैरिस ने डिबेट के दौरान, बार-बार ट्रम्प को उकसाया और वे बार-बार हैरिस के शब्द जाल में फंसते चले गये।**
- **डिबेट के बाद हैरिस ट्रम्प के आगे निकल गयीं, लोकप्रियता की रेटिंग में।**
- **अगर यह क्रम चलता रहा तो, कमला हैरिस अमेरिका की प्रथम महिला राष्ट्रपति बन सकती हैं।**

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अमेरिकन मीडिया ने डैमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी कमला हैरिस को रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रम्प के साथ बहस में बढ़त दी है। जुलाई में हुई बहस में जो बाइडन काफी जूझते हुए नज़र आए थे, इसके विपरीत फिलाडैल्फिया में हुई डिबेट में कमला हैरिस काफी गरिमापूर्ण और फोकस्ड नज़र आईं।

ए.बी.सी. न्यूज़, जिसने वह डिबेट आयोजित की थी, में ट्रम्प ने हैरिस पर बढ़त प्राप्त करने के लिए गलत जानकारी व ''षड्यंत्र'' रचने की बाते कही, पर उन्हें सफलता नहीं मिली। ए.बी.सी. के अनुसार, जब हैरिस ने सटीक प्रहार शुरु किए तो ट्रम्प जल्दी ही रक्षात्मक मुद्रा में आ गए।

एक स्वतंत्र न्यूज़ प्लेटफॉर्म 'पॉलिटिको' ने हैरिस को विजेता घोषित कर दिया और कहा कि उन्होंने बार-बार ट्रम्प का संतुलन बिगाड़ दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा बहस में अधिकतर हैरिस हावी रहीं। उन्होंने वकालत की क्षमता का उपयोग कर ट्रम्प को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया। हैरिस द्वारा बाइडन प्रशासन का बचाव करने की बजाय ट्रम्प खुद के कार्यकाल में लिए गए फैसलों को उचित ठहराते हुए दिखे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि ट्रम्प काफी दयनीय दिखे।

वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा कि ट्रम्प कई बार तथ्यों से भटके और 2020 के चुनावों और इमिग्रेशन के बारे में झूठे दावों का सहारा लेते दिखे। हैरिस ने ट्रम्प पर आरोप लगाया गया कि वे झूठ और निजी शिकायतों से भरी पुरानी थकी हुई प्लेबुक को ही बार बार झाड़ पोंछकर पेश कर रहे हैं तथा उनके पास अमेरिका के लोगों के लिए कोई असली प्लान नहीं है।

सी.एन.एन. ने कहा कि हैरिस ने जो भी बातें कहीं, ट्रम्प हर बात में उनमें उलझते दिखे। सी.एन.एन. ने कहा कि हैरिस पूरी तरह से तैयार थीं और उन्होंने ट्रम्प को उकसाने की रणनीति पर बखूबी अमल किया। ट्रम्प बार-बार आप खोते हुए नजर आए। सी.एन.एन. ने कहा कि ट्रम्प ने यहां तक कह दिया कि प्रवासी लोग अमेरिकन लोगों के पालतू जानवर को खा जाते है।

फॉक्स न्यूज़ ने संतुलन बनाने की कोशिश की, पर उसका सारा जोर इस पर रहा कि ''फैक्ट चैक'' पर ट्रम्प ए.बी.सी. के मॉडरेटर्स से उलझते रहे।

दोनों प्रत्याशियों की यह पहली डिबेट थी, जो टी.वी. पर आई थी। शुरु में ट्रम्प आगे दिख रहे थे, पर बाद में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रेमिका के पति के हत्यारे को आजीवन कारावास

जयपुर, 11 सितंबर। जिले के सत्र न्यायालय ने प्रेमिका के पति की हत्या करने वाले युवक राकेश सैनी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीस वर्षीय इस अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, अदालत ने मृतक की पत्नी पूजा देवी को दोष मुक्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त का पूजा देवी से संबंध होना प्रमाणित है, लेकिन अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि पूजा ने अपराध में राकेश

- **सत्र न्यायालय ने आरोपी राकेश सैनी को तो सजा दी, पर, उसकी प्रेमिका पूजा को दोष मुक्त कर दिया। अदालत ने राकेश सैनी पर दो लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वह जो अपने प्रियजनों से अत्यधिक जुड़ा हुआ है। उसे चिंता और भय का सामना करना पड़ता है। क्योंकि सभी दुःखों की जड़ लगाव है। इसलिए खुश रहने के लिए लगाव छोड़ दीजिये। –चाणक्य सुविचार

बंपर बारिश से खुशहाली की बयार के साथ खेत-खलिहान को नुकसान

राजस्थान में चालू मानसून में भारी बारिश से जहाँ भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर देखी जा रही है वहीं फसलों को नुकसान पहुँचने से किसानों के चेहरों पर चिंता से भजन लाल सरकार भी चिंतित है। राज्य सरकार किसानों की क्षतिपूर्ति के लिए मुआवजा देने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री भजन लाल के निर्देश पर मंत्रीगण जिलों का दौरा कर भारी वर्षा और अतिवृष्टि से फसलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए नुक्सान का ब्यौरा एकत्रित कर रहे है। सरकार कृषि विभाग के अधिकारियों से प्रदेश में हो रहे नुकसान का फीडबैक ले रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार ने राजस्व विभाग के माध्यम से एक पखवाड़े पहले ही गिरदावरी के लिए कह दिया था । एक सितंबर से प्रदेश में गिरदावरी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई ताकि किसान को कितना नुकसान हुआ हुआ है तथा किसको कितना उसको मुआवजा देना है, इसका निर्धारण हो पाए। प्रदेश में तीन इंश्योरेंस कंपनियां काम कर रही है जो जाँच पडताल कर किसानों के नुकसान की भरपाई की कार्यवाही में जुटी है। किसान आयोग अध्यक्ष ने अतिवृष्टि से फसलों में हो रहे खराबे पर चिंता जाहिर की है। किसान आयोग अध्यक्ष ने कहा है कि कि सरकार किसानों की पीड़ा को जानती है और खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं। किसान आयोग के मुताबिक प्रदेश में लगातार हो रही बरसात से सब तरफ खुशी का माहौल है। आने वाले समय में पेयजल और सिंचाई के पानी की समस्या का समाधान हो रहा है। अत्यधिक बरसात से फसलों में खराबी भी सामने आ रही है। सरकार फसलों में हो रहे खराबी से चिंतित है।

राजस्थान में चालू मानसून में सर्वत्र बंपर वर्षा से खेत-खलिहान से लेकर पेयजल की कमी वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर है। हालांकि अतिवृष्टि और बाढ़ से जन जीवन अस्त व्यस्त होने के साथ जानमाल के नुक्सान की जानकारी भी मिली है। इसके बावजूद किसानों का कहना है हमारी नदियों और अन्य स्त्रोतों में पानी की अच्छी आवक होने से भूमिगत जलस्तर में आशातीत रूप से वृद्धि हुई है। अनेक नदियां वर्षों से सूखी पडी थी, उनमें भी पानी आया है।

भूजल स्तर में वृद्धि होने से डार्क जोन क्षेत्रों के कुओं, हैडपम्पों और ट्यूबवेल सहित अन्य स्त्रोतों में पानी आने से पेयजल की किल्लत ख़त्म होने के आसार है। प्रदेश के लगभग सभी बांध पानी से लबालब भर गए है जिससे सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में अच्छी मदद मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस से पचास वर्षों की अवधि में सूखे की मार झेल रही अनेक जिलों की नदियों में पानी की आवक से लोगों के चेहरों पर ख़ुशी देखी जा रही है। मानसून ने पिछले 50 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है पानी की अच्छी आवक से भूमिगत जलस्तर 15 प्रतिशत तक रिचार्ज होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में चालू मानसून में अब तक औसत से 62 प्रतिशत ज्यादा अर्थात 650 मि.मी बारिश हो चुकी है। बारिश ने वर्षों पचास के बाद प्रदेश में यह नया रिकॉर्ड बनाया है। अभी मानसून ख़त्म नहीं हुआ है और यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा। मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश के साढ़े तीन सौ से अधिक बांध पानी से लबालब भर चुके है। अत्यधिक पानी की आवक से लगभग 200 बांधों के गेट खोले जा चुके है। प्रदेश के सभी 691 बांधों में 85 प्रतिशत पानी आ चुका है और यह क्रम अनवरत चालू है। बांधों में पानी की अच्छी आवक से अगले एक साल तक पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सरकार कृषि विभाग के अधिकारियों से प्रदेश में हो रहे नुकसान का फीडबैक ले रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार ने राजस्व विभाग के माध्यम से एक पखवाड़े पहले ही गिरदावरी के लिए कह दिया था । एक सितंबर से प्रदेश में गिरदावरी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई ताकि किसान को कितना नुकसान हुआ हुआ है तथा किसको कितना उसको मुआवजा देना है, इसका निर्धारण हो पाए।

राज्य में नदी, नालों, तालाबों, झीलों, कुओं और बांधों में पानी की अच्छी आवक से भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर देखी जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक भूजल स्तर को फिर से जीवंत करने में वर्षा जल मदद करता है। पेयजल का मुख्य स्त्रोत भूगर्भ जल ही है। भूजल वह जल होता है जो चट्टानों और मिट्टी से रिस जाता है और भूमि के नीचे जमा हो जाता है। जिन चट्टानों में भूजल जमा होता है, उन्हें जलभृत कहा जाता है। भारी वर्षा से जल स्तर बढ़ सकता है और इसके विपरीत, भूजल का लगातार दोहन करने से इसका स्तर गिर भी सकता है।

गौरतलब है राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान रेतीला, बंजर, पर्वतीय और उपजाऊ कच्छारी मिट्टी से मिलकर बना है। राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण आधारित है। कृषि और पशु पालन यहां के निवासियों के मुख्य रोजगार है। वर्षा की अनियमितता के कारण यह प्रदेश अनेकों बार सूखे और अकाल का शिकार हुआ। मगर प्रदेशवासियों ने विपरीत स्थितियो में भी जीना सीखा और अपने बुलन्द हौसले को बनाये रखा।

राजस्थान अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों निजी कुओं के निर्माण से भूजल के दोहन में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा खेती में सिंचाई भूजल के माध्यम से होती है। जिसके परिणामस्वरूप भूजल में गिरावट आई है। भू-जल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं होने से संकट बढ़ रहा है। घटते भू-जल के लिए सबसे प्रमुख कारण उसका अनियन्त्रित और अनवरत दोहन है। इस वर्ष चालू मानसून में अनेक ऐसी नदियों और तालाबों में पानी आने के समाचार भी मिल रहे जो वर्षों से सूखे की मार झेल रहे थे। भूजल खेती और सिंचाई के कार्य में बहुतायत से उपयोग में आता है।

'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023' शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय-पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान की एक रिपोर्ट में बताया गया है, भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। रिपोर्ट के अनुसार देश में कृषि के लिए लगभग 70 प्रतिशत भूजल का उपयोग किया जाता है। भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा यूजर है, जो यूएसए और चीन के कुल उपयोग से भी अधिक है। भारत का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र देश की बढ़ती 1.4 अरब आबादी के लिए रोटी की टोकरी के रूप में काम करता है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुंद ओझा,
वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

भारत के संविधान के होते हुए, क्या सार्थकता है मनु स्मृति पर यदा-कदा की निरर्थक बहस का?

महावीर सिंह

भारत एक संवैधानिक राष्ट्र है। इसका शासन संविधान के अनुसार चलता है। हमारा संविधान उन मानवीय मूल्यों पर आधारित है जिनको बीच में रख कर स्वतंत्रता का आंदोलन चला और अंततोगत्वा भारत वैसा राष्ट्र बना जैसा ज्ञात इतिहास में पूर्व में कभी नहीं था। कैबिनेट मिसन के प्रावधानों के अनुसार 1946 संविधान निर्मात्री सभा का गठन हुआ। इस सभा में स्वतंत्रता के जंग में शामिल सभी संगठनों, विभिन्न समुदायों के 229 व देशी रियासतों के भी 70 प्रतिनिधि थे। कुछ संगठन जो आजादी की लड़ाई के प्रति उदासीन थे उनके भी कुछ-कुछ प्रतिनिधि थे। इस प्रकार की जनता की संविधान निर्मात्री सभा नें हर मुद्दे पर व्यापक बहस के बाद संविधान तैयार किया जिसके अनुसार गत 74 साल से भारत का शासन चल रहा है। इस संवैधानिक व्यवस्था से आम लोगों की बहुत सी आकांक्षाए पूरी हुई, कुछ नहीं भी हुई।

पुराने राजाओं की राज व्यवस्थाओं में कुल मिलाकर एक राजा व उसके द्वारा बनाए मंत्री मंडल द्वारा ही शासन का संचालन होता था। ऐसे मंत्री मंडलों में अधिकांशत: उच्चवर्णों के लोग ही होते थे । ऐसे लोगों के मंत्रिमंडल के निर्णय उन्ही वर्गों के हितों को सर्वोपरि रख कर होता था। नि:सन्देह पूर्व में भी कुछ अच्छे राजा हुए यथा अशोक महान, हर्षवर्धन व उत्तर-दक्षिण के गुप्त सम्राज्य के राजा, दक्षिण के कुछ चोल और कुछ अन्य। अब जनता द्वारा चुनी संसद कानून बनाती अर्थात राजा के अधिकार जनता में हैं। जनता के चुने हुए लोग ही संसद द्वारा अनुमोदित कानूनों,नीतियों की अनुपालन करते, कराते है। अब मनुस्मृति लिखी बातों के लिए कोई स्थान है ही नहीं तो फिर यदा कदा मीडिया में अर्थहीन डिबेट क्यों चलती हैं? वर्तमान में मनुस्मृति का पठन-पाठन, चर्चा, कानून के विद्वानों, विद्यार्थियों, वकीलों के लिए यह समझने के लिए तो हो सकता है कि समाजों में कानून की क्यों आवश्यकता है और विभिन्न ऐतिहासिक काल खंडों में विभिन्न विषयों के कानून कैसे-कैसे बने व उनमें समय-समय पर क्या और क्यों बदलाव हुए है। इस से अधिक इसका कोई महत्व नहीं।

मनु स्मृति में बहुत से श्लोक मनुष्यों के आपसी रिश्तों, व्यवहार में शिष्टाचार, जन्म, शादी, श्राद्ध से सम्बंधित है। इन में से अधिकांश में कोई आपत्ति वाली बात नहीं है। आपत्ति केवल इतनी है यह सारे श्लोक केवल तीन उच्च वर्णों के कार्यों में ही उपयोग में लिए जाते है। शुद्र वर्ग के लिए नही। इस से यह झलक मिलती है कि तत्समय शुद्र वर्ग के लिए सेवा आदि कार्य तो निर्धारित थे किन्तु उन्हें उच्च तीन वर्गों वाले समाज से अलग - थलग ही रखा गया।

आइए जरा मोटे रूप से देखें यह मनुस्मृति है क्या? यह एक पुरानी विधि संहिता है। कितनी पुरानी है पुख्ता रूप से कोई कुछ नहीं कह सकता। कुछ इसे 2, 5 से 10 हजार साल पुरानी बाताते है। कुछ तो इसे सृष्टि के सृजन के साथ जोड़ने में भी नहीं हिचकिचाते। उनके अनुसार मनु ब्रह्मा के पुत्र है। कुछ लोग कल्पना दौड़ाते है कि हर युग-कल्प में एक मनु होता है जो समाज को व्यवस्थित ढंग से चलाने के नियम-कायदे बनाते और सिखाते हैं।

मनुस्मृति में कुल श्लोक कितने हैं, इस पर भी मतभिन्नता है। भिन्न-भिन्न लोग 2500 से 3000 तक श्लोक मानते हैं। मनुस्मृतियाँ कितनी है इस पर भी एक राय नही। नारद स्मृति, पराशर स्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति आदि भी चलन में है। कुछ अन्य स्मृतियों में भी समाज के लिए नियम कायदे बताए है। वैसे तो ब्रिटिश हुकूमत के समय ही मनुस्मृति के विपरीत कानून बनने शुरू होगए थे जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम या 1834-35 के पश्चात सभी वर्गों लोगों के लिए शिक्षा प्राप्ति के लिए सुविधाओं का विस्तार व समानता आदि। फिर समय-समय पर इस विषय को क्यों चर्चा में लाया जाता है? मनुस्मृति पर पहला मुखर विरोध डॉक्टर बीआर अम्बेडकर नें शुरू किया। उन्होंने 25 दिसम्बर 1927 को सार्वजनिक रूप से मनुस्मृति को जलाया। जनता के समक्ष यह विषय रखा कि मनुस्मृति में महिलाओं व वंचित दलित वर्गों के लिए अत्यंत विभेदकारी, गैर बराबरी वाली व परस्पर विरोधी बातें लिखी है। बहुत से दण्ड प्रावधान भी वर्ग के अनुसार अलग-अलग है। उनके अनुसार शिक्षा के प्रसार से नवचेतना आई है और मनुस्मृति जैसी पुरातन कानून संहिताओं के लिए आधुनिक, प्रगतिशील समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

भारत का संविधान 16 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ और 30 नवम्बर 1949 के ऑर्गनाइजर में नव निर्मित संविधान को मनुस्मृति के अनुसार न होने के बिंदु पर आलोचना छपी। आलोचना के मुख्य बिन्दु थे कि संविधान में प्राचीन भारत की संवैधानिक विकास यात्रा, संस्थाओं, शब्दावलियों का बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया। मनुस्मृति की सारे संसार में तारीफ की जाती है जो भारतीय हिंदुओं को सहज स्वीकार्य है। कुछ लोग तो यहां तक बोल देते हैं कि हिंदुओं को अंग्रेजों के 200 साल के शासन में उतना नुकसान नहीं हुआ जितना संविधान के कारण हुआ है। तलाक (डिवोर्स कानून) प्रावधानों पर भी ऑर्गनाइजर में एक असहमति वाली टिप्पणी छपी थी। कुछ आगे बढ़ते हुए मनुस्मृति में दिए प्रलय, ब्रह्मा, सृष्टि सृजन व कुछ विवादस्पद श्लोको में से कुछ पर चर्चा कर विषय पर कुछ ओर स्पष्टता लाएं:-(आगे सम्बंधित श्लोक ब्रेकिट में लिखे है, पहला अंक अध्याय दर्शाता है ओर डॉट के बाद की संख्या श्लोक संख्या है।)

इस ग्रन्थ के प्रथम अध्याय में ध्यान लीन बैठे मनु जी नें, महर्षियों के आग्रह पर, मनुस्मृति का ज्ञान उनको दिया। श्लोक 1.61 के अनुसार सृष्टि रचना के बाद सबसे पहले मनुस्मृति धर्म शास्त्र बना। श्लोक 1.62 के अनुसार मनु नें कहा कि भृगु नें उनके द्वारा दिया ज्ञान अच्छी तरह समझ लिया और स्मरण कर लिया। मनु के अनुसार आगे से भृगु ऋषि ही यह ज्ञान सब को सुनाएंगे। इसका अर्थ हुआ कि वर्तमानं में जो मनुस्मृतियाँ बाजार में उपलब्ध है उनमें मनु जी के मूल श्लोकों के साथ-साथ, श्रवण करने वालों के स्मरण व उनकी व्याख्या, समझ, ज्ञान, सृजन का भी मेल जरूर होगा। श्रुति आधारित मनु स्मृतियों को बहुत बाद में लिखित रूप दिया गया है। प्रथम अध्याय में ही चार वर्णों के सम्बंध में लिखा है। श्लोक संख्या 1.2 के अनुसार ऋषियों नें मनु के समक्ष इच्छा व्यक्त की थी कि उन्हें चार वर्णों के कर्मों के बारे में बताएं। प्रलय का जिक्र है 1.7 में और 1.10 के अनुसार, सृष्टि का सृजन ईश्वर की इच्छा मात्र हुआ है। 1.11 के अनुसार ईश्वर नें जल में बीज छोड़ा जो एक तीव्र प्रकाश वाले अंडे में परिवर्तित हुआ और उस में से हजारों साल बाद ब्रह्मा निकले। ब्रह्मा ही ब्रह्म हैं।

शेष अगले अंक में.....
–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

गणेश उत्सव ने आमजन को स्वराज और एकता का संदेश दिया

गोविन्द पारीक

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने ब्रिटिश हुकूमत द्वारा धारा 144 के कडे कानून से व्याप्त भय को खत्म कर इस कानून का विरोध करने के लिए सार्वजनिक रूप से भाद्रपद मास की चतुर्थी से चतुर्दशी तक गणेश उत्सव मनाने की शुरुआत की। अत: भारत की स्वराज प्राप्ति में भगवान गणेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीयों में अंदरूनी रुप से चल रही स्वराज की धारणा को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अंग्रेजों ने वर्ष 1894 में धारा 144 का नया कानून लागू किया। इस कठोर कानून तहत किसी भी स्थान पर 5 से अधिक भारतीय एकत्रित नहीं हो सकते थे। इसके उल्लंघन पर कोडे मारने का कठोर दण्ड था। सनातन परंपरा में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। पुरातन काल से ही गणेश जी के जन्मोत्सव के रूप में भाद्रपद मास की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी का अयोजन किया जाता था। सात वाहन, राष्ट्रकूट तथा चालुक्य वंश के काल में भी गणेश जन्मोत्सव मनाने के प्रमाण मिलते हैं। छत्रपति शिवाजी ने इसे राष्ट्रधर्म और संस्कृति से जोड़ दिया। गणेशजी पेशवाओं के कुलदेवता थे। पेशवाओं ने गणेश उत्सव को व्यापक स्तर पर मनाना प्रांरभ किया।

उत्सव के दौरान प्रतिदिन तिलक आमजन में जोश भरने के लिए बडे क्रांतिकारिओं को आमंत्रित करते थे। बंगाल के सबसे बड़े नेता विपिन चन्द्र पाल 20 अक्टूबर को तथा 21 अक्टूबर को उत्तर भारत के लाला लाजपत राय वहां पहुंचे। अगले वर्ष 1895 में पुणे में 11 गणपति स्थापित किए गए। यह संख्या बढ़ते हुए वर्ष 1896 में 31 और वर्ष 1897 में 100 तक पंहुच गई और कालान्तर में यह संख्या लगातार बढ़ती गई। गणपति उत्सव का आयोजन कालांतर में मुंबई, नागपुर, अहमदनगर आदि अनेक शहरों में किया जाने लगा। पुणे से प्रांरभ हुआ दस दिवसीय गणेश उत्सव अब विश्व के अनेक देशों में अत्यंत उत्साह, उमंग और उल्लास से मनाया जाता है। मान्यता है कि इन 10 दिनों तक भगवान गणेश पृथ्वी पर ही रहकर भक्तों के कष्टों को दूर करते हैं। पौराणिक कथा अनुसार, महर्षि वेदव्यास ने भगवान गणपति जी से महाभारत की रचना को लिपिबद्ध करने की प्रार्थना की। गणेश चतुर्थी के दिन से व्यासजी श्लोक बोलते गए और गणेशजी उसे लिपिबद्ध करते गए। गणेशजी ने लगातार लेखन के बाद 10वें दिन चतुर्दशी पर सरस्वती नदी में स्नान किया। इसी कारण गणेश चतुर्थी के दिन स्थापित गणेश की 10 दिन पूजा करने के बाद प्रतिमा को अनंत चतुर्दशी के दिन विसर्जन कर दिया जाता है।

–गोविन्द पारीक,
अतिरिक्त निदेशक, से.नि.
जनसंपर्क

बाबा भर्तृहरिनाथ के मेले में करीब सात लाख श्रद्धालु पहुंचे

अलवर, (निसं)। अलवर के लोकदेवता बाबा भर्तृहरिनाथ का तीन दिवसीय मेला अपने अन्तिम पड़ाव की ओर है। बुधवार को अलवर में जिले में घर-घर बाबा भर्तृहरि की ज्योत देखी गई। वहीं तीन दिवस के दौरान करीब 6 से 7 लाख श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा भर्तृहरिनाथ के दर्शन कर अपनी मन्नतें मांगी। इस लक्खी मेले में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने साथ मिलकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई कोर कसर नहीं छोडी। दूसरी ओर भर्तृहरि मंदिर के पुजारियों द्वारा एवं अन्य साधुओं के आश्रमों द्वारा हजारों लोगों के भोजन के लिए अटूट भण्डारों का आयोजन किया गया।

हर साल भाद्र पक्ष की अष्टमी के दिन यहां लक्खी मेले का आयोजन किया जाता है जिसे माधोगढ़ ग्राम पंचायत द्वारा आयोजित करवाया जाता है। यहां पर उल्लेखनीय है कि बाबा भर्तृहरि का मेला सघन जंगल में आयोजित होता है और लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस की सूझबूझ के चलते अपराधी मेले में कम ही पहुंचते हैं, फिर भी छुटपुट अपराध होना इतने बड़े मेले में मायने नहीं रखते। मेले में भंडारे का आयोजन मंदिर ट्रस्ट सहित वहां साधुओं के आश्रमों द्वारा संचालित होते हैं जहां लाखों की संख्या में बाबा के भक्त और मेलार्थी प्रसादी पाते हैं। यहां संतोषनाथजी के आश्रम में बाबा सोमवार नाथ द्वारा तीन दिन देसी घी का भंडारा आयोजित हुआ, जिसमें करीब एक लाख श्रद्धालुओं ने प्रसादी पाई। मंदिर के महंत पुजारी पदम नाथ ने जानकारी देते हुए बताया कि जो भी यहां श्रद्धा भाव से बाबा के दर्शनों के लिए आते हैं बाबा भर्तृहरि उनकी सभी मनोकामना को पूरा करते हैं। वहीं बुधवार को मेले में बाबा भर्तृहरि जी महाराज के मेले में आए हुए श्रद्धालु का मंदिर में दर्शन के दौरान मोबाइल गिर गया।

महन्त पदम नाथ पुजारी को मोबाइल मिला वह मोबाइल स्विच ऑफ बताया गया लेकिन महंतजी के द्वारा मोबाइल को घर ले जाकर चार्ज किया और उस मोबाइल को चालू करने पर श्रद्धालु नाहर सिंह मीणा उपखंड रैणी का फोन आया और महंतजी ने फोन को रिसीव कर उनको अपना परिचय दिया। महंतजी ने कहा कि आपका मोबाइल मंदिर परिसर में है आप आ जाइए आपको मोबाइल दे दिया जाएगा। अलवर के नाहर सिंह मीना दूसरे दिन जब भर्तृहरि मंदिर पहुंचा तो महंत जी के द्वारा ईमानदारी का परिचय देते हुए 30 हजार रुपये का मोबाइल दो रुपये नगद तथा मोटरसाइकिल के कागज सौंपे गए।

बाबा भर्तृहरिनाथ के मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मन्नत मांगी।

- **मंदिर के पुजारियों एवं अन्य साधुओं के आश्रमों द्वारा भक्तों के लिए भण्डारों का आयोजन हुआ**
- **तीन दिन में लाखों श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जहां बाबा भर्तृहरिनाथ के दर्शन कर अपनी मन्नतें मांगी**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 12 सितम्बर, 2024

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र रात्रि 9:53 तक, आयुष्मान योग रात्रि 10:41 तक, बालव करण दिन 11:40 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज श्री हरि जयन्ती, श्री चन्द्र नवमी, अदु:ख नवमी, तल नवमी है। आज से भागवत सप्ताह आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:47 तक, चर 10:31 से 12:23 तक, लाभ-अमृत 12:23 से 3:27 तक, शुभ 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:32

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कर्क

स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

सिंह

नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मकर

व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

!! श्री साँवलिया सेठ की जय !!

मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्णधाम श्री साँवलियाजी (मण्डफिया) में त्रिदिवसीय

विशाल जलझूलनी एकादशी मेला

दि. 13 सितम्बर से 15 सितम्बर 2024

विशाल शोभायात्रा
भादवा सुदी 10 शुक्रवार,
दि. 13 सितम्बर 2024
समय – दोपहर 2 बजे से
मन्दिर परिसर से...

विशाल रथयात्रा
भादवा सुदी 11 शनिवार,
दि. 14 सितम्बर 2024
समय – दोपहर 12 बजे से
मन्दिर परिसर से...

अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन

दि. 13.09.2024 रात्रि 9 बजे से...

आमन्त्रित कविगण :- श्री सुरेन्द्र शर्मा
सत्यनारायण सतन, विवेक पारीक
जॉनी बैरागी, भुवन मोहिनी, विष्णु सक्सेना
मुन्ना बैट्री, नवल सुधांशु, प्रवीण राही

विशाल भजन संध्या

प्रख्यात भजन गायक श्री राज पारीक, छोटूसिंह रावणा
एवं सवाई भाट मय दल द्वारा सुन्दर भजनों की प्रस्तुतियां

शनिवार, दि. 14.09.2024 रात्रि 9 बजे से स्थान :- मण्डफिया बाईपास स्टेज पर

शुभारम्भ :- शुक्रवार, दि. 13.09.2024

गणपति वन्दना :- वैदिक पाठशाला के वेदपाठी बालकों द्वारा
समय – रात्रि 8.30 बजे से....
स्थान – मण्डफिया बाईपास स्टेज पर

अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन
रात्रि 9 बजे से...
स्थान : मण्डफिया बाईपास स्टेज पर

सुरभि चतुर्वेदी मय दल द्वारा
रात्रि 9 बजे से...
भजन संध्या कार्यक्रम
स्थान : मेला ग्राउण्ड (गोवर्धन रंगमंच)

भजन संध्या कार्यक्रम
(अधिष्ठा व अनुष्का मय दल द्वारा)
समय – 9 बजे से...
स्थान : मेला ग्राउण्ड (मीरा रंगमंच)

शहनाज फोगा मय दल द्वारा रात्रि 1 बजे से
सांस्कृतिक नृत्य एवं कलात्मक प्रस्तुतियां
स्थान : मेला ग्राउण्ड (मीरा रंगमंच)

दीपिका राव मय दल द्वारा
रात्रि 1 बजे से...
सांस्कृतिक कार्यक्रम
स्थान : मेला ग्राउण्ड (गोवर्धन रंगमंच)

रंगारंग आतिशबाजी :- शोभायात्रा की वापसी पर रात्रि 8 बजे, मन्दिर परिसर से

मुख्य समारोह :- शनिवार, दि. 14.09.2024

विशेष आकर्षण :- हैलीकॉप्टर द्वारा गुलाब पुष्प वर्षा
समय– दोपहर 12 बजे
मन्दिर शिखर पर

विशेष आकर्षण :-
रथयात्रा में राम दरबार, कृष्ण-सुदामा मिलन झांकी,
राधा-कृष्ण झांकी, शिव परिवार झांकी
महाकाल झांकी, बाहुबली हनुमान झांकी
शेरावाली माँ की झांकी की भव्य प्रस्तुतियां

भजन संध्या कार्यक्रम
भगवत सुथार मय दल द्वारा
रात्रि 9 बजे से
स्थान : मेला ग्राउण्ड (मीरा रंगमंच)

पूजा नथानी मय दल द्वारा
रात्रि 9 बजे से...
भजन संध्या कार्यक्रम
स्थान : मेला ग्राउण्ड (गोवर्धन रंगमंच)

सांस्कृतिक कार्यक्रम, समय – रात्रि 1 बजे से...
तन्मय वकारिया (तारक मेहता उल्टा चश्मा फेम बाघा)
हिमांशु बवण्डर (इण्डियाज लाफ्टर चैंपियन फेम मय दल)
स्थान : मेला ग्राउण्ड बस स्टेण्ड (गोवर्धन रंगमंच)

रंगारंग आतिशबाजी :- रथयात्रा की वापसी पर रात्रि 8 बजे, मन्दिर परिसर से

मन्दिर की चित्ताकर्ष नयनाभिराम विद्युत सज्जा

श्रद्धालुओं हेतु विशेष सूचना

जो श्रद्धालु भक्तगण राजभोग, बालभोग, मक्खनभोग, मनोरथ सेवा, महाप्रसाद व गोसेवा हेतु दान करना चाहता है, वह निम्न बैंकों में ऑनलाईन दान (बैंक खाताधारक नाम :- मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री साँवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया) के नाम से भिजवा सकते है, दान की गई श्रद्धा दान राशि आयकर अधिनियम की धारा 80जी में छूट योग्य है।

Bank	A/c no.	IFSC Code No.
SBI	51079791309	SBIN0031432
BOB	52430100000001	BARBOMANDPH
CBI	1990916119	CBIN0283263

समापन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम

रविवार, दि. 15.09.2024

दिव्यांगों को मोटोराईज्ड स्कूटी वितरण
एवं प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह

वीणा कैसेट्स द्वारा
सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

समय - सायं 7 बजे से.... स्थान :- मेला ग्राउण्ड (मीरा रंगमंच)

निवेदक

श्री साँवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया

जिला–चित्तौड़गढ़ (राज.)

मुद्रक : महेश प्रिन्टिंग प्रेस, बड़ीसादड़ी मो. 9414858527

करौली जिले में मानसून फिर सक्रिय, पांचना बांध के तीन गेट खोले

पांचना बांध के तीन गेट खोलकर 3936 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है

करौली, (निसं)। करौली जिले में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। बुधवार प्रात: जिला मुख्यालय पर करीब 34 एमएम (सवा इंच) बारिश दर्ज की गई है। क्षेत्र में रुक-रुककर हो रही बारिश से पांचना बांध में भी पानी की आवक बढ़ी है। बांध के तीन गेट खोलकर 3936 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है।

- **करौली क्षेत्र में रुक-रुककर हो रही बारिश से पांचना बांध में भी पानी की आवक बढ़ी**
- **करौली जिला मुख्यालय पर करीब 34 एमएम (सवा इंच) बारिश दर्ज की गई**

जानकारी के अनुसार जिले के सबसे बड़े बांध पांचना से गत आठ अगस्त से लगातार पानी की निकासी की जा रही है। हालांकि बांध से कभी कम तो कभी ज्यादा पानी की निकासी की जा रही है। जिसके चलते गंभीर नदी भी लगातार बह रही है। बाद में पानी की निकासी घाटा दी गई। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिन क्षेत्र में मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी दी है। करौली जिले में 15 जून से अब तक औसत से दोगुनी से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है। जिले में करीब 1331.3 एमएम बारिश दर्ज हुई है जो औसत बारिश से दोगुनी से अधिक है। जिले में मानसून सत्र में बारिश का औसत 596 एमएम है। इसी तरह पांचना बांध कि कुल भराव क्षमता 2100 एमसीएफटी है, जबकि बांध से 7500 एमसीएफटी से अधिक पानी की निकासी हो चुकी है।

जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता ने बताया कि मंगलवार प्रात: आठ बजे से बुधवार प्रात: आठ बजे तक सपोटरा में 5 एमएम, कालीसिल बांध पर 11 एमएम, हिंडौन में 5 एमएम, जगर बांध पर 14 एमएम, नादौती में 1 एमएम, करौली में 34 एमएम, पांचना बांध पर 4 एमएम तथा मंडरायल में 9 एमएम बारिश दर्ज हुई है। जिले में अब तक सर्वाधिक बारिश करौली में 1832 एमएम तथा सबसे कम मंडरायल में 688 एमएम दर्ज की गई है।

करौली जिले के सबसे बड़े बांध पांचना से पानी की निकासी की जा रही है।

बनास नदी में नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत

नहाते समय दोनों भाई गहरे पानी में चले गए और उनकी सांसें फूल गई थी

टोंक, (निसं)। टोडारायसिंह थाना क्षेत्र से गुजर रही बनास नदी में बुधवार को नहाने गए दो चचेरे भाईयों की डूबने से मौत हो गई। घटना का पता लगने के बाद लोग बनास नदी की ओर दौड़े और उनके शवों को तलाशा। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों चचेरे भाइयों को बाहर निकाला और टोडारायसिंह अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

टोडारायसिंह थाना पुलिस ने बताया कि सवाई माधोपुर जिले के बोंली थाना क्षेत्र के जस्टाना निवासी सत्यनारायण मीना टोडारायसिंह कस्बे में बिजली निगम में लाइनमैन हैं, यहा सपरिवार रहता है। इनके साथ इसके बड़े भाई जसराम मीना का एक लड़का तेजप्रकाश भी पढ़ाई के लिए रहता था। सुदर्शन (15) और तेजप्रकाश (15) एक निजी स्कूल पढ़ते थे। मंगलवार को दोनों स्कूल गए थे।

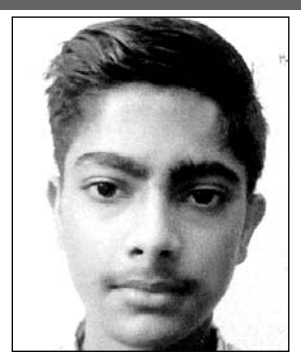

मृतक चचेरे भाई।

सुदर्शन कक्षा 11 में साइंस का और तेजप्रकाश कक्षा 12 में कला वर्ग का स्टूडेंट था। मंगलवार दोपहर को स्कूल से वापस आने के बाद शाम को परिजनों के साथ क्षेत्र के कुरासिया गांव में एक परिचित के सामाजिक कार्यक्रम में गए थे, रात में वहीं रहे थे। बुधवार सुबह करीब नौ बजे परिजनों को बिना बताए गांव के पास से गुजर रही बनास नदी में नहाने चले गए। जहां अभी बीसलपुर बांध का पानी छोड़ने से बनास नदी में तेज गति से पानी बह रह है, उसमें नहाते समय दोनों गहरे पानी में चले गए और उनकी सांसें फूल गई। इस दौरान वे डूबने लगे तो बचाने के लिए आवाज भी लगाई। कुछ दूरी पर नदी किनारे बैठकर नहा रही दो तीन महिलाओं ने इनके चिल्लाने की आवाज सुनी तो घबरा गई। वे संभलती उससे पहले ही वे कुछ ही पल में पानी में डूब गए और दिखाई नहीं दिए। बाद में महिलाओं ने गांव के लोगों को इस घटनाक्रम की जानकारी दी।

- **घटना का पता लगने के बाद लोगों ने बनास नदी में से दोनों चचेरे भाइयों को बाहर निकाला**
- **दोनों को टोडारायसिंह अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया**
- **मृतक सुदर्शन कक्षा 11 में साइंस का और तेजप्रकाश कक्षा 12 में कला वर्ग का स्टूडेंट था**

बाद में ग्रामीण नदी की ओर दौड़े। इसका पता लगने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे और बाहर कपड़े देख बिलख पड़े। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने दोनों के शवों को निकाला। पुलिन ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजन दोनों के शवों को लेकर अपने मूल गांव के लिए रवाना हो गए।

नाबालिग युवती का अपहरण कर दुष्कर्म

खाजूवाला, (निसं)। यहां एक चक में नाबालिग युवती का अपहरण करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवती का अश्लील वीडियो भी बनाया। खाजूवाला में करीब एक माह पूर्व सूरतगढ़ से आए तीन लोग रात के समय ग्रामीण इलाके में घर के आगे सो रही 17 साल की युवती का मुंह दबाकर उसे उठा ले गए। युवती को दूर सुनसान जगह खेत में ले गए और एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके दो साथियों ने अश्लील वीडियो बनाया।

इस दौरान युवती का मुंह तौलिए से बंद कर दिया। उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया गया। वारदात के बाद युवती को किसी को बताने या मुकदमा दर्ज कराने पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी और फरार हो गए। डरी-सहमी युवती ने कुछ दिन पहले ही अपने परिजनों को वारदात के बारे में बताया। युवती के पिता ने पुलिस को रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी 17 साल की पुत्री अपनी छोटी बहन के साथ बुआ के बेटे की सगाई में गई और छह-सात दिन वहां रुकी। इस दौरान वहां गुरविन्द्रसिंह रायसिख उसके पीछे लग गया और शादी का दबाव डालने लगा। युवती अपने घर लौट आई पर आरोपी गुरविन्द्र उसे लगातार फोन करने लगा। उसने अपने माता-पिता से भी मोबाइल पर शादी का दबाव डलवाया।

- **आरोपियों ने युवती का अश्लील वीडियो बनाकर धमकी दी**

पांच सितंबर की रात को पीड़िता अपने घर के बाहर मां और दादी के साथ सो रही थी। रात को 11.30 बजे आरोपी गुरविन्द्र अपने दो साथियों के साथ बाइक लेकर पहुंचा और पीड़िता का मुंह दबाकर जबरन उठा ले गया। उसे सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म किया और उसके साथियों ने अश्लील वीडियो बनाया। पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज किया है। मामले की जांच सीओ खाजूवाला विनोद कुमार करेंगे।

राजस्थानी भाषा के आठ साहित्यकारों को अलंकृत किया जाएगा

जयपुर। साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों में संलग्न प्रयास संस्थान, चूरू द्वारा प्रदेश के आठ प्रमुख साहित्यकारों को राजस्थानी भाषा में उल्लेखनीय योगदान के लिए संस्थान के विभिन्न पुरस्कार-सम्मानों से अलंकृत किया जाएगा।

प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि संस्थान प्रवर्तित कन्हैयालाल रतनलाल पारख साहित्य पुरस्कार, मोहन आलोक साहित्य सम्मान, बैजनाथ पंवार कथा साहित्य पुरस्कार, सावित्री चौधरी खूमसिंह साहित्य पुरस्कार एवं दुर्गेश युवा साहित्यकार पुरस्कार से क्रमश: प्रो. जहूर खां मेहर जोधपुर, सुरेंद्र पारीक रोहित चूरू, अरविंद सिंह आशिया उदयपुर, जितेंद्र निर्मोही कोटा, मोनिका गौड़ बीकानेर, बसंती पंवार जोधपुर, महेंद्र सिंह छायण जैसलमेर तथा पूनमचंद गोदारा गुसाईंसर बड़ा-श्रीडूंगरगढ़ सम्मानित किया जायेगा। प्रयास संस्थान के सचिव ने बताया कि वार्षिक राजस्थानी साहित्य पुरस्कार समारोह 15 सितंबर, रविवार को अपराह्न चार बजे चूरू के सूचना केंद्र में आयोजित होगा। साहित्य अकादेमी नई दिल्ली में राजस्थानी भाषा एडवायजरी बोर्ड के कन्वीनर प्रोफेसर अर्जुनदेव चारण की अध्यक्षता में होने वाले इस समारोह के मुख्य अतिथि चूरू सांसद राहुल कस्वां होंगे। वहीं राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर के पूर्व अध्यक्ष डॉ. भरत ओला तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के राजस्थानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में शिरकत करेंगे।

- **15 सितम्बर को चूरू में आयोजित होगा कार्यक्रम**

सम्मानित होने वाले साहित्यकार।

अजमेर रेलवे स्टेशन से चार साल की मासूम का अपहरण

अहमदाबाद से दस घंटे के अंदर आरोपी को बालिका के साथ पकड़ा

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेलवे स्टेशन पर मासूम बच्चियों के अपहरण और दुराचार की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार देर रात ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब अजमेर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर संख्या एक से 4 साल की मासूम बालिका अपहरण हो गया। बालिका का परिवार सिरोही से दरगाह जियारत के लिए अजमेर आया था और गंतव्य स्थान पर जाने के लिए स्टेशन के प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। घटना के बाद जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को दस घंटे के अंदर अहमदाबाद के चांदोलिया रेलवे स्टेशन पर पोरबंदर एक्सप्रेस से गिरफ्तार कर लिया और बच्ची को सुरक्षित कब्जे में ले लिया। आरोपी को पुलिस टीम देर अजमेर लेकर आई।

जीआरपी एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि दरगाह जियारत कर परिवार अजमेर से सिरोही जा रहा था। मंगलवार देर रात करीब पौने दस बजे घटना घटित हुई। जब सिरोही से अजमेर आई महिला अपने परिवार के साथ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इस दौरान एक अज्ञात युवक परिवार के पास आकर बैठ गया और मासूम से बातचीत करने लगा। शातिर युवक मौका पाकर मासूम बच्ची का अपहरण कर फरार हो गया।

वारदात के बाद अजमेर रेलवे स्टेशन का जीआरपी एसपी ने मौका मुआयना किया।

- **बालिका का परिवार सिरोही से दरगाह जियारत के लिए अजमेर आया था**
- **बच्ची को आरोपी कोल्ड ड्रिंक और टॉफी वगैरा का लालच देकर ले गया**

जीआरपी एसपी जोशी ने बताया कि आरोपी बच्ची को स्टेशन से लेकर पहले बाजार गया और कुछ देर बाद वापस प्लेटफार्म नंबर चार पर पहुंचा और एक ट्रेन से बच्ची को लेकर रवाना हो गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने विभिन्न स्टेशनों पर इसकी सूचना दी गई। बुधवार सुबह करीब 6 बजे के करीब अहमदाबाद के नजदीक चांदोरिया पर खड़ी पोरबंदर ट्रेन से मासूम बच्ची को दस्तयाब कर आरोपी को पकड़ कर हिरासत में ले लिया। अजमेर जीआरपी को सूचना दी। सूचना मिलते ही टीम मौके के लिए रवाना हो गई और देर रात आरोपी को अजमेर ले आई।

बच्ची को कोल्ड ड्रिंक और टॉफी का लालच दिया:- जीआरपी एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि महिला जायरीन दरगाह जियारत के लिए आई थी। कल 8 बजे वापस स्टेशन पर घर लौटने के लिए आई थी। प्लेटफार्म नंबर एक पर ट्रेन का इंतजार किया जा रहा था। इस बीच एक अज्ञात युवक वहां पहुंचा और महिला से बातचीत और जान पहचान करने लग गया। बाद में उसकी चार साल की बच्ची को कोल्ड ड्रिंक और टॉफी वगैरा का लालच देकर गोद में खिलाने लग गया। बाद में जैसे ही बच्ची की मां का ध्यान भटका वह बच्ची को लेकर फरार हो गया। बच्ची को पास न पाकर परिवार घबरा गया और उन्होंने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद यात्रियों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की।

जीआरपी एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि बुधवार सुबह रेलवे स्टेशन दौर का निरीक्षण किया। प्लेटफार्म सहित स्टेशन परिवार से नशेड़ियों को बाहर खदेड़ा गया। साथ अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए है कि प्लेटफार्म की सुरक्षा व्यवस्था दुरस्त रखी जाए।

नाबालिग से दुष्कर्म

अजमेर, (कासं)। श्रीनगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी के साथ युवक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। रिश्तेदार के यहां पर आरोपी युवक से पीड़िता की मुलाकात हुई थी। पीड़िता और आरोपी एक ही समाज के हैं और उनके बीच रिश्ते की बात चल रही थी, लेकिन आरोपी युवक ने किशोरी को अपनी हवस का शिकार बना लिया। पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दीपक कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता ने अजमेर पुलिस अधीक्षक को तहरीर पेश की थी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 2089-98 Date:- 09.09.2024

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 06/2024-25) for "Water Harvesting Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 26.09.2024. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 14.70 lacs.

UBN No. PWD2425WSOB05432

(Hari Narayan Meena)
DIPR/C/8585/2024 Executive Engineer PWD Division Hindaun

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 2100-2110 Date:- 09.09.2024

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 07/2024-25) for "Rate Contract for Immediatd Flood Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 26.09.2024. procurement portal (http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 66.75 lacs.

UBN No. PWD 2425 WS0B05433
PWD 2425 W50B05434

(Hari Narayan Meena)
DIPR/C/8586/2024 Executive Engineer PWD Division Hindaun

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, कि0रेनवाल, जिला जयपुर (राज.)

क्रमांक/ई-बोली/2024-2025/निर्माण/1843 दिनांक 11.09.2024

ई-बोली आमन्त्रण सूचना 04/2024-2025

नगर पालिका कार्यालय कि0रेनवाल द्वारा स्थानीय निकाय विभाग/राजस्थान सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत विभागों द्वारा पंजीकृत निविदा हेतु पात्रता की श्रेणी के नियमानुसार संवेदकों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में दिनांक 23.09.2024 तक बोली आमन्त्रित की जाती है। बोली से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है तथा अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2425WSOB07874, DLB2425WSOB07875

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/24/5097 नगर पालिका कि0रेनवाल नगर पालिका कि0रेनवाल

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001, दूरभाष सं. 0294-2421255, 2420013
Helpline no. 0294 2426262, Helpline no.0294-2426262, वेबसाइट - www-udalpurmc.org

क्रमांक :- निविदा/2024-25/ई -18 दिनांक :- 12/09/2024

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 18/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु. 199.41 लाख के कुल 08 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 12.09.2024 एवं अंतिम तिथि 23.09.2024 तथा निविदा खुलने की तिथी 24.09.2024 रहेगी। निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. : UNP2425WSOB00086

राज.संवाद/सी/24/5056 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक :- निर्माण/2024-25/12813 दिनांक :- 09/09/2024

ई - निविदा-सूचना सं0 50/2024-25

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.sppp.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा की कुल लागत :- 59.14 लाख

UBN Number :- DLB2425WSOB07862

आयुक्त,
राज.संवाद/सी/24/5089 नगर निगम, बीकानेर

Office of The Executive Engineer Water Resources Division Kota

क्रमांक-EE/WRD/Ac./2024-25/ Date:

NIT No.- 08/2024-25

On behalf of the Governor of Rajasthan, e-Tenders are invited from eligible Bidders for the Works of
Item No. 01 "Repair and Renovation of Methi Ki Talai G.P and Tehsil Kanwas Distt. Kota" (Estimated Cost Rs. 29.39 Lac)
Item No. 02 "Converstion of old causeway into anicut near village Jagdishpura-Bishanpura Tehsil-Kanwas Distt. -Kota" (Estimated Cost Rs. 44.09 Lac)
Item No. 03 "Restoration of Dhulet Anicut on Local Nallah. G.P.Dhulet Tehsil Kanwas, Distt. -Kota" (Estimated Cost Rs. 63.70 Lac)
Item No. 04 "Restoration of Payara Talab Near Village Moikalan Tehsil Sangod Distt. Kota" (Estimated Cost Rs. 68.59 Lac)
Item No. 05 "Restoration of Khedadhirpur Talab Village Vinodkalan Tehsil Sangod, Distt. - Kota" (Estimated Cost Rs. 68.60 Lac)
Item No. 06 "Conversion of old causeway into anicut on near village Digod Tehsil Sangod District Kota" (Estimated Cost Rs. 73.48 Lac)
Item No. 07 "Repair and Renovation of Umarheri Talab, G.P-Bulahera, Tehsil Kanwas Distt. -Kota" (Estimated Cost Rs. 73.50 Lac)
are invited from interested bidders from 11.09.2024 (9:30 Hr) to 23.09.2024 till 18:00 Hr other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.nic.in, www.dipr.rajasthan. gov.in & www.water.rajasthan.gov.in.
NIB Code: WRD2425A0182
UBN ???
Item No. 01- WRD2425WSOB00599
Item No 02- WRD2425WSOB00600
Item No. 03- WRD2425WSOB00601
Item No 04- WRD2425WSOB00602
Item No 05- WRD2425WSOB00603
Item No 06- WRD2425WSOB00604
Itern No 07- WRD2425WSOB00605

Executive Engineer
DIPR/C/8594/2024 Water Resources Division, Kota

राजस्थान सरकार
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम
मिनी स्वास्थ्य भवन, सेठी कॉलोनी, जयपुर

क्रमांकः स्टोर/2024/222 दिनांकः 6/9/24

ई-निविदा सूचना

इस कार्यालय के अधीन जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के अन्तर्गत वित्तिय वर्ष 2024-25 में आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु भोजन, आवास एवं मिटिंग हॉल की व्यवस्था किये जाने हेतु ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है।
निविदा फार्म एवं भरे हुये निविदा फार्म (ई-निविदा) के माध्यम से दिनांक 09.09.2024 से 30.09.2024 को प्रातः 11.30 तक डाउनलोड एवं अपलोड किया जा सकेगा। ऑनलाईन ई-निविदा के माध्यम से जमा/अपलोड करायी गयी निविदाओं को दिनांक 30.09.2024 को दोपहर 3:00 बजे खोला जायेगा। शेष शर्ते निविदा प्रपत्र मे अंकितानुसार होगीं जो SPPP.raj.nic.in एवं eprocure.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरिक्षत रहेगा। अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा शुल्क 1000/- प्रति टेन्डर व अमानत राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट जिला स्वास्थ्य समिति जयपुर प्रथम के नाम देय होंगे, एवं प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार अनुसार होगा। जिसका डीडी MDRISL JPR के नाम देय होगा। जो निर्धारित तिथि तक अथवा उससे पूर्व कार्यालय में जमा कराने होगे।

	समान विवरण	अनुमानित राशि (लाखों मे)	बयाना राशि	निविदा शुल्क
1	विभिन्न प्रशिक्षणों में चाय, नाश्ता, लंच, डिनर व इत्यादि की व्यवस्था। विस्तृत जानकारी टेन्डर फार्म में उपलब्ध है।	10000000.00 (एक करोड)	200000.00 (दो लाख)	1000.00 (एक हजार)
2	विभिन्न प्रशिक्षणार्थियों के लिए मीटिंग हाल आवास व्यवस्था हेतु विस्तृत जानकारी टेन्डर फार्म में उपलब्ध है।	150000000.00 (एक करोड पचास लाख)	300000.00 (तीन लाख)	1000.00 (एक हजार)

ट्रेनिंग हॉल, आवास व्यवस्था व भोजन व्यवस्था के लिए अलग-अलग निविदाएँ प्रस्तुत की जानी है।
UBN: MHS 2425SLOB02876
UBN: MHS 2425SLOB02877

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
DIPR/C/8575/2024 स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम

OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT, RUHS HOSPITAL,
Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795577 Email: supdt.ruhscms.hms.2020@ruhsraj.org

No. RUHS HMS/Store/2024-25/4912-13 Date: 10/09/2024

अल्पकालीन ई-निविदा/दर संविदा सूचना

राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान चिकित्सालय हेतु इच्छुक एवं अनुभवी फर्मों/सेवा प्रदाताओं से निम्नानुसार दर संविदा हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

S. No.	Description of Tender	Estimated Cost in Rs.	Bid Security in Rs.	Tender Fee in Rs.	RISL Processing Fee	Bid Submission Start Date/Time	Bid Submission End Date/Time	Bid Opening Date/Time
1.	Rate Contract for Procurement of Services of Radiologist with Sonography Machine for USG Tests in Dept. of Radiology, RUHS Hospital, Jaipur (UBN:CMS2425SLRC00018)	90.00 Lacs	180000.00	1000.00	1500.00	24/09/2024 at 2:30 PM onwards	04/10/2024 at 2:00 PM	05/10/2024 at 01:00 PM
2.	Rate Contract for Procurement of Service of High Skilled Man Power (Nurse Grade-II) as per Nature of Work in NICU/PICU/ICU at RUHS Hospital, Jaipur (UBN:CMS2425SLRC00019)	125.00 Lacs	250000.00	1500.00	2000.00	10/09/2024 at 2:00 PM onwards	21/09/2024 at 2:00 PM	23/09/2024 at 01:00 PM

- Details may be seen in the Bidding Document at https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in or on RUHS CMS website: www.ruhscms.org

Medical Superintendent,
Raj.Samwad/C/24/5102 RUHS Hospital, Jaipur

35 लाख रु. लेकर दो डमी परीक्षार्थी उपलब्ध करवाने वाला ग्राम विकास अधिकारी गिरफ्तार

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 में 2 अभ्यर्थियों को डमी कैंडिडेट्स के जरिए उतीर्ण करवाया

- एस.ओ.जी. ने आरोपी दर्शन मीणा को बुधवार को जयपुर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 17 सितंबर तक रिमांड पर भेजा गया है
- दोनों मूल अभ्यर्थियों अनिल मीणा और सूरत राम मीणा को एस.ओ.जी. ने गत दिनों गिरफ्तार किया था, उनसे पूछताछ में इसका खुलासा हुआ था

जयपुर। वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी परीक्षा में 2 अभ्यर्थियों की जगह डमी कैंडिडेट की व्यवस्था करने वाले ग्राम विकास अधिकारी को एस.ओ.जी. ने गिरफ्तार किया है। आरोपी दर्शन कुमार मीणा निवासी गांव स्थल समेरदा (करौली) ने डमी कैंडिडेट के बदले दोनों अभ्यर्थियों से 35 लाख रुपए वसूले थे। एस.ओ.जी. ने बुधवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 17 सितंबर तक रिमांड पर सौंपा गया है।

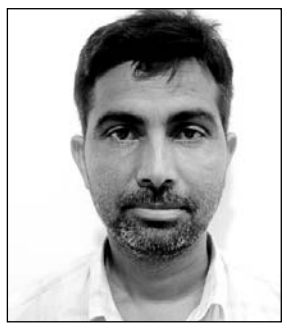

आरोपी वी.डी.ओ. दर्शन मीणा

एस.ओ.जी. के अतिरिक्त महानिदेशक वी.के. सिंह ने बताया कि दोनों मूल अभ्यर्थियों अनिल कुमार मीणा निवासी काचरोदा (करौली) और सूरत राम मीणा बरनाला (सवाईमाधोपुर) को एस.ओ.जी. ने गत दिनों गिरफ्तार किया था। इन दोनों अभ्यर्थियों ने विज्ञान विषय और सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा खुद नहीं दी। इन्होंने डमी परीक्षार्थी के लिए दर्शन मीणा से संपर्क किया था और 20 व 15 लाख रु. दिऐ थे। आरोपी दर्शन मीणा वर्ष 2018 से पाली जिले की मांडा ग्राम पंचायत में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनात था।

वीके सिंह ने बताया कि अनिल मीणा (36) पुत्र रामराज मीणा निवासी ग्राम काचरोदा, तहसील सपोटरा, जिला करौली और सूरत राम (40) पुत्र स्व. राम लाल मीणा निवासी ग्राम बरनाला, तहसील बामनवास, जिला गंगापुर सिटी) ने की ग्रेड सेकेंड सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा-2022 में आवेदन भरा था। इनका 24 दिसंबर 2022 को विज्ञान और 29 जनवरी 2023 को सामान्य ज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान का पेपर था। इन दोनों अभ्यर्थियों ने दोनों परीक्षा में अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बैठाए थे। डमी कैंडिडेट के लिए इन अभ्यर्थियों ने ग्राम विकास अधिकारी दर्शन मीणा पुत्र रामप्रयाग मीणा निवासी गांव अस्थल, जिला करौली से संपर्क किया था। दर्शन ने डमी अभ्यर्थी दिलाने की एवज में अनिल मीणा से 20 लाख और सूरत राम से 15 लाख रुपए लिए थे।

अनिल मीणा और सूरत राम ने डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलवाकर और धोखाधड़ी से सीनियर टीचर (विज्ञान विषय) के पद पर सिलेक्ट हो गए थे। एसओजी ने जांच कर अनिल मीणा को 4 सितंबर 2024 और सूरत मीणा को 5 सितंबर 2024 को गिरफ्तार कर लिया था। इनसे पूछताछ के बाद अब एस.ओ.जी. ने दर्शन मीणा को गिरफ्तार किया गया है।

रामगंज में जर्जर इमारत ढहने से हड़कंप मचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर के रामगंज थाना इलाके में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया,जब एक जर्जर इमारत ढह गई। सूचना मिलने पर पुलिस, नगर निगम और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंच रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। फिलहाल किसी व्यक्ति के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन नगर निगम की टीम का सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

नगर निगम सतर्कता शाखा उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि जर्जर इमारत को नगर निगम द्वारा पहले ही नोटिस दिया जा चुका था। इसके बाद निर्माण मालिक अपनी जर्जर इमारत को दुरुस्त कर रहा था। जिसके चलते बुधवार दोपहर में अचानक जर्जर इमारत का एक हिस्सा धराशाही हो गया,जिसे हटाया गया है। फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम में एक व्यक्ति घायल हुआ है। जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सार-समाचार

लाडलीजी मंदिर में राधाष्टमी मनाई

जयपुर (कासं)। रामगंज बाजार स्थित मंदिर श्रीलाडलीजी में राधाष्टमी महोत्सव महंत संजय गोस्वामी के सानिध्य में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: 5.30 बजे अरुणोदय की बेला के समय श्री राधाजी का जन्माभिषेक विधि विधान से हुआ। तत्पश्चात पंचामृत प्रसाद वितरण हुआ। प्रात: 8.30 बजे धूप आरती चरण दर्शन और 9.30 बजे श्रृंगार आरती पालना दर्शन हुए। 3 बजे झांकी दर्शन आरती तथा 3 से शाम 6 बजे तक पालना दर्शन हेरी समाज, ग्वारिया समाज, दधिकांदो बधाईयां (भानोत्सव) में उछाल की गई। श्रद्धालुओं के लिए फल, वस्त्र, खिलौने व टॉफियों की उछाल की गई। शाम 7 से रात्रि 11 बजे तक दर्शन पालना झांकी बधाईयां भक्ति संगीत कार्यक्रम हुआ। किशोरीजी को हल्का गर्म दूध, केसर पिस्ता बादाम युक्त मक्खन , रबड़ी खीरसा, गुलाब सकरी, मिश्री मावा, बर्फी व लड्डू जैसे व्यंजनों का भोग लगाया गया। इस अवसर पर समाज पद गायन हुआ।

जमुवाय माता की पदयात्रा रवाना

जयपुर (कासं)। जमुवाय सेवा समिति मीनावाला की ओर से जमुवाय माता की 13वीं पद यात्रा झोटवाड़ा के वार्ड 51 व 48 सिरसी रोड पांच्यावाला से उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह की धर्मपत्नी मेजर डॉक्टर गायत्री राठौड़ ने रवाना की। उन्होंने सभी पद यात्रियों को शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ में जलपान की व्यवस्था की गई। इस मौक़े पर पार्षद कुमकुम शक्तिसिंह मानपूरा ने बताया कि हर साल की भाँति इस साल भी माता रानी की यात्रा निकाली गई, इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर मेजर डॉक्टर गायत्री राठौड़ ने रवाना किया, इससे सभी पदयात्री बहुत उत्साहित दिखे। श्रद्धालुओं का जत्था भजन कीर्तन करते हुए रवाना हुआ। इस मौक़े पर विक्रम सिंह बेमोठ, नरपत सिंह नरुका, अध्यक्ष महेन्द्र सिंह, गजेंद्र सिंह करीरी, अजय सिंह चौहान, दिलीप सिंह तंवर, रामावतार यादव, अशोक यादव, मनोज सिंह, विष्णु अग्रवाल, परमेश्वर सिंह, नरेंद्र सिंह नेवरी, जगदीश सिंह साँवली, विनोद महला, राकेश बेरीवाल, रामावतार सिंह नगर, वीरेंद्र सिंह चंवरा समेत कई लोग मौजूद थे।

झुग्गियों में लगाया चिकित्सा शिविर

जयपुर । किरन क्रांति फाउंडेशन के द्वारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोकुलपुरा के तत्वाधान में डॉ. तेजा राम चौधरी (चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी) के द्वारा 206 बीघा झुग्गी झोपड़ियों में मेडिकल कैम्प लगाया गया। संस्था अध्यक्ष डॉ. किरन देवल ने बताया झुग्गियों में भारी बरसात के कारण आईफ्लू, बुखार, डायरिया जैसी बीमारियां तेज़ गति से फैल रही है, जिससे बच्चे बड़ी संख्या में पीड़ित हो रहे हैं। गंदगी और पानी के कारण इन बस्तियो में मच्छर भी बहुत अधिक है। बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई। साथ ही आईड्रॉप, रुई, डेटॉल और गोलियां बांट कर इनका टीकाकरण किया गया। इस उपलक्ष्य पर मुख्य अतिथि महेन्द्र सिंह राठौड ने बच्चों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में डॉ. अपेक्षा जैन, डॉ. रमेश गौरा, किरण चारण, अमन शर्मा, सिद्धार्थ मेथी व टीम मेंबर्स उपस्थित रहे।

स्टेट एक्स सर्विसेज लीग की स्वर्ण जयंती

जयपुर। राजस्थान स्टेट एक्स सर्विसेज लीग (आर. ई. एस. एल.) स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 16 सितम्बर को किया जायेगा । स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन उत्सव पूर्व एस.एस.ओ.आई. में किया जायेगा, जिसमें सैनिक कल्याण बोर्ड राजस्थान के चेयरमैन प्रेम सिंह बाजोर मुख्य अतिथि होंगे। लीग द्वारा लाभार्थियों के लिए गौरव सेनानी प्रतिबिंब -2024 मैगज़ीन का विमोचन 12 सितम्बर को लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर सप्त शक्ति कमांड द्वारा किया जायेगा। आर. ई. एस. एल. की स्थापना मेजर जनरल स्व. के भगवती सिंह की अध्यक्षता में 16 सितम्बर 1974 को एक गैर राजनितिक संस्था के रूप हुई थी जिसका उद्देश्य सेवा निवृत्त सैनिकों, फॅमिली पेंशनरों एवं उनके परिजनों की विभिन्न समस्याओ, पुनः नियोजन और पेंशन सुधार है और वर्तमान में 41000 के लगभग सदस्य है।

संयुक्त दक्षता निर्माण कार्यशाला संपन्न

जयपुर। उपभोक्ता जागरूकता और गुणवत्ता चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय मानक ब्यूरो और राजस्थान सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 11 सितम्बर को जयपुर स्थित राज्य सचिवालय के कॉन्फ्रेन्स हॉल में एक दक्षता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह देश भर में गुणवत्ता विषय पर अपनी तरह की पहली ऐसी कार्यशाला थी, जिसमें राज्य के सभी ज़िलों से शीर्षस्थ अधिकारियों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक कार्यशाला में राजस्थान राज्य के सभी जिलों से 1000 से अधिक अधिकारी विडीओ कॉफ्रेंसिंग और जयपुर ज़िले के अधिकारी व्यक्तिगत रूप में शामिल हुए। कार्यशाला में ज़िला परिषद, नगर निगम, सार्वजनिक निर्माण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, और उपभोक्ता मामले विभाग आदि से प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी विभागों के अधिकारियों को उपभोक्ता जागरूकता के साथ-साथ गुणवत्ता चेतना के महत्व से परिचित कराना था, ताकि सार्वजनिक खरीदारी में गुणवत्ता का ध्यान रखा जा सके और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। कार्यशाला का आयोजन उपभोक्ता मामलात मंत्री सुमित गोदारा की पहल और मार्गदर्शन की वजह से सम्भव हो पाया। और देश भर में यह अपनी तरह की पहली ऐसी कार्यशाला थी। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने की।

दस्तावेज सत्यापन 18 सितम्बर से

जयपुर। कृषि पर्यवेक्षक भर्ती-2023 के तहत राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा गैर अनुसूचित क्षेत्र के 385 एवं अनुसूचित क्षेत्र के 45 पदों को सीधी भर्ती से भरने हेतु दोगुना अभ्यर्थियों को पात्रता की जांच एवं सत्यापन हेतु सूचीबद्ध किया गया है। अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हीरेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि कृषि पर्यवेक्षक भर्ती हेतु सूचीबद्ध अभ्यर्थियों की 18 सितम्बर से 27 सितम्बर 2024 तक पात्रता की जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य कृषि विभाग द्वारा राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, अकादमी भवन, पांचवी मंजिल, टोंक रोड, दुर्गापुरा, जयपुर में किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन हेतु दिनांकवार एवं रोल नम्बरवार विस्तृत सूचना राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड और कृषि विभाग की वेबसाइट पर प्राप्त कर सकते हैं।

अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे होगा, प्रभावितों को मदद मिलेगी : पटेल

जयपुर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। जयपुर में अतिवृष्टि के चलते जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण में काफी नुकसान हुआ है। सरकार जल्द ही नुकसान का सर्वे करवा कर प्रभावितों तक मदद पहुंचाएगी। जयपुर के ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर बनाकर आमजन को जल भराव की समस्या से निजात दिलाया जाएगा। साथ ही अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का पुनर्निर्माण एवं गुवत्तापूर्ण मरम्मत करवाई जाएगी। यह कहना है जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिले के प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का।

पटेल ने यह बात बुधवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जोगाराम पटेल ने बजट घोषणाओं पर विभागीय अधिकारियों से बिन्दुवार कार्ययोजना एवं कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है यही कारण है कि जयपुर जिले से संबंधित अधिकांश बजट घोषणाओं के लिए भू आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। सभी विभागों द्वारा बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जा की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को और भी सरल एवं सुगम बनाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने सहित अन्य बिंदुओं पर कार्य योजना तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस के अधिकारी एक्शन प्लान तैयार करेंगे। राजधानी के ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को जल्द से जल्द योजना बनाकर ड्रेनेज सिस्टम सुधारने के लिए निर्देशित किया। बैठक में प्रभारी सचिव अपर्णा अरोड़ा, जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रीति चन्द्रा, जयपुर ग्रेटर निगम आयुक्त रुकमणी रियार, हैरिटेज आयुक्त अभिषेक सुराणा, जिला परिषद सीईओ प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रीति चन्द्रा, पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण शांतनु कुमार मौजूद थे।

स्वायत्त शासन विभाग ने महापौर मुनेश गुर्जर को नोटिस थमाया

भ्रष्टाचार के आरोपों पर तीन दिन में जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। स्वायत्त शासन विभाग ने जयपुर हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर को नोटिस जारी किया है। नोटिस में मुनेश पर लगे आरोपों पर जवाब मांगा गया है, इसके लिए 3 दिन का समय दिया है।

ज्ञात रहे कि महापौर मुनेश के पति सुशील गुर्जर को पिछले साल 4 अगस्त को एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) की टीम ने पकड़ा था। इसके बाद से ही मुनेश गुर्जर के खिलाफ एसीबी की जांच लंबित चल रही थी। इस पर बीजेपी सरकार ने गत दिनों अभियोजन स्वीकृति जारी की है।

सूत्रों की मानें तो स्थानीय निकाय विभाग के उप निदेशक विनोद पुरोहित ने मेयर मुनेश गुर्जर को धारा 39 (1), राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 के तहत नोटिस जारी कर पूछा है कि आपको भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा पट्टा जारी करने की एवज में 2 लाख रुपए की रिश्वत राशि लेने के आरोप से आरोपित किया है। आपके

हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर

पति सुशील गुर्जर और अन्य को गिरफ्तार भी किया है। उस मामले में अधोहस्ताक्षरकर्ता को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। ऐसे में आप मामले से संबंधित सभी तथ्यों, लिखित कथन मय दस्तावेज साक्ष्य आदि सहित 3 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर दें। निर्धारित समय अवधि में आप द्वारा अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में यह मानते हुए कि आपको उक्त मामले के संबंध में कुछ नहीं कहना है। जांच कार्यवाही पूर्ण कर ली जाएगी।

वहीं राजस्थान हाईकोर्ट ने मुनेश गुर्जर के खिलाफ चालान पेश करने के लिए 2 सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट में मुनेश गुर्जर के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने की रिकॉर्ड पर लेकर सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। जस्टिस एनएस ढड्डा ने यह निर्देश सोमवार को सुधांशु सिंह ढिल्लन की याचिका पर दिया था। ज्ञात रहे कि मेयर मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर की पट्टे बनाने की एवज में 41 लाख रुपए की रिश्वत मामले में गिरफ्तारी हुई थी। उन पर आरोप था कि पट्टे जारी करवाने के लिए दो दलालों के जरिए रिश्वत मांगी गई थी। सुशील के साथ दलाल नारायण सिंह और अनिल दुबे को भी गिरफ्तार किया था।

'शिक्षा से वंचित बच्चों का स्कूलों में नामांकन करवाएं'

जयपुर। जिन बच्चों का नामांकन अभी तक किसी भी स्कूल में नहीं हुआ है, उन्हें शिक्षा से जोड़ने के लिए शिक्षा अधिकारी 30 सितंबर तक उनका नामांकन सरकारी विद्यालय में सुनिश्चित करें। यह कहना है जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का। डॉ. सोनी ने यह बात गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला निष्पादक समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के सभी राजकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शिक्षा अधिकारी पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करें साथ ही विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखें। उन्होंने विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों से पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया। जिन विद्यालयों में बिजली नहीं है, वहां 10 दिसंबर तक विद्युत कनेक्शन अनिवार्य रूप से दें।

दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता के लिये 'सरस अमृतम' अभियान

जयपुर। राज्य सरकार ने आमजन को उच्च गुणवत्ता एवं सम्पूर्ण शुद्धतायुक्त दूध एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत की पहल पर राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन ने सरस दूध एवं दूध से बने उत्पादों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये राज्य स्तरीय "सरस अमृतम" अभियान शुरु किया है।

फैडरेशन की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक जिला दुग्ध संघ स्तर पर एक सर्तकता दल का गठन किया जायेगा जो प्रतिदिन उनके कार्यक्षेत्र में स्थित प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों, बल्क मिल्क कूलर, चिलिंग सेंटर, डेयरी बूथ और सरस पार्लर आदि का औचक निरीक्षण करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आम उपभोक्ताओं को सम्पूर्ण शुद्धतायुक्त दूध तथा दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराये जावें। प्रतिदिन किये जाने वाले निरीक्षण की रिपोर्ट ऑन लाईन गूगल शीट पर अद्यतन करनी आवश्यक होगी। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ द्वारा राज्यभर के जिला दुग्ध संघों में औचक निरीक्षण कर दूध की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये जोनल प्रभारी भी बनाये गये हैं जो विभिन्न जिला दुग्ध संघ की समितियों सहित डेयरी प्लान्ट, चिलिंग सेंटर आदि का निरीक्षण भी करेंगे। आरसीडीएफ स्तर पर एक राज्य स्तरीय सर्तकता दल भी गठित है जो विभिन्न जिला दुग्ध संघों का औचक निरीक्षण करेगी तथा कच्चे माल, पैकिंग मेटिरियल और दूध एवं दुग्ध उत्पादों के ऑन द स्पॉट सैम्पल लेकर उनकी जांच करवाएगी ताकि सरस ब्राण्ड के दूध एवं अन्य उत्पादों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

उन्होंने बताया कि राज्यभर में डेयरी प्लान्टस, चिलिंग सेन्टर्स, बीएमसी, डेयरी बूथस और सरस पार्लर आदि पर हाईजिनिक कंडीशंस भी मेंटेन की जावेगी। जवाहर लाल नेहरु मार्ग स्थित सरस मुख्यालय में एक कंट्रोल रुम की स्थापना भी की गई है जिसके मोबाईल नम्बर 76100-00671 पर राज्यभर से सरस उपभोक्ता और दुग्ध उत्पादक दूध अथवा दूध से बने सरस उत्पादों की गुणवत्ता की शिकायत कर सकते हैं। गुणवत्ता में शिकायत पाये जाने पर तय प्रकिया अनुसार संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जावेगी।

जर्जर इमारतों और अवैध निर्माणों पर रिपोर्ट मांगी आयुक्त ने

जयपुर। बारिश से जर्जर हुए मकानों और अवैध निर्माणों पर कार्रवाई को लेकर हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी जोन उपायुक्तों, अधिशाषी अभियंता, सहायक व कनिष्ठ अभियंताओं से गत एक सप्ताह में की गई कार्रवाई का विवरण मांगा।

आयुक्त सुराणा ने हैरिटेज निगम क्षेत्र में चिन्हित जर्जर इमारतों पर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए, साथ ही अवैध निर्माणों की 4 तरह से रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम द्वारा अवैध निर्माण, सीज के दौरान हो रहे निर्माण, सीज किए अवैध निर्माण, शपथ पत्र लेकर सीज हटाए निर्माण पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। सिविल लाइन जोन में शपथ पत्र के अनुसार काम नहीं करने पर एक मकान को पूरी तरह से सीज किया गया।

वहीं निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने सभी जोन उपायुक्त और शाखा प्रभारी शहर में सड़क पर पेचवर्क, ओपन कचरा डिपो हटवाने के भी निर्देश दिए।

मुनेश गुर्जर के समर्थन में कई सामाजिक संगठन उतरे

- इस प्रकरण की जांच उच्च स्तरीय कमेटी से करवाने की मांग

जयपुर। हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी होने और स्वायत्त शासन विभाग की ओर से उन्हें नोटिस जारी करने के विरोध में बुधवार को कई सामाजिक संगठन उतरे हैं। उन्होंने कहा कि मुनेश गुर्जर को जबरदस्ती फंसाया जा रहा है। उनके पति प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनको किसी भी प्रकरण में फंसाया जाए। यदि सरकार ने हमारी मांगे नहीं मानी तो हम खुली चुनौती भी देंगे। हमारी सरकार से अपील है कि एक कमेटी गठित करके मुनेश गुर्जर के खिलाफ जो भी प्रकरण सामने आया है उसकी फिर से उच्च स्तरीय जांच की जाए, जिससे दूध का दूध पानी का पानी हो सके। बुधवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में रामगोपाल मेहरा-अध्यक्ष जयपुर मेहरा समाज, देवनारायण गुर्जर-राष्ट्रीय अध्यक्ष अखंड भारत गुर्जर महासभा, मनीष- अध्यक्ष गुर्जर समाज, मोहनलाल वर्मा-प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राजस्थान गुर्जर महासभा, गोविंदपुरी गोस्वामी-अध्यक्ष गोस्वामी समाज, पवन शर्मा-अध्यक्ष बिहार समाज, गौरव गुर्जर-प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान गुर्जर महासभा (युवा प्रकोष्ठ) ने यह बात कही। इन सभी लोगों ने एक स्वर में मुनेश गुर्जर के खिलाफ हो रही कार्रवाई को रोकने और उसकी जांच करके ही कोई कदम उठाने की मांग की।

देवनारायण गुर्जर ने कहा कि हम सरकार से निवेदन कर रहे हैं लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं मानी तो राजस्थान के सभी जिलों में सभी समाज की कमेटी बनाकर आंदोलन भी किया जाएगा और मुनेश गुर्जर के खिलाफ जो भी प्रकरण है उसकी जांच एक उच्च स्तरीय कमेटी से कराई जाएगी। इस तरीके से किसी को भी टारगेट करना किसी भी सरकार के लिए सही नहीं है। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास महापौर से मुनेश गुर्जर से अपनी दुश्मनी निकाल रहे हैं, जिसके कारण यह समस्या पैदा हो रही। गुर्जर समाज अध्यक्ष मनीष ने कहा कि जल्द उप चुनाव होने को है. यदि सरकार ने मुनेश गुर्जर को गलत फंसाया और पद से हटाया तो खामियाजा भुगतना पडेगा।

टूटी सड़कों पर पलट रहे वाहन, चोटिल हो रहे लोग

मानसून की बारिश में जयपुर शहर की अधिकांश सड़कें बिखर चुकी हैं। जहां-जहां ड्रेनेज की कमी है, वहां सड़कों में बड़े-बड़े खड्ढ़े बन चुके हैं, जिनमें बारिश का पानी भरने के कारण कुछ नजर भी नहीं आता। यह जर्जर सड़कें अब लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही हैं। बुधवार को मुरलीपुरा इलाके में दादी का फाटक की मुख्य सड़क पर हो रहे खडढ़े में ई-रिक्शा पलट गया। इस रिक्शा में सवार महिलाएं व बच्चे भी इसके नीचे दब गए, गनीमत रही कि आसपास के लोगों ने तुरंत दौड़कर उन्हें बाहर निकाला। ऐसे ही हालात कालवाड़ रोड पर जोशी मार्ग से लेकर रावण गेट, गोविंदपुरा चौराहे से हाथोज तक, निवारू रोड इंडस्ट्रीयल एरिया, सिरसी रोड, सी-जोन बाईपास, 200 फीट पुलिया के सहारे बनी सर्विस रोड पर भी है। फोटो-राष्ट्रदूत

राइजिंग राजस्थान में मदद करेगा मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन

जयपुर । मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन ने जयपुर में 9 से 11 सितंबर तक आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान में सहयोग की पेशकश की है। इसके लिए संस्था का एक प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान फाऊंडेशन की कमिश्नर डॉ. मनीषा अरोड़ा एवं अन्य अधिकारियों से मुलाकात की है। यह जानकारी मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन के संस्थापक महासचिव सीए विजय गर्ग ने दी। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी इंटरनेशनल फैडरेशन पिछले कुछ वर्षों से प्रवासी राजस्थानियों के बीच सामाजिक व व्यापारिक नेटवर्किंग बढ़ाने का कार्य कर रहा है और आज पूरे विश्व में 44 देश में मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन का नेटवर्क फैला हुआ है। देश के सभी राज्यों में एवं विश्व में 350 से ज्यादा स्थानों पर संस्था के प्रतिनिधि बने हुए हैं। मारवाड़ी इंटरनेशनल फेडरेशन के सदस्यों एवं प्रवासी राजस्थानियों के द्वारा प्रदेश में 25 हजार करोड़ से अधिक के निवेश के एम.ओ.यू. का प्रयास किया जाएगा।

ARBiT
it happens here...

Programmers Day

Most people will readily admit that computers, technology and the software behind them are critical in making the modern world go around. But for every piece of clever software in existence, there is a programmer (and often teams of programmers) behind the scenes. Spare a thought for these digital pioneers. *Programmers Day* is celebrated on the 256 th day of the year, chosen because this is the number of distinct values that can be represented with an eight-bit byte, and the highest power of two which is less than 365. And when this number is translated to binary code, it reads 1 0000 0000. Clever!

राष्ट्रदूत
THURSDAY
12 September 2024
A-B

#AWARENESS

World Dolphin Day

Promoting dolphin welfare, fostering understanding, and championing their cause for a thriving marine environment and coexistence.

Get involved with raising awareness and showing support for these beautiful sea mammals, who live at risk each day, due to human threats. *World Dolphin Day* provides an excellent opportunity for individuals and organizations to extend care so that these animals can live a safe, happy and long life!

History

The inaugural *World Dolphin Day* was celebrated in 2022 through the efforts of and support of Sea Shepherd Global. This event was established to pay respect to the world's most devastating slaughter of *cetaceans* (the sea mammal family including dolphins, whales and porpoises) in recorded history. On September 12, 2021, more than 1400 dolphins were killed off the Faroe Islands as part of a cultural tradition.

Since the time of that slaughter, the government of the Faroe Islands has been under scrutiny for this brutal practice. While they have set provisional limits on the number of white-sided dolphins that can be killed during this 'grind' hunting tradition, the limits remain very generous and this is considered by many to be an empty gesture. Supporters of the dolphins believe that this practice is particularly cruel and outdated and should be stopped altogether. World Dolphin Day is an important time to raise awareness about the plight of these majestic sea creatures, notably because of their endangered status due to human activity. This day is slightly different from National Dolphin Day, which is celebrated in April and typically only observed in the United States.

Learn More About Dolphins

Get involved with the appreciation of these incredibly intelligent creatures by enjoying World Dolphin Day. Learn more and share with others to raise awareness for the day, perhaps connecting through some of these interesting facts.

- Dolphins only sleep with half of their brains. This 'unihemispheric slow-wave sleep' means that they sleep with half of their brain and shut the opposite eye, allowing them to still monitor their surroundings. Each side of the brain gets about four hours of sleep each day.
- Dolphins can be very fast swimmers. If they are in a hurry or trying to move away from something dangerous, dolphins have been clocked swimming up to 25 miles per hour.
- As mammals, dolphins breathe air from above the surface of the water. But they can hold their breath much longer than humans can. Most dolphins can easily stay underwater for 8-10 minutes and some species can last up to 15 minutes before emerging to take a breath.
- Dolphins are highly intelligent, social creatures. They live in pods of sometimes thousands and often help each other when they are hunting. They also have a long-term family bond where a calf stays with the mother for up to seven years, which is rare in the animal kingdom.

Man-Eaters Of Bahraich

But what led wolves to start targeting humans? "We believe that such incidents often occur in search of easy food, especially when a female wolf is pregnant or has given birth," said Singh. During these times, the female wolf and her cubs cannot hunt, so, the male wolf ventures out in search of food. Human children, being less likely to retaliate compared to other prey, become the easiest targets. Once a child is killed, the male wolf eats more than usual, double his normal capacity, returns to the den and vomits the partially digested food for the female wolf and the cubs.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Another killer wolf, part of the pack that had terrorised people living in 25 to 30 villages in Uttar Pradesh, was caught by the Forest Department on Thursday. In the past 45 days, man-eater wolves have allegedly killed around eight people, including six children and one woman, and have left more than 25 people injured in Bahraich area, and have been giving sleepless nights to 50,000 people residing in these areas.

On Thursday, the forest department caught one of the killer wolves, taking the total number of trapped wolves to four. Two more are still on the run.

'Operation Bhediya'

Drone cameras and thermal drone mapping techniques are being used by the forest department to catch the wolves. Permission to tranquillise the animals has been granted by the Chief Wildlife Warden, according to an official statement. "As per the forest department, there is uncertainty about the total number of wolves in the area," officials said.

The Child-Killing Wolves

Four-year-old Sandhya was sleeping outside her mud hut in India's Uttar Pradesh state on the night of 17 August when a power cut plunged the village into darkness. "The wolves attacked within two minutes of the lights going out. By the time we realised what was happening, they had taken her away," recalls her mother, Sunita. Sandhya's body was found lying next day in the sugarcane farms, some 500 metres from her home. Earlier in the month, in a neighbouring village, eight-year-old Utkarsh was sleeping under a mosquito net when his mother spotted a wolf creeping into their hut. "The animal lunged from the shadows. I screamed, 'Leave my son alone!' My neighbours rushed in, and the wolf fled," she recounts. Since mid-April, a wave of wolf attacks has terrorised around 30 villages in Bahraich district, near the border with Nepal. Nine children and an adult have been carried off and killed by the wolves. The youngest victim was a one-year-old boy, and the oldest was a 45-year-old woman. At least 34 others have been injured.

Fear and hysteria have gripped the affected villages. With many village homes lacking locks, children are being kept indoors, and men are patrolling the darkly lit streets at night. Authorities have deployed drones and cameras, set traps and used firecrackers to scare away the wolves. So far, some wolves have been captured and relocated to zoos.

Such attacks on humans are extremely rare, and most involve wolves infected with rabies, a viral disease that affects the central nervous system. A rabid wolf will typically make multiple assaults without consuming the victims. A report by the Norwegian Institute for Nature Research reported 489 'relatively reliable cases' of wolf attacks in 21 countries, including India, between 2002 and 2020. Only 26 of them were fatal. Around 380 people were victims of 'rabid attacks.'

"There have been only two confirmed cases of wolf-related fatalities in North America over the past 50 years," Dave Mech, a renowned American Biologist, who specialises in wolf behaviour, told the BBC. This is despite a population of approximately 70,000 wolves spread across North America.

So, why are wolves attacking humans in Bahraich?

Nestled between a river and forests, parts of Bahraich have long been a traditional wolf habitat. Located in the floodplain of the Ghaghara river, the district, home to 3.5 million people, is prone to seasonal flooding.

Heavy rains and flooding during the monsoons have drastically altered the landscape. The swollen river has inundated the forests, potentially driving the wolves out in search of food and water. Indian wolves prey on blackbuck, *chinkara* (Indian gazelle) and hare. "Climate change is a gradual process but flooding can lead to habitat disruptions for the wolves, forcing them into human settlements in search of food," says Amita Kanaujia of the Institute of Wildlife Sciences in Lucknow University.

Why would children be a target of the wolves in search of food?

In these poor Indian villages, livestock is often better protected than children. When a hungry wolf, facing a depleted prey habitat and limited access to livestock, encounters such vulnerable children, they become more likely targets. "Nowhere else in the world have we witnessed surges of wolf attacks on children," Yadvendradev Jhala, a leading Indian Scientist and Conservationist told.

The current wolf attacks in Uttar Pradesh are possibly the fourth such wave in four decades. In 1981-82, wolf attacks in Bihar claimed the lives of at least 13 children. Between 1993 and 1995, another 80 children were attacked, this time by what were believed to be five wolf packs in the region's Hazaribagh district.

The deadliest episode occurred over eight months in 1996, when at least 76 children from more than 50 villages in Uttar Pradesh were attacked, resulting in 38 deaths. The killings stopped after authorities killed 11 wolves. The media described them as 'man-eating' wolves.

Mr. Jhala and his colleague, Dinesh Kumar Sharma, conducted a meticulous investigation into the 1996 killings, examining body remains, wolf hair, village huts, population density, livestock and autopsy reports. The current attacks in Uttar Pradesh bear an eerie resemblance to their findings from nearly 30 years ago.

It is unclear whether the ongoing attacks are by a lone wolf or a pack. Based on his 30 years of studying wolves, Mr. Jhala believes that a single wolf, like in 1996, is probably responsible for the recent killings. Villagers have reported seeing a group of five to six wolves in their fields during the day, while the mother of eight-year-old Utkarsh, who survived, saw a single wolf entering her home and attacking her son.

#GHORE-LORE

Barabanki Divisional Forest Officer (DFO) Akashdeep Badhawan, the in-charge of 'Operation Bhediya,' told us that a male wolf was trapped in one of the cages set up near Sisaiya Chudamani village in the morning.

Why do wolves become 'man-eaters?' Bahraich attacks explained.

Kishore Kumar, a local, said that this was the first time such attacks had been experienced by the villagers. The International Wolf Centre (IWC) supports his statement as well. Wolves, among most carnivorous predators, are quite unlikely to attack humans, it says. According to the IWC, they live in constant 'feast or famine' mode, which means that they eat a large quantity for a while, and then do not hunt for long periods of time. A global study by the Norwegian Institute for Nature Research from 2002-2020 showed that only 26 fatal wolf attacks on humans took place around the world in that time period. Out of these, four occurred in India and were fatal because the victims contracted rabies.

In fact, the study considers the risk of wolf attacks to be 'above zero, but far too low to calculate.'

Wolf Attacks Bring Back Memories of 1996 Horror

Bahraich serves as a grim reminder of the 1996 wolf attacks in Pratapgarh and neighbouring districts like Sultanpur and Jaunpur, where more than 60 children were killed.

Though Tiwaripur Kala, a small hamlet in UP's Pratapgarh, is 227 kilometres away from the wolf-infested Mahsi tehsil of Bahraich, the fear is visible among the residents. The village, one of the worst-hit during the 1996 attacks, said that the incidents still haunt them. Many prefer to stay indoors and avoid venturing out alone after dark.

"*Sahab, humein toh lagta hai yeh kuch pichhle janam ka paap raha hoga jo humein yeh din dekhna pada.* (It might be some bad deeds from a previous birth that brought about the wolf attacks). Those were the most horrific times that we ever faced, when even children were not safe in their mother's lap. More than 60 children were killed during that period," said Kanhaiya Lal, an elderly resident of Tiwaripur Kala.

Mukesh Yadav, 52, who hails from the same village and survived a terrifying wolf attack, recalled the night that changed his life. "I was 24 and sleeping in my field in the middle of the night when the wolf attacked me. It tried to grab my neck, but I managed to push the animal away before its canines could sink deep into my skin. To my shock, the wolf came at me again, this time seizing my thigh. I struggled to fend it off, but the wolf was relentless," Yadav recounted.

Fortunately, a local villager spotted the animal and quickly raised an alarm. "The forest department team rushed to the site in no time and the wolf fled upon seeing them. I truly feel like I was given a second birth that night," he said. "I'm thankful to the foresters who saved my life. Without them, I wouldn't be here today."

Villagers stand on guard.

FOREST DEPARTMENT STEPS IN

UP's former Wildlife Warden of Prayagraj region, V. K. Singh, described the operation to trap the man-eater wolves in the 1990s as the most gruelling in the history of the state's forest department. Singh said that over 100 foresters were involved in the operation, which lasted around eight months and concluded in the woods of Jaunpur. During this time, approximately 42 children were killed, and the forest department managed to gun down around 13 man-eater wolves to finally end the menace.

Singh explained that the operation to capture the wolves took place along the Sai river, which borders Jaunpur, Pratapgarh, and Sultanpur. Both wolves and jackals inhabited the fringes of villages in this area. But what led wolves to start targeting humans? "We believe that such incidents often occur in search of easy food, especially when a female wolf is pregnant or has given birth," said Singh. During these times, the female wolf and her cubs cannot hunt, so, the male wolf ventures out in search of food. Human children, being less likely to retaliate compared to other prey, become the easiest targets. Once a child is killed, the male wolf eats more than usual, double his normal capacity, returns to the den and vomits the partially digested food for the female wolf and the cubs.

"After consuming the human flesh, maybe accidentally or knowingly, the pack becomes accustomed to it and develops a preference, leading the wolves to continue hunting children. This dangerous cycle turns the wolves into persistent threats as they start seeing human children as their primary food source," he added.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TETE-A-TETE

PAINTING THE PINK CITY 'TANGERINE'

Hair and beauty expert, Natasha Singh was one of the pioneers in bringing luxury well-being and personalized care in Jaipur's beauty scene. As she expands with the second branch in Pink City of the homegrown beauty brand 'Tangerine,' her commitment to sustainability and maintaining high standards continues to set the brand apart, blending world-class services with a conscious approach. Let's delve into her journey.

Tusharika Singh
Freelancer Writer and City Blogger

In a city where beauty and heritage are intertwined, *Tangerine* stands out as a homegrown brand that has been redefining beauty and well-being for Jaipur's elite. For over a decade, the founder, Natasha Singh has built a brand that's synonymous with elegance, attention to detail, and a personal touch. As Tangerine opens its second branch in the Pink City, Natasha Singh reflects on her journey and the secret behind her success.

Standing out in the Crowd

Natasha's path to creating Tangerine began with her training at renowned institutes like BBlunt, Fat Mu, and Vidal Sassoon in London. Returning to Jaipur in 2014, she saw a gap in the market. "I sensed a void of premium salons in Jaipur and decided to open Tangerine," she says. "I wanted to give people here a luxury salon experience where they feel truly cared for." Today, with a decade of expertise, she's expanding her reach while ensuring the same level of personalized service that her clients have come to expect.

While many new salons have sprung up in Jaipur, Natasha took her time to grow Tangerine. In 2014, she opened her first salon in Civil Lines and also has a set up at Mayo College Girls' School in Ajmer. After 10 years, she has opened her second salon in Jaipur. "I didn't open multiple branches for years because I wanted to focus on personalized attention," she shares. "It's non-negotiable to maintain the same standards across all branches." With her mother, Nanda Singh, managing operations and a well-trained team by her side, Tangerine now offers world-class services that keep its clientele loyal.

Founder of Tangerine, Natasha Singh, with her family.

A Continuous Learning Curve

To keep Tangerine at the cutting edge, Natasha travels regularly to research trends and attend training. "I hold regular sessions for my staff to stay updated on the latest technologies," she explains. Sustainability is also a priority, with workshops on eco-friendly practices and mindful water usage. "It's about more than just beauty," Natasha says. "We aim to be responsible in our work." Natasha has tapped into Jaipur's growing reputation as a style hub by collaborating with fashion photographers and designers. "We regularly do hair and makeup for leading magazines and shoots," she notes. This strategic positioning has helped Tangerine become a fixture in the city's luxury landscape.

A glimpse of *Tangerine* salon.

A New Chapter in Vaishali Nagar

The newest branch of Tangerine in Vaishali Nagar reflects Natasha's commitment to sustainability. "The salon is designed to harness natural light, reducing energy consumption," she says. With eco-conscious practices like optimal air conditioning settings, Tangerine not only reduces overheads but its carbon footprint as well. The salon offers a wide range of services, from hair styling to skin rituals, all aimed at providing clients with a holistic beauty experience. As Natasha Singh looks ahead, her goal remains clear, to continue offering the best in beauty and wellness, while staying true to her core values of luxury, care, and sustainability.

The newly opened *Tangerine* salon in Vaishali Nagar.

A glimpse of the newly opened *Tangerine* salon.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

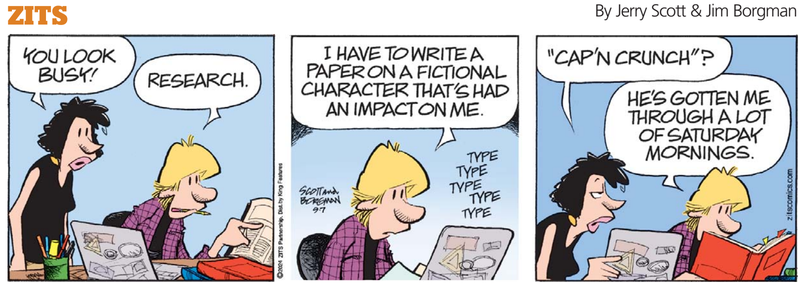

चौमूं की प्रसिद्ध मिठाई दुकान विजयवर्गीय स्वीट्स का निरीक्षण

मिठाई की दुकान में भारी गंदगी और अनियमितताएं मिली

कलाडेरा/चौमूं/जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री के निर्देशों पर प्रदेश में निरंतर शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत 10 सितंबर को देर शाम चौमूं की प्रसिद्ध मिठाई की दुकान विजयवर्गीय स्वीट्स पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में निरीक्षण कार्रवाई की गई।

- **मिठाइयों में कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जा रहा था, कृत्रिम रंगों के डिब्बे जब्त**

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि विजयवर्गीय स्वीट्स के कारखाने का निरीक्षण किया गया, जहां काफी अनियमितताएं पाई गईं। यहां काफी गंदगी पाई गई।

विजयवर्गीय स्वीट्स के निरीक्षण में नमकीन तलने की कढाही से तेल का सैंपल लिया गया।

खाद्य सामग्री बिना ढके हुए रखी थी साथ ही, मिठाइयों में कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जा रहा था। कृत्रिम रंगों के डिब्बे जब्त किए गए। मिठाई बनाने वाले स्थान पर बीचों बीच गंदे पानी की नाली थी। नमकीन तलने की कढाही में गंदगी जमी हुई थी। जिस तेल में नमकीन बनाई जा रही थी, उसे दो दिन से बदला नहीं गया था, जिसका सैंपल भी लिया गया। साथ ही मौके पर चूहे भी दौड़ते हुए पाए गए, जिस आलमारी में लड्डू बनाकर रखे हुए थे, वह जंग लगी हुई थी। फर्म को नोटिस दिया गया है। साथ ही मिठाइयों के सैंपल भी लिए गए हैं, जिन्हें लेबोरेटरी में भेजा गया है। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन गोदारा, नरेंद्र शर्मा, नरेश चेजारा, पवन गुप्ता भी शामिल थे।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मृतका के शरीर पर चोटों के भी निशान मिले, जांच शुरु

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के शरीर पर चोटों के भी निशान मिले हैं। परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है।

प्रताप नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जवाहर नगर निवासी महेंद्रसिंह राजपूत की पत्नी बेबी कंवर (22) को मंगलवार दोपहर हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां देर रात उसने दम तोड़ दिया। बुधवार सुबह प्रताप नगर पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराने एमजी अस्पताल पहुंची। इस दौरान मृतका के भाई लाडपुरा हाल आजाद नगर निवासी कुलदीप सिंह पुत्र शिव सिंह सौलंकी ने एक रिपोर्ट पुलिस को दी, जिसमें उसने बताया कि बेबी कंवर राठौड़ पुत्री शिव सिंह सौलंकी ने चार-पांच साल पहले महेन्द्र सिंह राठौड़ के साथ लव मैरिज की थी। तब से ही महेन्द्र सिंह के साथ रहकर पत्निधर्म का पालन कर रही थी। बेबी कंवर ने एक पुत्र युवराज सिंह को जन्म दिया, जो दो वर्ष का है। करीब 3 माह से वे जवाहर नगर में किराये के मकान में निवास कर रहे हैं। भाई कुलदीप का आरोप है कि महेन्द्र सिंह व उसकी बहिन मौनिका कंवर व बहनोई आये दिन बेबी कंवर को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे।

मृतक विवाहिता।

- **परिजनों ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया**

परिजनों को बेबी ने बताया था कि अगर महेन्द्र सिंह के साथ रहना है तो माता-पिता व भाई से पांच लाख रूपये लेकर आने की मांग की जा रही है। बेबी कंवर का पति महेन्द्र सिंह, उसकी बहिन मौनिका कंवर व बहनोई उसे आये दिन दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे, जिसकी पूर्व में भी करेड़ा थाने में रिपोर्ट दी गई थी। पहले बेबी कंवर के साथ मारपीट भी हुई थी।

भाई ने कहा कि नौ सितंबर को वह कोटा में था। तब दिन के करीब 1-2 बजे के लगभग उसे फोन आया कि बहन बेबी कंवर को जहर दिया गया है। उसकी हालत खराब होने से महात्मा गांधी अस्पताल भीलवाड़ा में भर्ती है। इस पर कुलदीप 10 सितंबर की रात करीब 10 बजे अस्पताल आया तो बेबी वेन्टीलेटर पर थी। उससे बात करने की कोशिश की लेकिन वह कुछ नहीं बोल पायी और रात करीब एक बजे उसकी जहर के कारण मौत हो गयी। कुलदीप का आरोप है कि उसकी बहन को आरोपितों ने दहेज के खातिर प्रताड़ित कर मारपीट की और जहर देकर मारा है, जिसकी पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

मांडलगढ़ की आबादी बस्ती में मगरमच्छ आने से दहशत फैली

मांडलगढ़ कस्बे की बस्ती में आए मगरमच्छ को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया।

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ कस्बे में बुधवार सुबह बस स्टैंड के पास आबादी के एक नाले में मगरमच्छ को देख लोगों में दहशत फैल गई। मगरमच्छ को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

आशंका जताई जा रही है कि मगरमच्छ निकट के गोवटा बांध या मैनाली नदी से मांडलगढ़ जालेश्वर तालाब की रपट के नाके तक पहुंचा है। सूचना मिलने पर मगरमच्छ का रेस्क्यू करने वन विभाग की टीम और नगर पालिका के सफाईकर्मी व कुछ स्थानीय युवकों ने मौके पर पहुंचकर रस्सी से मगरमच्छ को काबू में करने का प्रयास किया। इस दौरान मगरमच्छ को देखने वाले लोगों की भीड़ के कारण

- **बांध या नदी से निकलकर बस स्टैंड के नाले में आ गया था मगरमच्छ**
- **आबादी के एक नाले में मगरमच्छ को देखने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी**

वन विभाग की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी वक्त लगा। वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ का रेस्क्यू कर बूंदी जिले के वाइल्ड लाइफ़ फारेस्ट एरिया के भीमलत बांध में छोड़ा गया, तब जाकर कस्बे के बस स्टैंड के मोहल्लावासियों ने राहत की सांस ली।

युवक ने सुसाइड किया

हिंडौन सिटी, (निसं)। सूरौठ थाना क्षेत्र के आलावाड़ा स्थित एक पुरा निवासी मजदूर ने मंगलवार रात को आर्थिक तंगी से परेशान होकर फांसी का फंदा लगा लिया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बुधवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया।

सूरौठ थाना के एएसआई रामनिवास ने बताया कि मृतक आलावाड़ा निवासी हरिओम जाटव (48) पुत्र काडया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात करीब 11:30 बजे सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसके बाद सूरौठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां फांसी पर लटके हुए शव को ग्रामीणों की मदद से नीचे उतारा गया। पुलिस शव लेकर रात को जिला अस्पताल पहुंची।

पुलिस के अनुसार मृतक के पिता ने इस मामले में पुलिस को रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि उसके पुत्र हरिओम जाटव ने आर्थिक तंगी व कर्ज से परेशान होकर फांसी लगा आत्महत्या की है। घटना के दौरान मृतक की पत्नी व परिवार वाले गांव में नहीं थे। उन्हें रात को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, तो मृतक का परिवार गांव पहुंच गया। पोस्टमॉर्टम कार्रवाई के दौरान काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। परिजनों ने बताया कि मृतक फर्नीचर का कार्य करता था। उसके दो पुत्र व सबसे बड़ी पुत्री है।

बरसात से अजमेर शहर में कई जगह हालात खराब, लोग घरों में कैद

स्कूल जाने के लिए बच्चों को कमर तक के पानी से निकलकर स्कूल जाना पड़ रहा है

अजमेर के शक्ति नगर की गलियों में पानी भरा होने से लोग घरों में कैद है।

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में इन दिनों लगातार हो रही बरसात के कारण शहर के हालात बिगड़े हुए हैं तो वहीं दूसरी ओर अजमेर शहर के दक्षिण विधानसभा व पुष्कर विधानसभा के अजमेर में स्थित शक्तिनगर आम का तालाब में बरसात के पानी ने अपना कहर बरपा रखा है, जिसके कारण यहां के लोग अपने घरों में कैद हैं तो वहीं स्कूल जाने के लिए बच्चों को कमर तक के पानी से निकलकर स्कूल जाना पड रहा है।

वार्ड नम्बर 54 के स्थानीय पार्षद सुनिल धानका ने बताया कि शक्ति नगर वार्ड नम्बर 54 में कुल 6 मड पंप लगे हुए है, जिसमे से एक पंप एडीए का है तो वहीं 5 पंप नगर निगम की ओर लगाए हुए हैं, यह पंप भी दिन में दो-तीन घंटे तक ही चल पाते हैं, जिसके कारण पानी जितना निकलता नहीं उससे ज्यादा पानी यहां आ रहा है। पार्षद सुनिल धानका ने अजमेर नगर निगम के आयुक्त से मुलाकात कर आम के तालाब की मोरी खुलवाने पर भी बात की है, लेकिन अधिकारियों ने देर शाम तक कोई सुध नहीं ली। जिसके कारण पाल के आस-पास बने मकानों मे रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो इन लोगों तक तो कोई सरकारी मदद नहीं पहुंच पा रही है और न ही कोई खाद्य सामग्री। इस क्षेत्र मे अधिकतर लोग मजदूर तबके के रहने वाले हैं। दूसरी ओर शक्ति नगर में बीती रात जर्जर दीवार को निगम की जेईएन महिमा शर्मा ने जेसीबी बुलाकर गिरा दिया, अगर दीवार को नहीं गिराया जाता तो एक बडा हादसा भी हो सकता था।

अजमेर में बुधवार दोपहर को आधे घंटे बरसात हुई जिसके कारण फिर से पानी का भराव हो गया है, पहले से बरसात के कारण शहर की कॉलोनियो व गलियो मे भरा पानी लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

नो एंट्री में घुसी कार ने स्कूटी को टक्कर मारी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के गांधी चौक इलाके के नो एंट्री जोन में घुसी एक कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जब नो एंट्री पर घुसने पर कार को एक ट्रेफिक पुलिसकर्मी ने रोकने का प्रयास किया तो उस पर भी कार चढ़ाने की कोशिश की, लेकिन जैसे तैसे ट्रेफिक पुलिसकर्मी ने अपनी जान बचाई। इसके बाद कार को लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिसकर्मी ने बताया कि बुधवार दोपहर को एक कार नो एंट्री जोन में घुस गई। वह मौके पर तैनात था। पहले तो इस कार ने एक स्कूटी को टक्कर मारी। स्कूटी पर एक महिला और एक पुरूष था जो गिर गए।

होमगार्ड की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। मानपुर थाना पुलिस ने होमगार्ड संतोष शर्मा की हत्या के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिकराय में गश्त कर रहे होमगार्ड जवान को टक्कर मारकर हत्या करने वाले गिरोह का यह बदमाश 10 हजार रुपये का इनामी है।

थानाधिकारी सुरेश कुमार के अनुसार इस बदमाश को प्रोडेक्शन वारंट पर केन्द्रीय जेल अलवर से गिरफ्तार किया गया है। मामले के अनुसार 25 अक्टूबर 2023 को विधानसभा चुनाव और त्योहारों के दौरान सिकराय में गश्त के दौरान होमगार्ड संतोष और अन्य जवानों पर हमला किया गया था। काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार बदमाशों ने रात के समय रोड पर गाड़ी चढ़ाकर

- **पूर्व में इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है**

संतोष को मारा और फिर अस्पताल रोड की तरफ भाग गए। पूर्व में इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। तीसरे आरोपी इस्ताक उर्फ नन्दड, जो कि सिंगार, थाना बिछौर जिला नूंह मेवात हरियाणा का निवासी है को अब प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया है। टीम में थाना प्रभारी मानपुर सुरेश कुमार, हेड कांस्टेबल हरिओम, कांस्टेबल राधेश्याम, सोहनलाल शामिल थे।

आकाशीय बिजली गिरने से दो घायल

भांडारेज, (निसं)। क्षेत्र के गांव खारंडी की ढाणी मांजरया में पास ही भैंस चराने गये महिला एवं पुरुष पर आकाशीय बिजली गिर गई। आकाशीय बिजली गिरने से भैंस चरा रहे बनाराम गुर्जर (60) पुत्र गोपाल लाल गुर्जर व वहीं पास में भैंस चरा रही मौसम देवी (35) पत्नी राजेंद्र उर्फ राजू गुर्जर के उपर आकाशीय बिजली गिर गई जिससे वे घायल हो गए। महिला तलाई पर छाते के निचे बैठकर भैंस चरा रही थी। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से छाते के भी टुकड़े हो गए। सूचना मिलते ही आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। घायल अवस्था में भैंस चरा रही मौसम देवी व बना राम को घायल अवस्था में इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां से बना राम गुर्जर को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

सूने मकान में हुई चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात सहित तीन लाख रूपए चोरी करने के मामले में सिंघाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मकान को सूना देखकर वारदात को अंजाम दिया था।

थानाधिकारी कैलाश यादव ने बताया कि इसी 22 जुलाई को वार्ड नौ सिंघाना निवासी पुनित कुमार ने रिपोर्ट दी कि 21 जुलाई को वह और उसके परिवार के लोग किसी काम से सीकर गए हुए थे। रात करीब एक बजे वह घर पहुंचे तो घर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने उसके छोटे भाई की पत्नी वनीता के सारे गहने तथा घर में रखे तीन लाख रूपए नकद व ढाई सौ ग्राम चांदी की पायजेब चोरी कर ले गए। थाने में मामला दर्ज होने के बाद झुंझुनूं एसपी शरद चौधरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी कि पुलिस को सूचना मिली कि चोरी के आरोपी क्षेत्र में आए हुए हैं, जिस पर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए से वार्ड 13 बनवास निवासी कृष्ण कुमार पुत्र सुरेन्द्र कुमार मीणा व वार्ड 13 गुजरवास निवासी शेखर वाल्मिकी पुत्र रतनलाल को घर में घुसकर चोरी करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी शेखर वाल्मिकी के खिलाफ पूर्व में भी गुढ़ागौड़जी थाने में चोरी करने का मामला दर्ज है।

वाहन पलटने से एक दर्जन से अधिक लोग घायल

गंभीर अवस्था में एक घायल को जयपुर रैफर किया, आठ लोगों का उपचार जारी

घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया।

करौली, (निसं)। करौली में पांचना बांध के समीप सेंगरपुरा मोड़ पर अनियंत्रित होकर एक किसान बुग्गा पलट गया। किसान बुग्गा के पलटने से एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल लाया गया है, जहां सभी घायलों का उपचार चल रहा है।

घायल मठ गुर्जा गांव से कैलादेवी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। करौली हॉस्पिटल पीएमओ डॉक्टर रामकेश मीणा ने बताया कि मठ गुर्जा निवासी कुछ लोग एक किसान बुग्गा में सवार होकर कैला देवी दर्शन करने जा रहे थे। इस दौरान पांचना बांध के पास जैसे ही किसान बुग्गा सेंगर पुरा रोड से पांचना बांध के तीखे मोड़ और चढ़ाई पर चढ़ा, अचानक से अनियंत्रित होकर पलट गया। किसान बुग्गा

- **किसान बुग्गा सवार लोग मठ गुर्जा गांव से कैलादेवी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे**

पलटने से करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल लाया गया। जहां से लक्ष्मण पुत्र बत्तू को गंभीर अवस्था में जयपुर रैफर किया है, जबकि शेष आठ लोगों का उपचार चल रहा है। घायलों में रामरूप पुत्र सूरज निवासी मठ गुर्जा, मनीराम पुत्र रामजीलाल, लक्ष्मण पुत्र बत्तू प्रजापत, शिवराज पुत्र रामरूप, भूरा पुत्र हरदयाल प्रजापत, विजय पुत्र भूरा, अमरसिंह पुत्र साधू, उदय पुत्र साधू और मिथिला पुत्री राम सिंह निवासी मठ गुर्जा शामिल है।

बोलेरो और लोडिंग टेंपो में भिड़ंत, एक की मौत, 14 जने घायल

करौली, (निसं)। करौली-सरमथुरा मार्ग स्थित एनएच-23 कोंडर मोड़ टोल प्लाजा के पास एक बोलेरो और लोडिंग टेंपो में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो और बोलेरो में सवार 14 से अधिक लोग घायल हो गए, जबकि एक तीन वर्षीय बालक की मौत हो गई। दो को गंभीर अवस्था में जयपुर रैफर कर दिया, जबकि शेष घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही करौली सदर और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी ली। सभी घायलों का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करौली हॉस्पिटल पीएमओ डॉ. रामकेश मीणा ने बताया कि पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक लोडिंग टेंपो धौलपुर से कैला देवी की ओर जा रहा था, जबकि बोलेरो करौली से सरमथुरा की ओर जा रही थी। इस दौरान कोंडर मोड़ के पास टोल नाके से आगे लोडिंग टेंपो और बोलेरो में भिड़ंत हो गई।

दुर्घटना में 14 लोग घायल हो गए, जबकि एक बालक की मौत हो गई और दो को गंभीर अवस्था में जयपुर रैफर किया है। दुर्घटना में काजल पत्नी उमाशंकर कुशवाहा

- **दो को गंभीर अवस्था में जयपुर रैफर किया, शेष घायलों को करौली अस्पताल में भर्ती कराया**
- **लोडिंग टेंपो धौलपुर से कैला देवी की ओर जा रहा था, बोलेरो करौली से सरमथुरा की ओर जा रही थी**

निवासी कटरा अड्डा थाना मनियां, राजवती पत्नी मनोज निवासी मनियां, उमाशंकर पुत्र बनवारी निवासी मनियां, रिंकू पुत्र सिद्धार्थ निवासी मनियां, हिम्मत पुत्र बनवारी निवासी मनियां, शीला पत्नी बनवारी निवासी मनियां, सुक्कन पुत्र ज्वाला सिंह निवासी सैया उत्तर प्रदेश, प्रीति पत्नी सुक्कन निवासी सैंया उत्तर प्रदेश, अजय पुत्र माता प्रसाद सैंया उत्तर प्रदेश, मदन कृष्ण पुत्र लखन लाल गोयल निवासी सरमथुरा, पवन पुत्र बद्री भाऊआपुरा मासलपुर और हेमेंद्र पुत्र केदार व्यास निवासी चांदपुरा सरमथुरा घायल हुए हैं, जबकि पीयूष (3) पुत्र उमाशंकर की मौत हो गई।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 68 लाख बच्चों को मोटा अनाज कब मिलेगा?

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मोटा अनाज देने की घोषणा की थी, लेकिन इसके आदेश जारी नहीं हुये

बीकानेर, (निसं)। पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत सरकारी स्कूलों में 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को अभी पाउडर का दूध ही पीना होगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मोटा अनाज देने की घोषणा की थी, लेकिन इसके आदेश फिलहाल जारी नहीं किए गए हैं।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक सितंबर को घोषणा की थी कि बच्चों को पाउडर का दूध अच्छा नहीं लगता। इसे लेकर शिकायतें मिलने की बात भी कही थी। छह सितंबर को आयुक्त मिड डे मील कार्यालय से पाउडर का दूध आवंटित करने के आदेश ही जारी हो गए। मिड डे मील आयुक्त विश्व मोहन शर्मा ने 50 जिलों के लिए 65 लाख 39 हजार 585 किलोग्राम पाउडर मिल्क का आवंटन फरवरी 2025 तक के लिए किया है। सभी जिला शिक्षा शिक्षाधिकारियों से स्कूलवार डिमांड मांगी गई है। योजना के तहत राजकीय विद्यालय, मदरसों, संस्कृत स्कूल, विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में बाल वाटिका एवं कक्षा एक से आठवीं तक पढ़ने वाले बालकों सप्ताह में छह दिन पाउडर मिल्क से तैयार दूध पिलाया जाता है। इनकी 65 प्रतिशत उपस्थिति के साथ 95 दिन की डिमांड भेजने के निर्देश हैं।

- **6 सितंबर को आयुक्त मिड डे मील कार्यालय से पाउडर का दूध आवंटित करने के आदेश ही जारी हो गए**
- **मिड डे मील आयुक्त विश्व मोहन शर्मा ने 50 जिलों के लिए 65 लाख 39 हजार 585 किलोग्राम पाउडर मिल्क का आवंटन फरवरी 2025 तक के लिए किया है**

पाउडर मिल्क की खरीद राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (आरसीडीएफ) से की जा रही है। पांचवीं तक के बच्चों को 15 ग्राम पाउडर दूध से 150 एमएल दूध तथा छठी से आठवीं तक के बच्चों को 20 ग्राम पाउडर दूध से 200 एमएल दूध तैयार कर पिलाने का प्रावधान है।

जानकारी के अनुसार कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री बोल गोपाल दूध योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना के तहत कक्षा एक से आठवीं के करीब 68 लाख बच्चों को स्कूलों में पाउडर दूध वितरित किया जाता है। भाजपा सरकार ने अब इस योजना का नाम पन्नाधाय बाल गोपाल योजना कर दिया है। सरकार अब दूध की जगह मोटा अनाज देने पर भी विचार कर रही है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इसको लेकर पिछले दिनों बयान जारी किया था। हालांकि इस संबंध में अब तक कोई आदेश जारी नहीं हुए हैं। मोटा अनाज कब से दिया जाएगा, यह भी स्पष्ट नहीं है। मिड डे मील अधिकारी इस संबंध में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। हमने शिक्षा मंत्री से बात करनी चाही, लेकिन वे उपलब्ध नहीं हुए।

बीकानेर जिले के लिए 1 लाख 98 हज ार 915 किलो पाउडर दूध का आवंटन किया गया है। अतिरिक्त जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक पद्मा तलवानी ने बताया कि दूध की स्कूलवार डिमांड मांगी गई है। तीन दिन में यह डिमांड भेज दी जाएगी। बीकानेर जिले को श्रीगंगानगर डेयरी से पाउडर दूध का आवंटन होता है।

डॉ. आशीष व्यास, उपायुक्त, मिड डे मील का कहना है कि पन्नाधाय योजना के तहत सभी जिलों को पाउडर मिल्क का आवंटन जारी किया गया है। मोटा अनाज देने को लेकर सरकार के दिशा निर्देश मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

जिस देश में महिलाएं सुरक्षित नहीं, वो देश प्रगति भी नहीं कर सकता : मूमल राजवी

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 90 प्रतिशत अपराधी परिचित होते हैं : पालीवाल

■ राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में महिला सुरक्षा-चुनौतियां एव समाधान प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन

जयपुर। भारतीय महिला को सशक्तीकरण की आवश्यकता नहीं, वह सशक्त हैं। पुरुष महिलाओं को नहीं बनाता बल्कि महिलाएं पुरुषों का निर्माण करती हैं। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने बुधवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में आयोजित महिला सुरक्षा-चुनौतियां एव समाधान प्रबुद्ध जन गोष्ठी में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रथम गुरु माँ होती है। वही उन्हें संस्कारित करती है। शिवाजी को प्रेरणा देने वाली उनकी मां जीजाबाई थीं। स्वामी विवेकानंद और मदन मोहन मालवीय के जीवन में भी उनकी माँ की महत्वपूर्ण भूमिका थी। आज भी माताओं के ऊपर जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें, ताकि एक सभ्य समाज का निर्माण हो सके। उन्होंने दूसरे पंथों में स्त्रियों की स्थिति बताते हुए महिला के प्रति भारतीय व अभारतीय दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए स्वतंत्र पत्रकार और विचारक डॉ. शिप्रा माथुर ने कहा कि देश में यौन हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, साथ ही जघन्यता भी बढ़ी है। पहले सिर्फ रेप होते थे, अब दुष्कर्म के बाद पीड़िताओं की हत्या भी हो रही है। ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए हमें बालिकाओं और महिलाओं को सक्षम बनाना होगा। मीडिया को भी सिलेक्टिव पत्रकारिता से ऊपर उठकर अपना दायित्व निभाना होगा। दुष्कर्म तो दुष्कर्म होता है, यहाँ पर भी यदि जाति या सम्प्रदाय देखेंगे तो यह पत्रकारिता के साथ न्याय नहीं हो सकता।

वरिष्ठ आईपीएस और वर्तमान में एडीजी रेलवे अनिल पालीवाल ने कहा कि महिला सुरक्षा का विषय समाज और संस्कृति से जुड़ा है। इसको लेकर राज्य सरकार और पुलिस भी चिंतित है। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा से समाज की पोषक रही है। इसे समाज ने स्वीकारा भी है। चाहे गाय हो या फिर नदियां, हमने इन्हें भी मां का स्थान दिया है। सनातन संस्कृति में महिला का सम्मान रचा बसा है। एडीजी पालीवाल ने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में 90 प्रतिशत अपराधी परिचित ही होते हैं।

अधिवक्ता मूमल राजवी ने कहा कि महिला सुरक्षा और सम्मान सभ्य समाज के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि जिस देश में महिलाएं सुरक्षित नहीं, वो देश प्रगति भी नहीं कर सकता। मूमल राजवी ने अजमेर सेक्स स्कैंडल की चर्चा करते हुए कहा कि वह दौर कितना भयावह रहा होगा, जब एक बालिका से शुरू हुआ यह घिनौना कृत्य 250 बालिकाओं के जीवन को तबाह कर गया। कुछ बालिकाओं ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपी यूथ कांग्रेस से जुड़े थे और अजमेर दरगाह के खादिम परिवार से थे। उनकी पहुंच और दबदबे के आगे सिस्टम भी कुछ नहीं कर पाया। कुछ आरोपी बरी हो गए और कुछ जमानत पर रिहा होकर आराम का जीवन गुजार रहे हैं। 32 वर्ष बाद 6 आरोपियों को सजा हुई है। यह बताता है कि हमारा सिस्टम कितना कमजोर है। मूमल ने कहा कि चुप्पी अपराधियों को निडर बनाती है। इतिहास उन्हीं का लिखा जाता है, जो अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाते हैं।

अजमेर सेक्स स्कैंडल के बाद 1999 से 2003 तक अजमेर में शिक्षा ग्रहण करने वाली पुष्पा यादव ने कहा कि उस समय लोग इस मामले की चर्चा करने से भी डरते थे। घर वाले दरगाह की ओर जाने से भी मना करते थे। एक बार जब सहेलियों के साथ दरगाह गए तो मुस्लिम लड़के दरगाह में भी फब्तियां कसने से बाज नहीं आए। वे हमें देखकर गा रहे थे, हुस्न की चक्की चली फिर एक दाना फंसा, हम फंसे तो क्या फंसे मौलाना और चिश्ती फंसा। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उस समय अजमेर में कैसा वातावरण रहा होगा।

समर्थ सेवा न्यास की अध्यक्ष डॉ. मंजु शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि महिला सुरक्षा का विषय सिर्फ महिलाओं का नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का विषय है। इन दिनों मानवता को शर्मसार करने वाले मामले सामने आ रहे हैं। कानून महिलाओं के पक्ष में है, इसके बावजूद घटनाएं हो रही हैं। कोलकाता का मामला आप सबके सामने है।

मनसा अध्यक्ष डॉ. सुनीता अग्रवाल ने सभी का आभार जताया। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां शारदे के भजन से हुआ तथा समापन शांति मंत्र से। कार्यक्रम में क्षेत्र कार्यवाह गेंदालाल और डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग के निदेशक डॉ. जय सिंह सहित काफी संख्या में महिलाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का आयोजन समर्थ सेवा न्यास, मनसा और डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग की ओर से किया गया था।

राहुल गांधी के आरक्षण समाप्त करने का वक्तव्य निंदनीय : गोठवाल

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने राहुल गांधी के अमेरिकी यात्रा के दौरान आरक्षण को लेकर दिए गए बयान की घोर निंदा की और कहा कि आरक्षण समाप्त करने वाली सोच रखने वाले राहुल गांधी का गुरूवार को एससी, एसटी मोर्चा और भाजपा कार्यकर्ता पुतला दहन करेंगे। ये सभी कार्यकर्ता सुबह 11 बजे अम्बेडकर सर्किल पर राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध जताएंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि राहुल गांधी का आरक्षण समाप्त करने वाला वक्तव्य दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण को समाप्त करने के बारे में सोच रही है। राहुल गांधी के इस बयान से बाबा साहब के द्वारा समाज के वंचित, शोषित और दलितों के उत्थान के लिए शुरू किए गए आरक्षण प्रावधान के बारे में कांग्रेस की सच्चाई देश के सामने आ गई है।

गोठवाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक कांग्रेस पार्टी की आरक्षण समाप्त करने वाली सोच समय-समय पर उजागर हो रही है। एक ओर पूर्व पीएम नेहरू थे जिन्होंने आरक्षण को लेकर तत्कालीन जिला कलेक्टरों को पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने आरक्षण को लेकर सवाल उठाए थे, वहीं दूसरी ओर मंडल कमीशन की रिपोर्ट को वर्षों तक दबाने का काला कारनामा भी इसी कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने किया था। जिसके कारण से अन्य पिछडा वर्ग को वर्षों तक आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया। अब राहुल गांधी के द्वारा दलितों और पिछड़ों के आरक्षण को लेकर अमेरिका में इस तरह का बयान देना घोर निंदनीय है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे बुधवार सांय आमेर स्थित शिला माता मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने महिषासुर मर्दिनी स्वरूप माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां जगत जननी से राष्ट्र और प्रदेश के सुख, समृद्धि और सम्पन्नता के लिए प्रार्थना की।

भाजपा पी.एम. मोदी के जन्मदिन पर मनाएगी "सेवा पखवाड़ा"

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती और गांधी जयंती के उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी देशभर में सेवा पखवाडा मनाएगी। सेवा पखवाडे के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भाजपा प्रदेश महामंत्री और विधायक जितेंद्र गोठवाल ने प्रदेश टोली का गठन किया।

भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाडे के लिए प्रदेश से भाजपा के 5 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की प्रदेश टोली गठित की गई है। इनमें पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल, महिला मोर्चा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुमन शर्मा, सवाई माधोपुर जिला प्रभारी प्रणवेंद्र शर्मा, पूर्व प्रदेश कार्य समिति सदस्य धुरेंद्र मेघवाल और उदयपुर जिला महामंत्री गजपाल सिंह को नियुक्त किया गया है। सेवा पखवाडे की प्रदेश स्तरीय टोली अब जिलों में चार सदस्यों की टोली बनाएंगे फिर उन्हें जिलों में होने वाले कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी।

भाजपा महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से सेवा पखवाडा शुरू करेगी। सेवा पखवाडे में 25 सितंबर को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती और 2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाई जाएगी। इस सेवा पखवाडे में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, सचित्र प्रदर्शनी, विषय आधारित संगोष्ठी, वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दिया कुमारी दो उच्च जलाशयों का शिलान्यास करेंगी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी गुरुवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर पाँच और 12 में उच्च जलाशयों का शिलान्यास करेंगी। उप मुख्यमंत्री वार्ड 12 बैनाड रोड पवनपुरी में तथा दोपहर 3 बजे वार्ड 5 पार्षद कार्यालय के सामने बढ़ारणा में उच्च जलाशयों का शिलान्यास करेंगी।

बीसलपुर योजना में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 के बढ़ारणा में 7 लाख लीटर और वार्ड 12 में 20 लाख लीटर क्षमता के उच्च जलाशयों का निर्माण करवाया जाएगा। इन उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य मार्च 2025 तक पूरा किया जाना है। उच्च जलाशय से वार्ड नंबर पाँच की जेडीए स्कीम क्वार्टर, सूर्य नगर विस्तार, गौतम विहार, प्रेमनगर एस एवम् डी ब्लॉक,देविका नगर, यादव मार्केट, युवराज विहार, विशाल नगर, श्रीराम विहार,उद्योग विहार कॉलोनियों की लगभग 20,000 आबादी को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

इसी प्रकार वार्ड 12 की पवनपुरी में बनने वाले उच्च जलाशय से बालाजी नगर, गणेश नगर, महेश नगर, अन्नापरम एंक्लेव, ओलमपुया सिटी कॉलोनी, राज रेजीडेंसी, उदय नगर, रामेश्वरम, कानोडिया कॉलोनी, बालाजी विहार, गणेश नगर, चमत्कार नगर, तिरुपति नगर, मोहन वाटिका आदि इन कॉलोनियों के लगभग 38,000 लोग लाभान्वित होंगे।

कारोबार की लागत कम करना सरकार की प्राथमिकता में सबसे ऊपर : कर्नल राठौड़

■ उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 से पहले मीडिया को संबोधित किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में इस वर्ष दिसंबर में जयपुर में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 से पहले उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज मीडिया को संबोधित किया। आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में माननीय मंत्री कर्नल राठौड़ ने कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को मौजूदा 15 लाख करोड़ रुपये से दोगुना करके 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रही है और 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के जरिए प्रदेश में निवेश जुटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कर्नल राठौड़ ने यह भी कहा कि सरकार 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत व्यवसाय करने की लागत में कमी लाना और लालफीताशाही को कम करने का निरंतर प्रयास कर रही है, ताकि उद्योग जगत को प्रदेश में काम करने में आसानी हो।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के बारे में बोलते हुए उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, यह ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट राजस्थान को व्यापार के लिए सबसे अधिक अनुकूल राज्यों में से एक के रूप में प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर है और इसके लिए राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को निवेशक-अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक सुधार कर रही है। राजस्थान में पहली बार वैश्विक स्तर का इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित किया जा रहा है और इसके लिए भागीदार देशों और भागीदार अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ गठजोड़ किया जा रहा है।

इस अवसर पर कर्नल राठौड़ ने यह भी कहा कि जिस स्तर पर यह ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित किया जा रहा है, वह सरकार की प्रशासनिक इच्छाशक्ति और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा जल्द ही कई नई नीतियां शुरू की जाने वाली हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख क्षेत्र सरकार के निवेशक-अनुकूल दृष्टिकोण के अनुरूप हों।

देवनानी ने दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को नई दिल्ली प्रवास पर रहे। उन्होंने केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय संसदीय कार्य एवं अल्प संख्यक मामलों के मंत्री किरन रिजीजू तथा केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्रियों से राजस्थान और अजमेर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बी.एल. संतोष एवं सुनील बंसल से भी मुलाकात कर चर्चा की। देवनानी ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से उनके निवास पर मुलाकात कर देश-प्रदेश से जुड़े विभिन्न विषयों एवं राजस्थान विधानसभा में किये जा रहे नवाचारों पर चर्चा की।

'भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम'

कैथल/कलायत। कलायत विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी कमलेश ढांडा की नामांकन सभा में बोलते हुए भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सर्वप्रथम है और देश हित की नीति के साथ भाजपा काम करती है। हम सभी देश भक्त लोग हैं, तिरंगे का मान और सम्मान करते हैं। जम्मू कश्मीर में तिरंगे का अपमान होता था। भारत मां के लाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने तिरंगे का मान बढ़ाया, इसी का परिणाम है कि आज कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा आन, बान और शान के साथ लहरा रहा है। डा. सतीश पूनिया ने नामांकन सभा से पहले भाजपा प्रत्याशी कमलेश ढांगा का नामांकन भी कराया।

JAIPUR METRO RAIL CORPORATION LIMITED
Room No. 405, 4th Floor, Admin Building, Metro Depot, Bhrigu Path, Mansarovar, Jaipur-302020
Tel: No. 7728895364, Email: gmcivil@jaipurmetrorail.in & mgrcivil@jaipurmetrorail.in
No. 99/JMRC/O&S/Civil/Track/2023-24 Date : 06/09/2024
NOTICE INVITING BID
JMRC invites bids from the eligible bidders for "Maintenance contract for rectification/replacement of elastomeric bearings and other miscellaneous work on the viaduct of JMRC Phase-1A." With estimated cost ₹ 97,85,575. Scheduled Date and Time of Submission of Bid up to 15:00 Hrs on 09.10.2024. Please visit JMRC website **http://transport.rajasthan.gov.in/jmrc**, SPP Portal **http://sppp.rajasthan.gov.in** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** for all Clarification/corrigendum.
(UBN No. JMR2425WSOB00074)
Raj.Samwad/C/24/5041 Director (Operation & System)
प्रदूषण रहित, सस्ता, सुरक्षित एवं आरामदायक सफर - जयपुर मेट्रो

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अशोक कुमार कपूर पुत्र स्व.श्री आत्म प्रकाश कपूर निवासी B-30 मदर टेरेसा नगर मालवीय नगर जयपुर का उनकी पुत्रवधु मीनू शर्मा कपूर पत्नी चिनार कपूर के साथ कोई संबंध नहीं है। मीनू शर्मा कपूर के अवैध कार्यों में लिप्त होने के कारण पुलिस उसको तलाश रही है और अब वो हमारे कहने में नहीं है इसलिए अब मैं मेरी पत्नी व मेरे परिवार का कोई भी सदस्य उससे कोई सम्बंध नहीं रखना चाहते हैं एवम् मैं व मेरी पत्नी ने उसे पूर्व से ही अपनी सभी चल व अचल संपतियों से बेदखल कर रखा हैं और आज भी बेदखल ही करते है। सूचित रहे उससे लेन देन करने वाले स्वयं जिम्मेदार होंगे।
इंद्रजीत कथूरिया (एडवोकेट)

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पति प्लाट नम्बर 96-ए, योजना संख्या-11, परमहंस कॉलोनी, बंधु नगर, मुरलीपुरा, जयपुर, राजस्थान, जिसका कुल क्षेत्रफल 44.55 वर्गगज है। उक्त सम्पति का पट्टा विलेख जरिये आवंटन/विक्रय पत्र संख्या-6045 दिनांकित 14.11.2002 द्वारा श्री श्रीनिवास अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल के हित में जारी किया गया था। यह कि कुछ समय पश्चात् श्रीनिवास अग्रवाल पुत्र श्री भगवान दास अग्रवाल का स्वर्गवास दिनांक 10.12.2006 हो गया, उनकी मृत्यु के पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी में श्रीमती शान्ति देवी (पत्नी), महेश कुमार अग्रवाल, संदीप मधुसुदन अग्रवाल (पुत्रान), संतोष केडिया, सीमा चौधरी, सरोज अग्रवाल (पुत्रिया) उक्त सम्पति के संयुक्त रूप से विधिक रूप से मालिक एवं स्वामी, काबिज हुए, श्रीमती शान्ति देवी (पत्नी), महेश कुमार अग्रवाल, संदीप मधुसुधन अग्रवाल (पुत्रान), संतोष केडिया, सीमा चौधरी (पुत्रिया) ने उक्त सम्पत्ति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से को रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांकित 27.10.2009 के द्वारा श्रीमती सरोज अग्रवाल पुत्री स्व. श्रीनिवास अग्रवाल (पत्नी श्री विनोद अग्रवाल) के हक में त्याग कर दिया। इस प्रकार श्रीमती सरोज अग्रवाल पुत्री स्व. श्रीनिवास अग्रवाल (पत्नी श्री विनोद अग्रवाल) उक्त सम्पत्ति की एकमात्र रूप से विधिक रूप से मालकिन स्वामिनी अधिकारिनी काबिज हुई। अब श्रीमती मीना जांगिड पत्नी श्री रविकांत शर्मा उक्त सम्पत्ति को क्रय कर रही है जिस बाबत मेरे अभिभाष्य वित्तीय संस्था HDFC Bank Ltd. से ऋण ले रही हैं, सर्वसाधारण को उक्त सम्पति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो चौदह दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जायेगी। दिनांक 12.09.2024
एडवोकेट केदार राम, शॉप नं. 03, प्लॉट नं. 2/536, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शिल्पा जैन पत्नी श्री अजय कुमार जैन ने स्टील्ट, ग्राउण्ड, फर्स्ट फ्लोर स्थित प्लाट नम्बर 19, स्कीम नम्बर 3, मानसरोवर, जयपुर, एरिया 3480 वर्गफीट को श्री प्रसन्न कुमार पुत्र श्री लादू राम से खरीद कर IDBI BANK के पास रहन् रखने बाबत् आवेदन किया है। जो कि उपरोक्त वर्णित प्लाट नम्बर 19 सर्वप्रथम श्रीमती जीवनी देवी पत्नी श्री लादू राम को कार्यालय जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा जरिये आवंटन पत्र दिनांक 18.08.2001 को आवंटित किया गया। तत्पश्चात कार्यालय जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा उपरोक्त वर्णित प्लाट का पट्टा विलेख दिनांक 18.08.2001 को श्रीमती जीवनी देवी के नाम से जारी किया गया। तत्पश्चात श्रीमती जीवनी देवी ने अपने जीवनकाल में उपरोक्त वर्णित प्लाट की वसीयत दिनांक 11.07.2003 को अपने पुत्र श्री प्रसन्न कुमार, श्री मूलचन्द, श्री गोपीचन्द व श्री रमेश कुमार के हित में लिख दी। तत्पश्चात श्रीमती जीवनी देवी का दिनांक 13.10.2003 को स्वर्गवास हो गया। उनके स्वर्गवास के पश्चात उनके द्वारा की गई वसीयत के आधार पर श्री प्रसन्न कुमार, श्री मूलचन्द, श्री गोपीचन्द व श्री रमेश कुमार ही एकमात्र मालिक, स्वामी व अधिकारी हुये। तत्पश्चात श्री गोपीचन्द ने उक्त वर्णित प्लाट के अपने अविभाजित हिस्से को जरिये हक त्याग पत्र लिखा हुआ दिनांक 23.03.2010 को अपने भाई श्री प्रसन्न कुमार के हित में त्याग कर दिया। तत्पश्चात श्री प्रसन्न कुमार ने उक्त वर्णित प्लाट नम्बर 19(दक्षिणी हिस्सा), क्षेत्रफल 144.54 वर्गगज को अपने नाम हस्तान्तरण कराने बाबत कार्यालय जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर में आवेदन किया। जिसकी अनुपालना में कार्यालय जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा पत्र दिनांक 20.01.2012 को श्री प्रसन्न कुमार के नाम से जारी किया गया। जो कि उक्त प्लाट नम्बर 19(दक्षिणी हिस्सा) के सैकिण्ड फ्लोर को श्रीमती शिल्पा जैन ने पूर्व में जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा खरीद किया हुआ है। यह कि यदि किसी भी व्यक्ति का उक्त सम्पत्ति मे उत्तराधिकार विक्रय, रहन, लीज, दान या अन्य किसी प्रकार से कोई अधिकार या हक हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सात दिवस मे अपना अधिकार या हक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त सम्पत्ति पर रहन कर लिया जावेगा एवं उसके पश्चात् किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नही होगा ना ही मेरे मुव्किल IDBI BANK पर बाध्यकारी होगा। भुवनेश जैन एडवोकेट, मो. 9828025372
ए-12, मूर्तिकला कॉलोनी, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर राज.

स्थान- जयपुर **आम-सूचना** दिनांक:- 11.09.2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक मकान नम्बर 175/65, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जो कि श्री कुन्दन लाल, श्री प्रेम चन्द बसंल एवं श्रीमती आशा गुप्ता को आवंटित हुआ था। यह कि श्री कुन्दन लाल का स्वर्गवास हो जाने के पश्चात् स्वर्गीय कुन्दन लाल के वारिसान एवं उत्तराधिकारियों (1) श्रीमती शारदा देवी (2) श्री राजेश कुमार बंसल एवं (3) श्री मनीष कुमार बंसल ने जरिये हक त्याग पत्र लिखा हुआ दिनांक 28/07/2023 उक्त मकान में निहित अपना सम्पूर्ण अविभाजित हिस्सा श्री प्रेम चन्द बंसल पुत्र श्री कुन्दन लाल के हक में त्याग कर दिया है तत्पश्चात् राजस्थान आवासन मण्डल ने उक्त वर्णित सम्पूर्ण मकान नम्बर 175 / 65 श्री प्रेम चन्द एवं श्रीमती आशा गुप्ता के नाम हस्तांतरित करके उक्त मकान की कनवेन्स डीड एवं परपिच्युअल लीज डीड श्री प्रेम चन्द बंसल एवं श्रीमती आशा गुप्ता के नाम जारी कर दी है। यह कि उक्त मकान नम्बर 175 / 65 को (1) जितेन्द्र कुमार गुप्ता एवं (2) अमित कुमार खण्डेलवाल ने श्री प्रेम चन्द बंसल एवं श्रीमती आशा गुप्ता से खरीद करने का इकरार किया है तथा (1) जितेन्द्र कुमार गुप्ता एवं (2) अमित कुमार खण्डेलवाल ने उक्त मकान की खरीद हेतु एचडीएफसी बैंक लिमिटेड से ऋण हेतु आवेदन भी किया है, यदि उक्त मकान के विक्रय / हस्तांतरण इत्यादि के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति / व्यक्तियों, संस्था, कम्पनी इत्यादि को किसी भी प्रकार की आपत्ति, आक्षेप इत्यादि हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिन (सात दिन) की अवधि में मुझे सूचित करें, अन्यथा बाद मियाद आपत्ति अमान्य मानी जावेगी तथा उक्त मकान के विक्रय पत्र का विधिवत् पंजीयन (1) जितेन्द्र कुमार गुप्ता एवं (2) अमित कुमार खण्डेलवाल के हित में करा दिया जायेगा।
शशांक टिक्कीवाल (एडवोकेट) राजस्थान हाईकोर्ट, जयपुर
नि./ऑ.: 11/1329 मालवीय नगर, जयपुर मो. 9166400777

कार्यालय ग्राम पंचायत कांचरौली,
पंचायत समिति श्री महावीरजी, जिला करौली
क्रमांक- Spl-8 दिनांक: 10.09.2024
ई-निविदा सूचना 01/2024-2025
पंचायत समिति श्री महावीरजी ग्राम पंचायत कांचरौली, में महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु वाणिज्यिक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवली फर्मों/सप्लायर्स/इच्छुक बोनाफाइड विनिर्माता/थोक विक्रेता/प्राधिकृत डीलर/सोल विक्रेता/विपणन एजेन्टो से दिनांक 31.03.2025 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवंhttps://.sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती है।
सरपंच, ग्राम पंचायत कांचरौली, पंचायत समिति श्री महावीरजी, जिला करौली
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कांचरौली, पंचायत समिति श्री महावीरजी, जिला करौली

कार्यालय ग्राम पंचायत खूबनगर,
पंचायत समिति करौली, जिला करौली
क्रमांक:-Spl-8 दिनांक: 10.09.2024
ई-निविदा सूचना 01/2024-25
ग्राम पंचायत खूबनगर, पं.स. करौली की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु वाणिज्यिक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों/सप्लायर्स/इच्छुक बोनाफाइड विनिर्माता/थोक विक्रेता/प्राधिकृत डीलर/सोल विक्रेता/विपणन एजेन्टो से दिनांक 31.03.2025 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
सरपंच, ग्राम पंचायत खूबनगर, पंचायत समिति करौली, जिला करौली
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत खूबनगर, पंचायत समिति करौली, जिला करौली

डॉ. भागवत और होसबाले राजस्थान क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले उत्तर पश्चिम क्षेत्र (राजस्थान) के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में सम्मिलित होंगे और कार्यकर्ताओं का प्रबोधन करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि डॉ. भागवत राजस्थान क्षेत्र के प्रवास के पहले चरण में जयपुर प्रांत के अलवर में 14 से 17 सितम्बर तक रहेंगे। क्षेत्र प्रवास के दूसरे चरण में डॉ. भागवत 3 से 6 अक्टूबर तक चित्तौड़ प्रांत में रहेंगे।

जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल बनेगा : भास्कर सावंत

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जो कार्य आदेश जारी किये गये है, उनकी योजना-वार मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही प्रत्येक स्तर पर समय सीमा निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल बनाया जाएगा। जिससे किये जा रहे कार्यों की वास्तविक प्रगति एवं गुणवत्ता का सही ढंग से विभिन्न स्तरों पर आकलन किया जा सकें।

■ "जल जीवन मिशन के ऐसे कार्यों को चिन्हित किया जाए, जिनका अधिकांश कार्य पूर्ण हो गया है, उन्हें शीघ्र पूर्ण करके आमजन को लाभान्वित किया जा सकें"

प्रमुख शासन सचिव भास्कर सावंत ने बुधवार को जल भवन में आयोजित जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित किया।

सावंत बुधवार को जल भवन में आयोजित जल जीवन मिशन कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत चल रहे ऐसे कार्यों को चिन्हित किया जाए, जिनका अधिकांश कार्य पूर्ण हो गया है। उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए जिससे आमजन को लाभान्वित किया जा सकें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों की गति बढ़ाने के लिये जिन-जिन कार्य-योजना की आवश्यकता है उन्हें चिन्हित कर एजेण्डा एपेक्स कमेटी में प्रस्तुत किया जाए ताकि उन पर राज्य स्तर पर निर्णय लेकर कार्यवाही की जा सकें। उन्होंने कहा कि वित्तीय संसाधनों, संचालन एवं संधारण की पॉलिसी को भी अन्तिम रूप देकर एपेक्स कमेटी में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करावें।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए, इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी साथ ही थर्ड पार्टी इन्वेस्टीगेशन एजेंसी का विभागीय अधिकारियों के साथ अधिकतम उपयोग लिया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की योजनाओं पर किये जाने वाले व्यय की मासिक गणना की जाए जिससे राज्य सरकार को प्रतिमाह खर्च की जाने वाली राशि के बारे में अवगत कराया जा सकें। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत वॉटर क्वालिटी में रैंकिंग सुधारने हेतु धरातल पर अधिकतम जल नमूने लेने के निर्देश दिये। बैठक में जल जीवन मिशन के एमडी कमर उल जमान चौधरी, मुख्य अभियंता (प्रोजेक्ट) संदीप शर्मा, मुख्य अभियंता जल जीवन मिशन दलीप गौड़ सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय ग्राम पंचायत झीलरा, पंचायत समिति सैपऊ (धौलपुर)
क्रमांक/ग्रा.प./ई.नि.नि.सा./2024/ दिनांक: 10.09.2024
ई-निविदा सूचना 01/2024-2025
ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में महानरेगा एवम् ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनॉक 21.09.2024 को समय 10:00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका UBN No.ZDH2425GLRC00291 है। विस्तृत विवरण https://.sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।
सरपंच, ग्राम पंचायत झीलरा
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत झीलरा

कार्यालय तहसीलदार हिण्डौन जिला करौली
क्रमांक:एलआर/2024/5360 दिनांक: 11.09.2024
प्रेस विज्ञप्ति
हर खास आम को जरिये नोटिस सूचित किया जाता है कि प्राप्त प्रार्थना पत्र रामेश्वरलाल पुत्र रामफल जाति धाकड़ निवासी हिण्डौन ने इस आशय से प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आराजी खसरा नं. 8778 लगा. 8785 किता-8 रकबा 1.64 है. वाके ग्राम कस्बा हिण्डौन में खातेदार तिलीराम पुत्र लक्ष्मण जाति धाकड निवासी हिण्डौन द्वारा एक पंजीकृत बसीयत दिनांक 23.01.2009 को कार्यालय उपपंजयीक हिण्डौन में उपस्थित होकर गवाहान जगदीश पुत्र रामफल जाति धाकड निवासी हिण्डौन व परमानंद पुत्र कल्याण प्रसाद जाति महाजन निवासी हिण्डौन की उपस्थिति में तहरीर व तकमील की गयी। वसीयत कर्ता तिलीराम पुत्र लक्ष्मण जाति धाकड निवासी हिण्डौन की मृत्यु दिनांक 06.03.2009 को हो चुकी है जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न प्रार्थना-पत्र है। प्रार्थना पत्र वसीयतगृहिता रामेश्वरलाल पुत्र रामफल जाति धाकड निवासी हिण्डौन का राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के अन्तर्गत दर्ज रजिस्टर किया गया है। अत: वसीयतगृहिता रामेश्वरलाल पुत्र रामफल जाति धाकड निवासी हिण्डौन के प्रार्थना पत्र एवं मृतक वसीयतकर्ता तिलीराम पुत्र लक्ष्मण जाति धाकड निवासी हिण्डौन के संबंध में आपत्ति/उज्र स्वयं अथवा प्लीडर के माध्यम से अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दिनांक 23.09.2024 तक कार्यालय समय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। आपकी आपत्ति/उज्र अप्राप्त होने की स्थिति में वसीयतगृहिता द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर नियमानुसार इतकतरफा कार्यवाही अमल लाई जावेगी। तय समय पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा, जिसके लिए आप व्यक्तिश: जिम्मेवार रहेगे। सूचित रहे।
तहसीलदार, हिण्डौन सिटी जिला करौली

कार्यालय ग्राम पंचायत अतेवा,
पंचायत समिति करौली, जिला करौली
क्रमांक:-Spl-8 दिनांक: 10.09.2024
ई-निविदा सूचना 01/2024-25
ग्राम पंचायत अतेवा, पं.स. करौली की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु वाणिज्यिक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों/सप्लायर्स/इच्छुक बोनाफाइड विनिर्माता/थोक विक्रेता/प्राधिकृत डीलर/सोल विक्रेता/विपणन ऐजेन्टो से दिनांक 31.03.2025 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
सरपंच, ग्राम पंचायत अतेवा, पंचायत समिति करौली, जिला करौली
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अतेवा, पंचायत समिति करौली, जिला करौली

संक्षिप्त

परशुराम धानका ने सीईओ पद संभाला

टोक, (निसं)। राज्य में प्रशासनिक स्तर पर गत दिनो हुए तबादलों में

परशुराम धानका

परशुराम धानका जिला परिषद टोंक मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद पर पदस्थापित किये गये। इससे पहले इस पद पर प्रतिष्ठा पिलानिया अपना कार्यभार देख रही थी, जिनका स्थानान्तरण अन्यत्र हो गया है। धानका मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के साथ ही एडीपीसी व ईजीएस एवं मुख्य प्रोजेक्ट अधिकारी (माडा) का कार्यभार भी देखेगें। परशुराम धानका टोंक जिले में इससे पूर्व भी कई पदों पर रह चुके है। वर्ष 2007 में उनियारा उपखण्ड अधिकारी, वर्ष 2019 में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद एवं वर्ष 2022 में अति. जिला कलेक्टर एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट टोंक के पद पर भी रह चुके है। इनके पदभार ग्रहण करने पर जिला परिषद कार्मिकों व समाज के अन्य गणमान्यजनों ने भावभीना स्वागत किया।

कृष्णा देवी उपाध्यक्ष नियुक्त

नारायणपुर, (निसं)। अलवर जिला महिला कांठोस कमेटी की जिलाध्यक्ष

कृष्णा देवी

कमलेश सैनी ने बुधवार को जिला कार्यकारिणी में कृष्णा देवी को महिला कांग्रेस कमेटी में जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया हैं। जानकारी के अनुसार जिला उपाध्यक्ष कृष्णा देवी पत्नी शिव कुमार इंदौरिया ग्राम पंचायत चांदपुरी की रहने वाली हैं। जिलाध्यक्ष ने नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कृष्णा देवी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। कृष्णा देवी जिला महिला कांग्रेस कमेटी की जिला उपाध्यक्ष बनने पर क्षेत्र में खुशी की लहर हैं।

सिद्धार्थ जैन बना चैम्पियन

टोंक, (निसं)। मालपुरा के सन्त कबीर एकेडमी में सम्पन्न हुई 68वीं

सिद्धार्थ जैन

जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता (अंडर 14) टोंक शहर स्थित इमानुअल स्कूल के छात्र सिद्धार्थ जैन (कक्षा 7) ने जीत ली। शतरंज के प्रशिक्षक सुरेश बुंदेल ने बताया कि छात्र वर्ग में जिले के 52 खिलाडियों का पंजीयन किया गया था, जिनके 5 वर्ग बनाए गए। प्रत्येक वर्ग में विगत वर्ष राज्य स्तर पर चयनित 5 खिलाड़ियों में से एक-एक को प्रत्येक वर्ग में समायोजित किया जाकर प्रत्येक खिलाडी को 10 राउंड खिलाए गए। 11 वर्ष के नन्हें शातिर सिद्धार्थ जैन ने पूरे 10 राउंड जीते। फाइनल राऊंड में पांचों वर्गों के विजेताओं के बीच नॉकऑउट सिस्टम से प्रत्येक खिलाडी को 2 और 3 राउंड खिलाए गए, जिसमें भी सिद्धार्थ जैन ने सारे राउंड जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस तरह सिद्धार्थ जैन कुल 12 राउंड में अपराजित रहकर चौम्पियन बने। प्रसिद्ध गायक और शिक्षक मनोज कुमार जैन के पुत्र सिद्धार्थ जैन की रुचि शतरंज के अलावा संगीत, चित्रकला, कैरम बोर्ड, क्रिकेट व बैडमिंटन में भी है।

संजीव कुमार ने एसडीएम पद संभाला

शाहपुरा, (निसं)। उपखंड कार्यालय शाहपुरा जयपुर के नवनियुक्त उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार खेदर (चौधरी) ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। एसडीएम अशोक कुमार ने पदभार ग्रहण करवाया। इस दौरान लोगों ने साफा पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर नवनियुक्त एसडीएम का स्वागत किया।

कलेक्टर आज करेंगे रात्रि चौपाल

दौसा, (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर लालसोट एवं सहायक निदेशक लोक सेवाएं मनमोहन मीना ने बताया कि जिले की पंचायत समिति दौसा की ग्राम पंचायत महेश्वरा खुर्द में 12 सितम्बर गुरूवार को जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार द्वारा भ्रमण, निरीक्षण एवं रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

पानी की समस्या का समाधान नहीं होने पर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

खैरथल, (निसं)। शहर के वार्ड नंबर 16,18,19 के वार्ड की महिलाओं सहित पुरुषों ने पानी की समस्या का समाधान नहीं होने पर वार्ड पार्षद का घेराव किया। इसके बाद में पार्षद के नेतृत्व में जयपुर रोड पर मानव श्रंखला बनाकर महिलाओं ने करीब 4 घंटे रोड जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पाकर तहसीलदार भंवर सिंह मौके पर पहुंचे और समझाइश कर रास्ता खुलवाने के लिए व समस्या का निदान करने का भरोसा दिलाया।

बुधवार को 10:15 बजे 2 बजे तक रोड को जाम कर जलदाय विभाग के प्रति रोष जताकर नारेबाजी की एवं जलदाय विभाग मुर्दाबाद के नारे लगाए। 2 बजे के बाद तहसीलदार ने मौके पर आकर धरने स्थल पर लगे जाम को हटवाया एवं पानी की समस्या का जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। वार्ड नं 18 के पार्षद एवं वार्ड नं 16 के पार्षद विनोद वलेचा ने बताया कि करीब 3 महीने से वार्डों में पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं हो रही है।

खैरथल में पानी की समस्या को लेकर मानव श्रृंखला बनाकर महिलाओं ने रोड जाम किया।

जलदाय विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया परंतु कोई कार्यवाही नहीं हुई। विदित रहे की 3 सितंबर को वार्ड नं 18 के भाजपा पार्षद अंकित चौधरी के नेतृत्व में

- तहसीलदार ने मौका स्थल पहुंच समाधान का भरोसा दिलाया

जलदाय विभाग कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर सहायक अभियंता कार्यालय पर ताला लगाकर रोष जाहिर किया गया था उसके बाद भी जलदाय विभाग द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। रोड जाम और धरना प्रदर्शन में वार्ड नं 18 के पार्षद अंकित चौधरी वार्ड नं 16 के पार्षद विनोद वलेचा वार्ड नं. 19 के पार्षद मुसरफ खान तैयब खान रामजी लाल खंडेलवाल विजेंद्र शर्मा चांदमल शर्मा नरेंद्र वशिष्ठ नवीन गुप्ता प्रेम कौशिक लक्ष्मी देवी शकुंतला देवी अर्चना गुप्ता सुनील कुमार महादेवी बबीता मुकेश बेबी आदि सैकडों पुरुष एवं महिलाएं मौजूद रही।

कैन्टीन व चाय की थड़ियों का किया निरीक्षण

टोंक, (निसं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा व औषधि नियंत्रण इकबाल खॉन एवं अति. आयुक्त पंकज ओझा के दिशानिर्देशों की पालना में आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने हेतु विशेष अभियान "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" के तहत टोंक शहर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक कुमार यादव ने बताया कि 11 सितम्बर को खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्यनारायण गुर्जर, सुरेश कुमार शर्मा द्वारा टोंक शहर में कोर्ट परिसर में संचालित कैन्टीन व चाय की थडियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों पर कई प्रकार की अनियमितताऐं पायी गयी एवं कैन्टीनों व चाय की थडियों पर गंदगी पायी गयी साथ ही एक कैन्टीन पर खराब प्रकार का तेल काम में लिया जाते हुये पाया गया, जिसे मौके पर नष्ट करवाया गया। कैन्टीन संचालको व चाय की थडियों पर अनियमितताऐं पायेजाने के कारण खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के अन्तर्गत सुधार सूचना नोटिस जारी कर विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित की गयी।

गणपति उत्सव में उमड़े श्रद्धालु

किशनगढबास, (निसं)। शहर के मुख्य बाजार खुराना चौक पर चल रहे गणेश उत्सव में दिन प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड उमड रही है। महिलाएं बच्चे डांडिया कर गणेश उत्सव में श्रद्धालुओं को आकर्षित किए हुए हैं।

प्रतिदिन सुबह और शाम आरती के दौरान गणपति भोग लगाकर प्रसाद वितरण करने वाले भक्तों का तांता लगा है। बुधवार सायं आरती के दौरान राधा रानी के जन्मदिन पर भक्तों की ओर से केक काटा गया। गुरुवार को श्रद्धालुओं की ओर से भंडारा रखा गया है। 16 सितंबर को अलवर के नटनी के बारां पर गणपति को विसर्जन के लिए ले जाया जाएगा।

दौसा की रोमांचक जीत, अजमेर को दो विकेट से हराया

दौसा, (निसं)। राज्य स्तरीय कॉल्विन शील्ड सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को दौसा ने अजमेर को 2 विकेट से हराया। जलिा क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा की सीनियर टीम ने अजमेर को दो विकेट से पराजित कर गौरवपूर्ण विजय हासिल की।

बारिश से बाधित मैच में 28 ओवरों का मुकाबला रहा। जिसमें अजमेर ने पहले खेलते हुए 159 रन बनाए। जिसमें करण मीणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट, ताराचंद सोनी ने बेहद अनुशासित गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर दो विकेट और पुष्पेंद्र मीणा गेंदबाज ने दो विकेट हासिल किए। जवाब में दौसा की शुरुआत थोडी धीमी रही और 13 ओवर तक मात्र 37 रन बनाए। तीन विकेट का नुकसान हो चुका था ऐसी स्थिति में ओपनर सचिन शर्मा का साथ देने आए मनीष ने दो छक्के और दो चौके लगाकर टीम को गति प्रदान की। तभी दौसा को कप्तान मनीष

दौसा की सीनियर टीम ने अजमेर को दो विकेट से पराजित कर गौरवपूर्ण विजय हासिल की।

शर्मा के रूप में एक और झटका लगा। सचिन शर्मा ने ताबडतोड 6 छक्के और चार चौके उडाते हुए 63 गेंद में 66 रन की जिताऊ पारी खेली। मात्र तीन गेंद पर 9 रन की आवश्यकता थी तब उतरे पुष्पेंद्र मीणा ने एक छक्का और एक चौका लगाकर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस जीत पर जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने पूरी टीम का हौसला बढाया और शुभकामनाएं दी।

श्रद्धा से मनाई राधाष्टमी, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

श्रीमाधोपुर, (निसं)। मंदिर श्री गोपीनाथ जी श्रीमाधोपुर में बुधवार को राधा अष्टमी पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गई। मंदिर महंत मनोहर शरण दास महाराज ने बताए कि प्रात: काल से ही उत्सव कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

मंगल आरती पश्चात राधे रानी एवं राधा गोपीनाथ महाराज का पंचामृत अभिषेक का नवीन पोशाक का धारण कराया गया। प्रात: काल श्रृंगार आरती के पश्चात भक्तों ने संगीत में राधा रानी का सामूहिक नाम संकीर्तन किया वही कथा में राधा रानी को भगवान की अचिंत्य शक्ति एवं प्राण द शक्ति के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। राधा आविर्भाव प्रसंग के अनुसार ब्रह्म एवं स्वर्ण कमल से राधा रानी के आविर्भाव ब्रश भानु एवं कीर्ति द की कथा का विस्तार से व्याख्यान किया गया तथा दोपहर 12:30 बजे उल्लास एवं भव्यता के साथ सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक पंजीरी एवं पंचामृत का प्रसाद ग्रहण किया।

पावटा । उपखंड पावटा क्षेत्र में मंदिरों में बुधवार को राधा अष्टमी धूमधाम से मनाई गई। सुबह मंदिर में श्रद्धालुओं ने राधा-रानी की पूजा अर्चना की और दोपहर में भजन-कीर्तन का कार्यक्रम का आयोजन किया। मंदिर में आयोजित कीर्तन में महिलाओं ने राधा रानी के भजनों पर जमकर नृत्य किया। पावटा कस्बे के श्री राधा-कृष्ण मंदिर राठी वाला, मोदी मंदिर, नरसिंह मंदिर, गोपाल भैया मंदिर, मुरलीधर मंदिर, सीताराम मंदिर में बुधवार को राधा जन्मोत्सव मनाया गया। सुबह मंदिरों मे राधा मोहनदास महाराज, मोहनदास रामायणी, गोविंद शर्मा, विकास शर्मा सहित महंतो व पुजारियों ने पूजा-अर्चना कराई। महिला श्रद्धालुओं ने गीत गाकर और नृत्य कर श्री राधा-रानी का जन्मोत्सव मनाया।

राधाष्टमी पर राधे रानी एवं गोपीनाथ महाराज का पंचामृत अभिषेक कर झांकी सजाई।

बजट घोषणाओं का समयबद्ध तरीके से करे क्रियांवयन : प्रभारी मंत्री

कोटपूतली-बहरोड, (निसं)। राजस्व उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण राज्य मंत्री और कोटपूतली-बहरोड जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी ने कहा कि जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं का समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित करते हुए शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सके।

मंत्री विजय सिंह चौधरी ने उक्त निर्देश बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। बैठक में उन्होंने जिले की बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक अधिकारी घोषणाओं की गंभीरता समझते हुए पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें। प्रत्येक घोषणा के क्रियान्वयन को नियमित फॉलो किया जाए। मंत्री विजय सिंह चौधरी ने बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई रोडों, जर्जर स्कूल की बिल्डिंगों, जर्जर सीएचसी तथा पीएचसी की बिल्डिंगों सहित अन्य

- 17 सितंबर को कोटपूतली में लगने वाले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव मेले के सफल आयोजन के दिए निर्देश

कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री विजय सिंह चौधरी ने 17 सितम्बर को होने वाले द्वितीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव मेले की समीक्षा की। मंत्री को कलेक्टर ने अवगत कराया कि मेले का आयोजन चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जावेगा। इस उत्सव में कुल 86 नवनियुक्त कार्मिक उपस्थित होंगें जिसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 78, शिक्षा विभाग के 7, विधि एवं विधिक कार्य विभाग का एक कार्मिक उपस्थित होंगें। राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोटपुतली को कार्यक्रम के लिए चिन्हित किया गया है। बैठक में कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व एसपी वंदिता राणा आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

फुलेरा जंक्शन पर लाईन बॉक्स बंद करने के विरोध में धरना प्रदर्शन

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर स्थित लॉबी रूम के सामने बुधवार को प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक ट्रेन मैनेजर और लोको पायलट के लाईन बॉक्स को बन्द करने सम्बन्धी रेलवे बोर्ड के आदेश के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन किया। इसी क्रम में ऑल इण्डिया गाड्र्स काउंसिल ने लॉबी और डीआरएम ऑफिस के सामने धरना दिया गया।

जानकारी के अनुसार ट्रेन मैनेजर अपने लाईन बॉक्स में रेलवे द्वारा गाडी संचालन के लिए दिए गए उपकरण ट्राइकलर टॉर्च, लाल व हरी झंडियां, टेल लैम्प, प्रेशर गेज, नियमों की किताबें, लोहे के तार, प्लायर, पेचकस और दस्तावेज रखते हैं। रेलवे बोर्ड ने कर्मचारियों की समस्याओं को नजर अंदाज कर लाईन बॉक्स को बन्द कर सभी उपकरण और दस्तावेज ट्रॉली बैग में रखने के आदेश जारी कर दिये।

इसी क्रम में ऑल इण्डिया गाड्र्स काउंसिल के मण्डल सचिव हरिप्रसाद प्रजापति का कहना है कि ट्रेन मैनेजर रेलवे के नियमानुसार 72 घंटे तक मुख्यालय से बाहर रहते है। इसलिए उनको अपने साथ रनिंग रूम में पहनने के लिए कपडे, दैनिक उपयोगी यूटिलिटी किट, एक अतिरिक्त यूनिफॉर्म, 3-4 लीटर पानी, खाने और नास्ते का सामना और सूखा राशन भी हर समय रखना पडता है। अब सुरक्षा उपकरणों से भरा एक और ट्राली बैग कैसे लेकर चलेंगे। आजकल ट्रेन मैनेजर के पद पर महिला और दिव्यांग अभ्यर्थियों की भी भर्ती हो रही है। ट्रॉली बैग लेकर चलना उनके लिए और अधिक मुश्किल होगा। वहीं आगे बताया कि माल गाडियों में कुर्सी की व्यवस्था नहीं होने पर ट्रेन मैनेजर्स लाईन बॉक्स पर बैठकर ड्यूटी करने को मजबूर होते हैं। सवारी गाडी में टेबल नहीं होने पर लाईन बॉक्स को टेबल के रूप में भी काम में लेते हैं जबकि रेलवे स्टेशन, यार्ड एवं साइडिंग में लाईन के एक छोर से दूसरे छोर तक जाने के लिए पक्का रास्ता नहीं है। रास्ते में झाड़ियां होने से ट्रॉली बैग कैसे लेकर जाएंगे। लाईन बॉक्स में सभी उपकरण और दस्तावेज सुरक्षित रहते है। जबकि ट्रॉली बैग में बरसात के मौसम में उपकरण और दस्तावेज खराब होने के साथ-साथ ट्रॉली बैग चोरी होने पर चोरों की पहचान कर पाना भी मुश्किल होगा।

फुलेरा जंक्शन पर लॉबी रूम के सामने ट्रेन मेनेजर्स ने शांतिपूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन किया।

- रेलवे बोर्ड ने सभी उपकरण और दस्तावेज ट्रॉली बैग में रखने के आदेश जारी किये

एआईजीसी प्रतिनिधि मण्डल ने मण्डल रेल प्रबन्धक को अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष पूर्णेश कुलश्रेष्ठ, सचिव बाबूलाल मीणा एस, गणेश नारायण यादव, एच. के. मीणा, बी. एल. सरोज, मुकेश कडवासरा, कुलदीप सिंह राजपूत, शंकर लाल चौधरी, रमेश चन्द मीणा, मुकेश कुमावत, सुभाष चन्द, मुकेश बैरवा, विक्रम सिंह यादव सहित कई ट्रेन मैनेजर उपस्थित रहे।

पांच किलो गांजा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

किशनगढबास, (निसं)। थाना पुलिस व डीएसटी टीम ने किशनगढबास के मोठूका की तरफ से आने वाले रास्ते पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार तिजारा थाना क्षेत्र के गांव डोटाना के राहुल पुत्र महबूब खान को 5 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत किशनगढबास पुलिस व डीएसटी टीम ने मोटूका चौक की तरफ से आने वाले रास्ते पर नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल को रोककर चेक किया तो मोटरसाइकिल पर सवार राहुल पुत्र महबूब खान निवासी डोटाना तिजारा के पास एक कट्टे में 5 किलो गांजा मिलने पर युवक राहुल सहित मोटरसाइकिल को जप्त कर अवैध मादक पदार्थ एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। नाकाबंदी के दौरान उप निरीक्षक खैरथल दिनेश कुमार धनपाल व डीएसटी टीम के हरविलास सद्दीक खान सतपाल कृष्ण कुमार बृजेश कुमार ओम प्रकाश तथा किशनगढबास पुलिस के मैघसिह जोगेंद्र ने संयुक्त कार्रवाई कर अवैध मादक पदार्थ ले जाते राहुल पुत्र महबूब खान को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

बस्सी स्कूल के बच्चों ने की हवाई यात्रा

निवाई, (निसं) ।राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बस्सी के विद्यार्थियों को पढाई के प्रति प्रेरित करने का एक अनोखा उदाहरण पेश किया है। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. कुसुम कौशिक व शिक्षक रमेशकुमार वर्मा ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यालय के बच्चों को जयपुर से दिल्ली की हवाई यात्रा करवाई। होनहार छात्राओं ने हवाई यात्रा का आनंद लिया। स्कूल की प्राचार्या व शिक्षक ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर बच्चों को हवाई यात्रा करवाने का वादा किया था। इसी के चलते प्रिंसिपल के साथ बच्चे और शिक्षक पहले जयपुर पहुंचे। इसके बाद हवाई जहाज से दिल्ली पहुंचे। वहां पर राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, कुतुब मीनार, लोटस टेम्पल, सुप्रीम कोर्ट, लाल किला व अक्षरधाम के भ्रमण के बाद दिल्ली मेट्रो ट्रेन में सफर का आनंद लिया। बाद में बच्चों को दिल्ली से जयपुर तक का सफर ट्रेन से करवाया।

सांसद ने ज्यूस पिलाकर तुड़वाया अनशन

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा नगरपालिका के तीन संविदाकर्मी वेतन की मांग को लेकर 55 घंटे तक शाहपुरा नगरपालिका के बाहर आमरण अनशन पर बैठे रहे। बुधवार को जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने अनशन तुडवाया। आखिर 55 घण्टे बाद संविदा कर्मियों के बीच सहमति बनी और जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने संविदा कर्मियों का आमरण अनशन तुडवाया। शाहपुरा नगरपालिका के संविदा कर्मी महेंद्र टांक मुकेश कुमार व राजकुमार ने बताया कि वे शाहपुरा नगरपालिका में संविदा कर्मी के तौर पर कंप्यूटर आंपरेटर के पद पर कार्यरत है लेकिन चार साल से वेतन नहीं मिला है। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने संविदा कर्मियों को ज्यूस पिलाकर आमरण अनशन तुडवाया और बकाया वेतन का भुगतान करने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट ने किया जवाब तलब

टोंक, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मालपुरा उपखंड के टोरडी सागर पंचायत की राशन की दुकान का लाइसेंस निलंबित किये जाने के 6 मई के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य के प्रमुख खाद्य आपूर्ति सचिव व टोंक के जिला रसद अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। न्यायाधीश सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह अंतरिम आदेश टोरडी सागर के राशन डीलर रामजीलाल जांगिड द्वारा एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा के जरिये दायर की गई याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में बताया गया है कि याचिकाकर्ता की राशन की दुकान का लाइसेंस टोंक जिला रसद अधिकारी द्वारा राशन वितरण में अनियमितता व अन्य कमियाँ बताते हुए लाइसेंस 6 मई 2024 को निलंबित कर दिया तथा विभाग की नीति के अनुसार निलंबन के 90 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद भी उसकी दुकान का लाइसेंस बहाल नही किये जा रहा है, जिसे याचिका में चुनोती दी गई है। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद 6 मई के निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए, राज्य सरकार व अन्य से जवाब तलब किया है।

नियमों को दरकिनार कर अवैध शराब की हो रही है बिक्री

सावरदा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर सावरदा, गिदानी, पालु खुर्द, अखैपुरा मोड आदि जगहों पर आबकारी अधिनियम को दरकिनार कर शराब माफिया लाईसेंसी दुकानों की आड में अवैध शराब की दुकानों का खुलेआम संचालन कर शराब की बिक्री कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सावरदा के राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्धारित दूरी को दर किनार कर सर्विस सडक किनारे कंटेनर रखकर अलसुबह सात बजे से शराब की ब्रिकी शुरू हो जाती है तथा देर रात तक बिक्री जारी रहती है। जबकि आबकारी विभाग के नियमो के अनुसार सुबह दस बजे से पहले शराब की दुकान खोलना एवं रात्री आठ बजे बाद शराब की बिक्री करना नियम विरुद्ध है। इसके अलावा गोदाम की आड में भी खुली शराब की बिक्री बेखौफ की जा रही है। गिदानी में एक दुकान की आड में दो काउंटर चलाए जा रहे हैं तथा राजमार्ग पर संचालित होटल ढाबों पर बेखौफ होकर शराब की सप्लाई देकर शराब बिकवाई जा रही है। इतना ही नहीं अखैपुरा ग्राम पंचायत में करीब तीन साल पूर्व निरस्त हो चुकी शराब की दुकान का यथावत संचालन जारी है और आबकारी विभाग इस और आंखें बंद कर तमाशबीन बना हुआ है। दूदू आबकारी विभाग के सीआई मुकेश कुमार से इस बाबत जानकारी चाहने पर उन्होने बताया कि मुझे दूदू कार्यभार ग्रहण किए अभी सप्ताह भर ही हुआ है। मामले की जांच करवाकर उचित कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील

जयपुर, (निसं)। भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा पिछले दस दिनों से जम्मू कश्मीर के प्रवास पर है। प्रवास के दौरान उन्होंने अपनी जन्मभूमि चनैनी घोरडी से भाजपा प्रत्याशी बलवंत सिंह मनकोटिया की नामांकन सभा में सम्मिलित होकर जनसभा को संबोधित कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की ओर भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया की प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड गरीब परिवार गरीबी से ऊपर उठे हैं। लोगों के जीवन स्तर में व्यापक बदलाव हुए हैं। इसी के साथ पीएम आवास योजनान्तर्गत देश के 3 करोड से अधिक परिवारों को पक्के आवास मुहैया करवाए गए हैं। महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने की सोच के साथ उज्ज्वला योजना में उन्हें मुफ्त गैस सिलेण्डर प्रदान किए गए, वहीं राज्य सरकार ने प्रदेश के 76 लाख परिवारों को 450 रुपए में सिलेण्डर उपलब्ध करवाकर संबल देने का काम किया है। पीएम मुद्रा योजना व एमएसएमई की रिपोर्ट के अनुसार ऋण लेकर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनकर देश की अर्थव्यवस्था के सुदृढीकरण में 60 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी भागीदारी निभाई है। राजीविका के लखपति दीदी कार्यक्रम से देश की 3 करोड महिलाओं के साथ प्रदेश की 5 लाख महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा एवं देश की अर्थव्यवस्था में सहयोग मिलेगा।

युवक का फंदे से लटका मिला शव

निवाई, (निसं)। जैन कोलोनी में स्थित गोदाम के पीछे एक घर में मंगलवार की रात 33 वर्षीय युवक का शव पंखे से लटका हुआ मिला। 5 दिन पुराना शव स्वयं के ही घर में लटका हुआ मिला। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि कॉलोनी के पडोसियों ने सूचना दी की मकान के बाहर से तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना पर थानाधिकारी वर्मा मय जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मकान का गेट खोल कर देखा तो वहां 33 वर्षीय एक युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। उन्होंने बताया कि मृतक युवक का शव भयंकर दुर्गंध दे रहा था। थानाधिकारी वर्मा ने बताया कि मौके पर मौजूद पडोसियों ने बताया कि मृतक जयप्रकाश उर्फ बंटी पुत्र कन्हैयालाल शर्मा दतवास का रहने वाला है। युवक को हमने 5 तारीख को देखा था। उसके बाद कॉलोनी में दिखाई नहीं दिया। उन्होंने बताया मृतक काफी समय से यहीं पर अकेला निवास करता था। मृतक के दो भाई महाराष्ट्र में मजदूरी का कार्य करते हैं। मृतक की मां का 6 माह पूर्व ही देहांत हो गया था। पुलिस ने मृतक के शव को फंदे से उतारकर कब्जे में लिया और राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मौर्चरी में रखवाया और मृतक के भाइयों को सूचना दी। बुधवार की सुबह मृतक के परिजनों के आने के उपरांत पुलिस ने पंचनामा तैयार करवाकर पोस्टमार्टम करवाया और शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

स्कूल की दीवार व फर्श क्षतिग्रस्त

गोविंदगढ/अलवर, (निसं)। ग्राम पंचायत सैमला खुर्द के गांव बुलाहेडी में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के कमरे की दीवार एवं फर्श तेज बारिश के चलते पानी भरने से क्षतिग्रस्त हो गया। जिससे विद्यालय भवन में भी कई जगह दरारें आ गई। गनीमत रही कि उस समय विद्यालय में विद्यार्थी मौजूद नहीं थे। दशरथ सिंह ने बताया कि प्रात: काल 7:30 बजे बुलाहेड़ी के अध्यापक अशोक कुमार का फोन आया कि विद्यालय का भवन क्षतिग्रस्त हो गया है जिस पर मौके पर पहुंचकर उन्होंने देखा कि विद्यालय के भवन में संचालित पोषाहार रसोई के कमरे की दीवार और फर्श पानी के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं और वहां रखी संदूक भी उसके अंदर धस गई है।

इंग्लैंड की टीम ने अच्छे दौर के बाद आत्मसंतुष्ट हो जाने की आदत बना ली है। ये हार टीम के लिए एक चेतावनी होगी, जो कठिन चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट का अपमान किया है। - माइकल वॉन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, श्रीलंका से मिली हार पर टीम की आलोचना की।

आज का खिलाड़ी ▶ युजवेंद्र चहल

भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप के डिवीजन दो मैच में डर्बीशर के खिलाफ नॉर्थम्प्टनशर के लिए 45 रन देकर पांच विकेट लिए। भारत के सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ गेंदबाज ने इस दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए हैं। चहल ने तीसरी बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पांच विकेट चटकाये हैं। वहीं चहल के लिए काउंटी क्रिकेट का यह सत्र शानदार रहा है। युजवेंद्र चहल ने पिछले महीने वनडे कप में केंट के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट लिये थे।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीटवुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 37 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गये सबसे ज्यादा रन हैं।

राजकुमार की हैट्रिक, भारत ने मलेशिया को 8-1 से रौंदा

सेमीफाइनल में पहुंचा भारत, तीन मैचों में नौ अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर आया भारत

मोकी (चीन), 11 सितंबर। राजकुमार पाल की हैट्रिक की मदद से भारत ने बुधवार को यहां चीन में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के अपने तीसरे मैच में मलेशिया को 8-1 के अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमिफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

राजकुमार पाल (3, 25, 33) के अलावा अरिजीत सिंह हुंदल (6, 39) जुगराज सिंह (7), कैप्टन हरमनप्रीत सिंह (22) और उत्तम सिंह (40) ने भी भारत के लिए गोल किये।इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों में नौ अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली है। मलेशिया के लिए एकमात्र गोल अखिमुल्लाह अनुआर (34) ने किया।

लगातार दो जीत के बाद उत्साह से लबरेज भारत ने खेल की आक्रामक शुरुआत की। उन्होंने कुछ ही समय में मलेशिया को बैकफुट पर ला दिया और मैच के शुरुआती सात मिनट में ही तीन गोल दाग दिए। पहला गोल राजकुमार पाल (3) ने किया, जबकि दूसरा गोल अरजीत सिंह हुंदल (6) ने किया, जिन्होंने मलेशियाई गोलकीपर के बाएं कंधे को पार करते हुए सुदूर पोस्ट से शीर्ष कॉर्नर पाया, जबकि तीसरा गोल पेनल्टी कॉर्नर रूटीन के दौरान जुगराज सिंह के शक्तिशाली ड्रैग-फ्लिक के माध्यम से आया।

मलेशिया को संभलने में समय लगा। मलेशिया को 18वें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन बार के नीचे मौजूद सूरज कारकेरा ने आसान बचाव किया। भारत ने तुरंत पलटवार किया और एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन मलेशियाई फर्स्ट रशर ने खतरे को टाल दिया।

भारत ने मलेशियाई हाफ में आक्रामक हमले जारी रखे। उन्हें कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से आखिरी कॉर्नर को कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदला, जिससे स्कोर 4-0 हो गया। 25वें मिनट में राजकुमार ने सर्कल के अंदर उत्तम सिंह द्वारा लिए गए शॉट के बाद मलेशियाई गोलकीपर के रिबाउंड पर नेट के पीछे जाकर दूसरा गोल अपने नाम किया। पहले हाफ का अंत 5-0 की शानदार बढ़त के साथ हुआ। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने लगातार हमलों के जरिए खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। राजकुमार ने मलेशियाई गोलकीपर एड्रियन के रिबाउंड पर गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की, जिन्होंने ओपन प्ले में विवेक सागर प्रसाद के शुरुआती शॉट को रोक दिया था।

इस बीच, मलेशिया भारत के घेरे में घुस गया और अगले मिनट में अखिमुल्ला अनुआर (34) ने गोल कर दिया। हालाँकि, भारत ने अपनी संख्या में दो और गोल जोड़ लिए क्योंकि हुंदल ने 39वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जबकि उत्तम ने 40वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर रूटीन के बाद गेंद को गोल में डाल दिया, जिससे तीसरा क्वार्टर 8- के विशाल स्कोर के साथ समाप्त हुआ। भारत टूर्नामेंट के अपने चौथे मैच में गुरुवार को 1315 पर कोरिया से भिड़ेगा।

पंजाब एफसी ने 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की

मोहाली। पंजाब एफसी ने आगामी आईएसएल सीज़न के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम 15 सितंबर को कोच्चि में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती हेमलता शर्मा पत्नी श्री रमेश कुमार शर्मा निवासी बुराडी दिल्ली की निवासी है। मेरी अभिभाष्या को उनके पिता श्री दीनानाथ शर्मा के द्वारा प्लाट नं. डी-18, कुसुम विहार, जगतपुरा, जयपुर का रजिस्टर्ड उपहार पत्र उनके हक में निष्पादित किया था उक्त प्लाट की एकमात्र मालकिन, स्वामिनी मेरी अभिभाष्या है उसको उपहार पत्र के माध्यम से सभी अधिकार निहित है। मेरी अभिभाष्या अपनी निजी आवश्यकता हेतु बैंक में ऋण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर रही है। अगर उक्त प्लाट के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था या जनसाधारण को कोई आपत्ति है तो वह 7 दिवस के भीतर भीतर मुझसे सम्पर्क करें। बाद मियाद सूचना मेरी अभिभाष्या की कोई जिम्मेदारी नही होगी और ऐसी आपत्ति कानूनी, निष्प्रभावी व शून्य होगी। अतः सूचित रहें।
(महेश कुमार चौधरी) एडवोकेट मो.नं. 9414594347

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-3833 दिनांक-10/09/25
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास / फ्लैट संख्या 85/580 (LIG) का आवंटन श्री कजोड़ मल रैगर पुत्र श्री पॉंचू राम रैगर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1386 दिनांक 07.01.1994 को जारी किया गया था। उनके पक्ष मे पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 26.12.1994 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री कजोड़ मल रैगर की मृत्यु दिनांक 29.06.2018 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती कमला पत्नी स्व. श्री कजोड़ मल रैगर आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है श्रीमती कमला पत्नी स्व. श्री कजोड़ मल रैगर का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य प्रमोद सोमानी पुत्र दुर्गा प्रसाद सोमानी, जाति महाजन, निवासी 1/394, न्यू विद्याधर नगर, सेक्टर-1, जयपुर के पुत्र मोहित सोमानी का व्यवहार मेरे अभिभाष्य के प्रति अच्छा नहीं है तथा उक्त मोहित सोमानी अपनी पत्नी व अन्य व्यक्तियों के बहकावे मे आकर मेरे अभिभाष्य से बिना वजह लडाई झगडा कर दिनांक 10.09.2024 को मेरे अभिभाष्य के घर व मेरे अभिभाष्य को छोडकर अपनी पत्नी व बच्चे सहित अन्यत्र निवास करने चला गया था, उक्त मोहित सोमानी ने कभी भी मेरे अभिभाष्य की सेवा सुश्रुषा नही की है, ना ही वर्तमान मे कर रहा है तथा मोहित सोमानी का आचरण मेरे अभिभाष्य के प्रति उचित नही है जिस कारण मोहित सोमानी का मेरे अभिभाष्य की स्वअर्जित चल व अचल सम्पतियो से किसी भी प्रकार का कोई सम्बन्ध व सरोकार नही है जिस कारण कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्य की चल व अचल सम्पतियो के संदर्भ मे उक्त मोहित सोमानी से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार अथवा लेन देन नही करे, यदि कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था मोहित सोमानी से मेरे अभिभाष्य की सम्पतियो के संदर्भ मे किसी भी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके प्रति मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी तथा वह स्वयं इसके प्रति जिम्मेदार होगा तथा इस प्रकार का लेन देन या संव्यवहार मेरे अभिभाष्य की सम्पतियों मे निहित मेरे अभिभाष्य के अधिकारो के प्रति प्रभाव शून्य होगा। सूचित रहे।
दिनांक: 10/09/024 महेश कुमार शर्मा (एडवोकेट) मो.-9928406646, 8209817741

खोया पाया

हमारे मकान नम्बर 879 नाहरी का नाका पूर्व स्कीम का मूल विनमय पत्र नम्बर 4970-72, दिनांक 12/04/1972 ईस्वी को आतु मल पुत्र श्री लेखूमल के नाम कार्यालय नगर विकास न्यास द्वारा जारी कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें सम्पर्कः अंकुर परीक व राजेन्द्र कुमार पारीम 9530446666

हमारे प्लॉट नं.65, द्वारकापुरी, लूणियावास, जयपुर साईज 300 वर्गगज के मूल कागजात जेडीए पट्टा, साईट प्लान, रसीदें तथा अन्य कागजात कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें- Affan Khan 9829261762

रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा तैयार किए हुए कागजात गुम हो गए है जो कि मेरे प्लॉट नंबर 170/CH-2/08 से संबंधित है, कही खो गए है मिलने पर सूचित करें- डॉक्टर जगदीश सिंह 9928355561

मेरे आवास सख्या 2/ठ/14, नाहरी का नाका, जयपुर का कब्जा पत्र एवं भौतिक कब्जे का डिक्लेरेशन पत्र कहीं खो गया है। यदि किसी को मिले तो सूचित करें -9950264412

मेरा मकान सं. 50/99, प्रताप नगर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- Israr Ahmed-9414813897

मेरे मकान 161/60, प्रताप नगर, जयपुर का मूल कब्जा पत्र व सेवन्न डेज लैटर कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- दीप्ति शर्मा-9828028240

रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का सबसे खराब औसत बांग्लादेश के खिलाफ

तीन पारियों में सिर्फ 33 रन ही बनाए

मुंबई, 11 सितम्बर। भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होना है। वहीं इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान रोहित शर्मा के हाथों में होगी। जिन्होंने आखिरी टेस्ट मैच मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।बांग्लादेश टीम हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से विजयी होकर आई है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहली बार उनकी ही जमीन पर टेस्ट सीरीज में मात दी है। जिससे बांग्लादेश टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान हो चुका है। इस सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा पर सबकी नजरें होंगी। दरअसल, रोहित शर्मा का बल्ला बांग्लादेश के खिलाफ ज्यादातर शांत रहता है। रोहित इस टीम के खिलाफ एक भी शतकीय या अर्धशतकीय पारी नहीं खेल पाए हैं। जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 21 रन का रहा है। रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट साल 2015 में खेला था। उन्होंने 3 मुकाबले खेले हैं और इसकी 3 पारियों में सिर्फ 33 रन ही बनाए हैं।

कोकीन लेने के आरोप में ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी निलंबित

आस्ट्रेलिया, 11 सितम्बर। आस्ट्रेलिया के हॉकी खिलाड़ी टॉम क्रेग को पेरिस ओलिंपिक के दौरान कोकीन खरीदने की कोशिश के आरोप में हॉकी आस्ट्रेलिया ने बारह महीने के लिये निलंबित कर दिया है। क्रेग को सात अगस्त की रात पेरिस में कोकीन खरीदने की कोशिश में गिरफ्तार किया गया लेकिन बाद में छोड़ दिया गया था। फ्रांस के अभियोजकों ने बयान जारी करके पुष्टि की थी कि 29 वर्ष के ओलंपियन और तोक्यो ओलिंपिक के रजत पदक विजेता आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को आपराधिक चेतावनी देकर एक रात हिरासत में रखने के बाद छोड़ दिया गया। हॉकी आस्ट्रेलिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा ,“ राष्ट्रीय पुरूष हॉकी टीम के खिलाड़ी टॉम क्रेग की पेरिस ओलिंपिक 2024 के दौरान गिरफ्तारी के मामले की जांच के बाद हॉकी आस्ट्रेलिया

अविनाश साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल खेलेंगे

4 टॉप रैंक खिलाड़ियों के हटने से क्वालीफाई किया, 13 सितंबर को इवेंट होगा

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। भारत के मिडिल डिस्टेंस रनर अविनाश साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। वे इस लीग के फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा इस इवेंट में हिस्सा ले चुके हैं। 29 साल के अविनाश 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। उनका इवेंट शुक्रवार, 13 सितंबर को होगा। साबले ने इस सीजन में डायमंड लीग के 5 में से 2 इवेंट में हिस्सा लिया है और टेबल में 3 अंक के साथ तालिका में 14वें स्थान पर थे। लेकिन, उनसे ज्यादा रैंकिंग वाले 4 एथलीट्स ने नाम वापस ले लिया। इससे साबले 12 खिलाड़ियों वाले फाइनल के लिए क्वालिफाई हो गए। स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज इस सीजन के फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। 2 दिनी डायमंड लीग फाइनल का आयोजन ब्रसेल्स में होने जा रहा है। इसे जीतने वाले एथलीट को प्रतिष्ठित डायमंड ट्रॉफी, 30,000 डॉलर की इनामी पुरस्कार राशि और वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की वाइल्ड कार्ड एंट्री का कार्ड मिलता है। जबकि उपविजेता को 12,000 डॉलर और 8वें स्थान पर रहने वाले को 1000 अमेरिकी डॉलर मिलते हैं।

आम सुचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या सजना देवी पत्नी स्व0 बंशीधर नायक निवासी- मां भगवती नगर, ढाणी गोरधनपुरा, फुलेरा, जिला जयपुर का पुत्र शिवराज नायक आयु 21 वर्ष मेरी अभिभाष्या के कहने में नहीं है तथा उसकी गलत संगत व दुर्व्यसनो में लिप्त होने के कारण मेरी अभिभाष्या अपने पुत्र शिवराज नायक को अपने स्वमं के जीवन व अपनी समस्त चल-अचल सम्पति से बेदखल तथा समस्त सम्बन्ध व सरोकार समाप्त करती है शिवराज नायक से किसी भी प्रकार का संव्यवहार भविष्य में किया जायेगा तो वह स्वंम अपने कृत्यों के प्रति उत्तरदायी एवं जबाबदेही रहेगा । सूचित रहे।
दिनांक 10.09.2024
अशोक डी एल, एडवोकेट

चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारियों का जायजा लगी आईसीसी

कराची, 11 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का प्रतिनिधिमंडल चैंपियन्स ट्रॉफी की तैयारियों का जायजा लेने इसी महीने पाकिस्तान जायेगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल तैयारियों का जायजा लेने के साथ ही प्रतियोगिता के संभावित कार्यक्रम पर भी विचार विमर्श करेगा। पीसीबी के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को संभावित कार्यक्रम भेजा था जिसमें उन्होंने भारतीय टीम को लाहौर में रखने का सुझाव दिया था। उम्मीद है कि चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाले देशों के बोर्ड ने अब कार्यक्रम देख लिया होगा और इसे अंतिम रूप देने और घोषणा करने से पहले कुछ काम किए जाने की जरूरत है।

महिला टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की संभावनायें प्रबल : मैकमिलन

वेलिंगटन, 11 सितंबर। न्यूजीलैंड के सहायक कोच क्रेग मैकमिलन का मानना है कि अगले महीने यूएई में होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में उनकी टीम की संभावनायें प्रबल हैं। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी।

टीम में युवा जोश् और अनुभव का संगम है। बेट्स और डिवाइन न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं, यह कीवी टीम की संभावनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह जोड़ी टूर्नामेंट की शुरुआत से ही टूर्नामेंट के हर संस्करण में शामिल रही है। यह जोड़ी दो बार न्यूजीलैंड (2009, 2010) के साथ प्रतियोगिता में उपविजेता

रही और अन्य दो मौकों (2012,2016) में सेमीफाइनल तक पहुंची और मैकमिलन उन्हें प्रतिष्ठित ट्रॉफी उठाते हुए देखने के अलावा और कुछ नहीं चाहेंगे। मैकमिलन ने कहा जब वे (डिवाइन और बेट्स) रिटायर हो जाएंगे, तो वे न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन जाएंगे। दोनो के लिये यह विश्वकप की ट्राफी उठाने का सुनहरा अवसर है।

मैकमिलन ने कहा मुझे हमारे पास मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने वाले युवाओं के साथ संतुलन पसंद है, लेकिन हमें जो चाहिए वह है कि हर कोई अपनी क्षमता के अनुसार अपना काम करे और अगर ऐसा होता है, तो आप कभी नहीं जान सकते कि विश्व कप के समय क्या हो सकता है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने सीखा है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के साथ लगातार प्रतिस्पर्धा करने के लिए काम करना होगा और हमने हाल ही में इंग्लैंड के साथ खेला है, जो निश्चित रूप से उन टीमों में से एक है जो शीर्ष तीन (पसंदीदा) में हैं।

पाकिस्तान दौरे के लिए इंग्लैंड की टेस्ट टीम में दो नये खिलाड़ी

लंदन, 10 सितंबर। इंग्लैंड ने सात अक्टूबर से पाकिस्तान के खिलाफ शुरु होने वाली तीन टेस्ट मैचों सीरीज के लिए दो अनकैप्ड खिलाड़ियों सहित 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इंग्लैंड की टीम में पाकिस्तान दौरे के लिए हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरे बेन स्टोक्स और उंगली में फ्रैक्चर वाले सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली भी रिकवरी के बाद टीम में वापस आए हैं। ब्रायडन कार्स और जॉर्डन कॉक्स की अनकैप्ड जोड़ी भी इस टीम में शामिल है। वहीं श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टेस्ट में पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज जोश हल को उनके पहले विदेशी दौरे के लिए बरकरार रखा गया है। स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी शोएब बशीर के साथ रेहान अहमद और जैक लीच पर होगी।

नाम परिवर्तन

मेरे (रामचन्द्र) पी.पी.ओ. (Army Record) में मेरी पत्नी का नाम कुमारी बदामी दर्ज हो गया है जबकी उनका सही नाम बदाम देवी मीणा हैं। पता- मनोहरगढ, तहसील जहाजपुर, जिला शाहपुरा (भीलवाड़ा), राजस्थान 311201

मै सुनंदा ईश्वर जगदाळे, आर्मी नंबर 15209489F हवलदार योगेश ईश्वर जगदाळे की माँ हूँ, यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट C/o 56 APO मेरे बेटे के सैन्य दस्तावेजों में मेरा नाम सुनंदा है और जन्म तिथि 01/07/1961 है जो कि गलत है। मेरा असली और सही नाम सुनंदा ईश्वर जगदाळे है और जन्म तिथि 01/06/1964 है, शपतपत्र नोटरी दिनांक 05 सितंबर 2024 जिला न्यायालय जयपुर

मै आर्मी नं. JC-293868N नायक सुबेदार सुभाष चन्द यादव पता- गाँव- पोस्ट नॉगल खोडिया, तहसील बहरोड, जिला अलवर, राजस्थान मेरे सर्विस रिकाई में मेरे पत्नी का नाम पुष्पा देवी है जो गलत है। सही नाम पुष्पलता है।

मै सुनीता देवी टहलानी पत्नी श्री तेजू मल टहलानी निवासी 296, सिन्धी कॉलोनी, राजापार्क, जयपुर। मैने अपना नाम सुनीता टहलानी से बदलकर सुनीता देवी टहलानी रख लिया है। भविष्य में मुझे सुनीता देवी टहलानी के नाम से जाना जाये।

मैने अपना नाम ज्योति अग्रवाल पुत्री विजय गोपाल गुप्ता निवासी-85, जगदंबा कॉलोनी, ढहर का बालाजी, जयपुर विवाहोपरांत अंजलि रूईया पत्नी कमल रूईया रख लिया है। भविष्य में मुझे नये नाम से जाना जावे। पताः-128/186, किदवई नगर, कानपुर- 9336832121

I have changed my name and address from Usha Devi R/o ward no 13, Churu Rajasthan to Usha Prajapat R/o AB-166, Vivekanand Marg near Shivgyan Heights DCM Nirman Nagar Jaipur for all purpose in future.

कार्यालय नगरपालिका शाहपुरा, जयपुर-ग्रामीण (राज.)
Phone No. 01422-272066,
Email Id: shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांकः-न.पा.शा/2024-25/2084 दिनांकः-10/09/2024
आपत्ति आमंत्रण सूचना
सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा कृषि भुमि नियमन हेतू पट्टा आवेदन किया गया है। किसी को भी इस बाबत् आपत्ति होतो 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अद्येहस्ताक्षरकर्ता को पेश करें। बाद अवधि विचार संभव नही होगा।
क्र.सं.-1, आवेदक का नाम-पीताम्बर नरवल श्वैता सैन, **पिता/पति का नाम**-अनिल कुमार नरवल विक्रम कुमार नरवल, **स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता**-सूर्य नगर बिदारा शाहपुरा, **ऑनलाईन आवेदन क्रमांक**-25/197037, **खसरा नं.**-872, **कुल क्षैत्रफल(वर्गगज)**-44.26, **विशेष विवरण**-व्यवसायिक पट्टा
(ममता चौधरी) अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका शाहपुरा,जयपुर-ग्रामीण

राजस्थान आवासन मण्डल वृत प्रथम प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांकः-3795 दिनांकः-06/09/24
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल कीप्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 182/79 (MIG-A), (एरिया 31.50 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री नरहरि गौतम पुत्र स्व.श्री राम सहाय शर्मा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 789 दिनांक 04.03.2005 को जारी किया गया। श्री नरहरि गौतम के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 03.04.2007 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री नरहरि गौतम द्वारा उक्त आवास का विक्रय दिनांक 07.042007 को श्री मुकुन्द मोहन अग्रवाल पुत्र श्री मुरली मनोहर अग्रवाल क नाम किया जाकर विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम-जयपुर मे पंजीकृत करवाया गया। श्री मुकुन्द मोहन अग्रवाल की मृत्यु दिनांक 10.05.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती सरला अग्रवाल पत्नी स्व.श्री मुकुंद मोहन अग्रवाल द्वारा उक्त आवंटन को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। श्रीमती सरला अग्रवाल के आवेदन करने पर कार्यालय आदेश क्रमांक 16074 दिनांक 08.03.2022 के द्वारा मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज किया गया। श्रीमती सरला अग्रवाल द्वारा उक्त आवास का विक्रय दिनांक 11.04.2022 को श्रीमती वन्दना शर्मा पत्नी श्री मुकेश चन्द्र के नाम किया जाकर विक्रय पत्र सब रजिस्ट्रार जयपुर-तृतीय में पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती वन्दना शर्मा द्वारा उक्त आवास का विक्रय दिनांक 04.09.2023 को श्रीमती मधु बंसल पत्नी श्री मनीष बंसल के नाम किया जाकर विक्रय पत्र उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती मधु बंसल पत्नी श्री मनीष बंसल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, राज. आवा.मण्डल जयपुर

कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांकः-एफ.55()वि.जोन/न.नि.ज.(ग्रे)/2024/1668
सार्वजनिक सूचना दिनांकः29/8/2024
भूखण्ड सं. 45-ए डी. के. नगर, झोटवाडा, जयपुर (म्युचुअल गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री मोहन लाल जांगिड पुत्र श्री गोविन्द राम के पक्ष में क्षेत्रफल 205.8 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। मुल आवंटी की मृत्यु उपरान्त पंजीकृत हकत्याग, नगर निगम से उपविभाजन के आधर पर श्री रमेश कुमार जांगिड पुत्र स्व. श्री मोहन लाल जांगिड ने भूखण्ड सं. 45--ए, डी. के. नगर, झोटवाडा, जयपुर (म्युचुअल गृह निर्माण सहकारी समिति) के उत्तरी भाग क्षेत्रफल 205.8 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त विद्याधर नगर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र **श्री रूप किशोर** का दिनांक 10.9.2024 को स्वर्गवास हो गया है। तीये बैठक आज दिनांक 12.9.2024 को सांय 4:00 से 5:00 बजे स्थान- सुमंगल सामुदायिक केन्द्र, टिक्कडमल का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- रामस्वरूप भालिया (पिता), पिंकी (पत्नी), बाबू लाल, बृजमोहन, कुंजबिहारी, राम रतन, गोपाल, ओमप्रकाश (भ्राता), मयंक (पुत्र) मनीष (राजा), रवि, राहुल, तरुण, कृष्णा, आदित्य (भतीजे) एवं समस्त भालिया परिवार।
मो.- 8890429465

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि **श्रीमति मूली देवी भारद्वाज** धर्मपत्नि श्री मूलचन्द भारद्वाज का देवलोक गमन दिनांक 10.09.2024 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 12.09.2024 गुरुवार को सांय 4 से 5 बजे तक अम्बिका गार्डन नायला में रखी गई है।
शोकाकुल परिवारः- जगदीशनारायण (जेठ) छित्तरमल, भगवान सहाय (देवर) सुशील-शशि, सनील-कोमल (पुत्र-पुत्रवधू) मोहन लाल, राजेन्द्र, लोकेश, विनोद, दिनेश (भतीजे) आरव, कृष (पौत्र) इशिता (पौत्री), घनिष, हितार्थ (दोहिते) एवम् समस्त भारद्वाज परिवार नायला। 9772233400, 9529469341
रितु - राजेश (पुत्री-दामाद) मानसी-कमलेश (पौत्री- दामाद) पीहर पक्ष-डॉ. महेश - सरोज, रमेश - सन्तोष, अशोक - लक्ष्मी, योगेश-ज्योति

पाकिस्तान ने जापान को 2-1 से हराया

मोकी (चीन), 11 सितंबर। पाकिस्तान ने बुधवार को जापान को 2-1 से हराकर हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी पहली जीत दर्ज की। चीन के हुलुन बुइर में मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेले गये मैच में अहमद नदीम (10) और सुफियान खान (21) ने गोल किए जबकि जापान के लिए एकमात्र गोल रायकी फुजीशिमा (28) ने किया।

इस जीत के साथ, पाकिस्तान पूल स्टैंडिंग में शीर्ष पर भारत से पांच अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। मलेशिया के खिलाफ 2-2 और कोरिया के खिलाफ 2-2 के ड्रा के साथ पाक अब तक टूर्नामेंट में अजेय रहा हैं, लेकिन खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत थी।

स्ट्राइकिंग सर्कल में तीन शुरुआती आक्रमण करके पाकिस्तान के इरादे को प्रदर्शित किया, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकुमी कितागावा के आगे उनकी नहीं चली। कुछ शुरुआती प्रयासों के बाद, पाकिस्तान आखिरकार अहमद नदीम के शानदार फील्ड गोल किया।

दूसरे क्वार्टर में गति बरकरार रखते हुए 21वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर हासिल कर पाक ने अपनी बढ़त 2-0 कर ली। मैच के 27वें मिनट में जापान को पेनाल्टी कार्नर मिला मगर पाकिस्तानी की डिफेंस ने उसे विफल कर दिया मगर अगले ही मिनट में एक और फ़ुट फ़ाउल के कारण उन्हें एक और पेनाल्टी कार्नर मिला और कप्तान रायकी फुजीशिमा ने गेंद को पाकिस्तान के गोलकीपर इश्तियाक अब्दुल्ला खान के पास पहुंचा दिया।

आधे समय के ब्रेक के बाद, दोनों टीमों ने गोल के लिए कई बार कोशिश की मगर रक्षकों के चौकन्ना रहने से कोई गोल नहीं कर सका।अंतिम छह मिनट तनावपूर्ण रहे, जापान ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा, लेकिन पाकिस्तान ने बढ़त बनाए रखने के लिए कड़ा संघर्ष किया और तीन अंकों के साथ मैच अपने नाम कर लिया।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे दिन का खेल भी बारिश ने बिगाड़ा

ग्रेटर नोएडा, 11 सितम्बर। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल बुधवार को बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। ग्रेटर नोएडा में कल रात से हो रही बारिश के चलते मैदानी अंपायरों ने दिन का खेल रद्द करने की घोषणा की। आउटफील्ड में जगह जगह पानी भरा हुआ था जिसे देखते हुये बाकी के दो दिन के खेल में भी संशय के बादल मंडरा रहे हैं। मैदान की खस्ता हालत और खराब मौसम को देखते हुये दोनो टीमें आज मैदान में नही आयीं। वर्ष 2008 के बाद यह पहला मौका है जब किसी टेस्ट मैच में तीन दिन का खेल बगैर गेंद फेंके रद्द किया गया है। इससे पहले मीरपुर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच में इस तरह की अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ा था। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा का मैदान दोयम दर्जे की सुविधाओं के कारण चर्चाओं के घेरे में है। अफगानिस्तान की टीम ने हालांकि इसे अपना घरेलू मैदान चुना था मगर बारिश ने मैदान और आउटफील्ड की पोल खोल दी है और यह मैदान अब आलोचनाओं का शिकार बन चुका है।

यूएस प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीमों ने प्रमुख खिलाड़ियों को किया रिटेन

फ्लोरिडा, 11 सितम्बर। युनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के तीसरे सत्र के शुरू होने से पहले टीमों ने प्रमुख खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। नवंबर में फ्लोरिडा के ब्रावर्ड काउंटी स्टेडियम में खेली जाने वाली लीग से पहले पांचों फ्रेंचाइजी एनजे टाइटंस, न्यूयार्क काउबायज, मैरीलैंड मैवरिक्स, कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स ने अपनी कोर टीम को बनाए रखने के लिए रणनीतिक फैसले लिए हैं। एनजे टाइटंस ने आलराउंडर हरमीत सिंह, विस्फोटक बल्लेबाज एंड्रीस गौस और अमेरिका के पूर्व कप्तान सौरभ नेत्रावल्कर समेत छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। आक्रामक खेल के लिए प्रसिद्ध न्यूयार्क काउबायज ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जलाध दुआ, मुख्तार अहमद और तजिंदर सिंह ढिल्लों शामिल हैं।

वहीं, मैरीलैंड मैवरिक्स ने अनुभवी आलराउंडर ड्वेन स्मिथ, अमेरिकी खिलाड़ी नास्थुश केनजिगे, उभरते सितारे साईतेजा मुक्कामल्ला और नील ब्रूम को रिटेन किया है। कैरोलिना ईगल्स ने गजनंद सिंह, केसरिक विलियम्स और शयान जहांगीर समेत छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इनमें उन्मुक्त चंद, चैतन्य बिश्नोई और जुनैद सिद्दीकी शामिल हैं।

AU SMALL FINANCE BANK — शाखा का पता बदलने की सार्वजनिक सूचना

सामान्य जन तथा **एयू स्मॉल फायनेन्स बैंक लिमिटेड (फिनकेयर यूनिट)** के ग्राहकों को यह जानकारी दी जाती है कि निम्न शाखाओं के पते में परिवर्तन होगा। शाखा में वर्तमान में चल रहे सभी अकाउन्ट्स/ट्रांजेक्शन वहीं रहेंगे। स्थान के नये पते तथा पुराने पते का विवरण, परिवर्तन के प्रभावी दिन के साथ, नोटिस में एनेक्चर-ए के रूप में संलग्न है। ग्राहकों से अनुरोध है कि अपने टांसजेक्शन के लिये शाखा प्रबन्धक से संपर्क करें/नये पते पर जाये।
और जानकारी के लिये कृपया हमारे पास आयें या निम्न ब्रांच के शाखा प्रबन्धक से संपर्क करें। शाखा प्रबन्धक का संपर्क नम्बर इस सूचना के साथ संलग्न एनेक्चर-ए में उपलब्ध है। एयू स्माल फायनेन्स बैंक लिमिटेड (फिनकेयर यूनिट)।

''एनेक्सर-ए''

शाखा	शाखा नाम	राज्य	पता बदलने की प्रभावी तिथी	पुराना पता फिनकेयर इकाई	नयी शाखा कोड	एयू शाखा लोकेशन	राज्य	एयू शाखा पता	एयू शाखा प्रबन्धक सम्पर्क नम्बर
10470	त्रिवेणी नगर जयपुर	आरजे	14 अक्टू. 2024	प्लाट नं.5, शक्तिनगर, त्रिवेणी चौराहा, गोपालपुरा बायपास, जयपुर, राजस्थान-302015	2215	गोपालपुरा बायपास जयपुर	राजस्थान	प्लाट नं.22 से 25, 91, 92 गोपाल नगर-ए, अशोक विहार एक्स., गोपालपुरा बायपास, जयपुर, राजस्थान	8905111602
10407	त्रिवेणी नगर कोटा	आरजे	14 अक्टू. 2024	प्लाट नं.386, ग्राउन्ड फ्लोर, शापिंग सेन्टर, घोडे वाले बाबा क्रास रोड, संचित टावर के पास, गुमानपुरा रोड, कोटा, जिला-कोटा, राजस्थान-324007	2250	घोडेवाला सर्किल कोटा	राजस्थान	प्लाट नं. 385, शापिंग सेन्टर, घोडेवाला सर्किल, कोटा राजस्थान	8306004261

मैट्रोलाइन बैंगलोर से होसुर ले जाने पर विवाद, कर्नाटक के लोगों को रोजगार छिनने का डर

तमिलनाडू का तर्क है कि मैट्रो प्रोजैक्ट दोनों राज्यों के लिए फायदेमंद है, पर, बेंगलुरु के स्थानीय लोगों का कहना है कि यह तमिलनाडू की चाल है

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। दक्षिण भारत के दो इकोनॉमिक हब्ज, कर्नाटक में बेंगलुरु और तमिलनाडु में होसुर, के बीच टकराव बढ़ रहा है। बेंगलुरु का पड़ोसी क्षेत्र होसुर बहुत तेजी से एक इण्डस्ट्रियल हब और इकोनॉमिक सैंटर का रुप लेता जा रहा है, जो कि अपने पड़ोसी कर्नाटक के लिए चुनौती खड़ी कर सकता है।

होसुर में एक एयरपोर्ट बनाने की योजना है, जो कि साउथ बेंगलुरु के निवासियों के लिए बेंगलुरु एयरपोर्ट की तुलना में अधिक पास पड़ेगा तथा दक्षिण बेंगलुरु क्षेत्र को होसुर से जोड़ने वाले हाइवे के कारण होसुर एयरपोर्ट पहुंचने में समय भी कम लगेगा।

अब, साउथ बेंगलुरु स्थित इलैक्ट्रानिक सिटी से होसुर तक मैट्रोलाइन को बढ़ाने का प्रस्ताव है।

■ तमिलनाडू का होसुर तेजी से उभरता इण्डस्ट्रियल टाउन है और साउथ बैंगलोर, जहाँ बेंगलुरु की इलैक्ट्रॉनिक सिटी है, के ज्यादा नज़दीक है। होसुर में हवाई अड्डा बनाने की योजना है। यह हवाई अड्डा बेंगलुरु एयरपोर्ट की तुलना में साउथ बैंगलोर के ज्यादा करीब होगा।

ज्ञातव्य है कि इलैक्ट्रॉनिक सिटी आई.टी. तथा सॉफ्टवेयर इण्डस्ट्री का केन्द्र है और अपनी तरह का पहला टैक्नॉलजी एरिया है। दूसरी तरफ होसुर, तमिलनाडु का अंतिम इण्डस्ट्रियल टाउन है, जो कि दक्षिण भारत के दोनों राज्यों के बीच बॉर्डर का काम करता है। उपरोक्त दोनों राज्यों में इण्डिया गठबंधन के दो अलग-अलग घटकों का शासन है, तमिलनाडू में द्रमुक (डी.एम.के.) तथा कर्नाटक में कांग्रेस का।

लेकिन, मैट्रोलाइन को लेकर कर्नाटक तथा कन्नड़ एक्टिविस्टों ने दोनों राज्यों के बीच लड़ाई शुरु करवा दी है। ये एक्टिविस्ट नहीं चाहते कि होसुर तक मैट्रोलाइन को बढ़ाया जाए। इन्हें डर है कि यदि आवाजाही आसान हो गई तो तमिलनाडू के इस शहर से आने वाले प्रवासियों की बाढ़ लग जाएगी। यहाँ के स्थानीय लोगों को भय है कि पड़ोसी राज्यों से कम दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूरों के आने से उनकी आजीविका व रोजगार छिन जाएगा।

कर्नाटक सरकार को अभी उस प्रस्ताव पर निर्णय लेना है, जिस पर इस बिन्दु को लेकर चर्चा हो रही है कि मैट्रो-सेवा को बैंगलोर से होसुर तक बढ़ाया जाये। जब कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद से उन कर्नाटक समर्थक ग्रुपों द्वारा किए जा रहे विरोध के बारे में पूछा गया, जो इन दोनों शहरों के बीच मैट्रो-सेवा के विचार का विरोध कर रहे हैं, तो उन्होंने पत्रकारों को बताया कि "जो भी निर्णय लिया जायेगा, वह राज्य और उसकी जनता के सर्वोत्तम हित में होगा। इस समय तो सरकार केवल यह जाँच और विचार कर रही है कि यह प्रस्ताव व्यवहार्य है भी या नहीं तथा यह राज्य के हित में होगा या नही।" तमिलनाडू सरकार ने बोम्मासन्द्रा से होसुर तक 23 किमी. एलिवेटेड मैट्रो लाइन के लिये 6900 करोड़ रूपए प्रस्तावित किये हैं। इस लाइन का 11 किमी. का हिस्सा कर्नाटक में तथा 12 किमी. का हिस्सा तमिलनाडु में पड़ता है। इस मैट्रो सर्विस से ये दोनों शहर जुड़ जायेंगे तथा श्रम शक्ति के त्वरित आवागमन के फलस्वरूप, इन दोनों ही क्षेत्रों के उद्योगों तथा सेवा क्षेत्र के लिये काफी सुविधा एवं सुगमता हो जायेगी।

जहाँ तमिलनाडु का तर्क है कि यह मैट्रो प्रोजैक्ट दोनों राज्यों के लिये लाभदायक रहेगा, वहीं बैंगलोर के स्थानीय लोग तथा कन्नड़ संगठन इसके विरोध में उठ खड़े हुये हैं तथा इसे तमिलनाडु की एक चाल बताते हुये, संभावित लाभ को खारिज कर रहे हैं तथा कह रहे हैं कि कर्नाटक को इससे लाभ नहीं, बल्कि हानि होगी।

विपक्षी भाजपा का मत यह है कि बँगलोर शहर में वैसे ही ट्रैफिक सम्बन्धी कई चुनौतियाँ हैं तथा शहर के बहुत से क्षेत्र मैट्रो से जुड़े हुए नहीं हैं। इसलिए एक भाजपा नेता एम.रेड्डी ने कहा कि सरकार को अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए तथा मैट्रो लाइन के तमिलनाडु तक के विस्तार के सुझाव पर खुली आपत्ति किए बिना, प्रस्ताव में कोई अड़ंगा लगा देना चाहिए।

'उचित शिक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

असंवैधानिक, धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत तथा संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत दिए गए गारंटीयुक्त 'समानता के अधिकार" का उल्लंघनकर्ता घोषित कर दिया था। यह कहते हुए कि उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट, 2004 असंवैधानिक है, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि "मदरसों के विद्यार्थियों को 'प्राइमरी एजूकेशन बोर्ड' तथा 'हाईस्कूल एंड इन्टरमीडिएट एजूकेशन बोर्ड ऑफ द स्टेट उत्तर प्रदेश' के तहत मान्यता प्राप्त नियमित स्कूलों में समायोजित करने के कदम तत्काल उठाए जायें।" उच्च न्यायालय का यह फैसला एक वकील द्वारा दायर की गई याचिका पर आया था। याचिका में "मदरसा एक्ट" को चुनौती दी गई थी। लेकिन अप्रैल में, सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च के इस फैसले पर रोक लगा दी थी तथा कहा था कि उच्च न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मदरसा एक्ट का गलत अर्थ निकाला था तथा इस निर्णय से करीब 17 लाख विद्यार्थी प्रभावित होंगे।

अमेरिकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैरिस के मुकाबले में आने से ट्रम्प पिछड़ गए। अगर हैरिस नवम्बर में हुए चुनावों में जीत जाती हैं तो वे अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी।

श्रीगंगानगर में दोपहर 12:58 पर भूकम्प के झटके

रिक्टर स्केल पर भूकम्प की तीव्रता 5.8 नापी गई

श्रीगंगानगर, 11 सितम्बर (कासं)। पाकिस्तान में बुधवार दोपहर आये 5.8 तीव्रता के तेज भूकम्प से राजस्थान में भी धरती कांप उठी। इस भूकम्प का असर राजस्थान के सीमावर्ती जिले गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर के एरिये में रहा। जहां हल्के झटके महसूस होने के बाद लोग घरों और दफ्तारों से बाहर निकल गए।

■ भूकम्प का असर राजस्थान, पंजाब व जम्मू-कश्मीर में महसूस किया गया। भूकम्प का केन्द्र पाकिस्तान के वाहोवा प्रांत में था।

■ राजस्थान में श्रीगंगागनर के अलावा, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ व जैसलमेर में भी भूकम्प के झटके महसूस किये गए।

मौसम विभाग के मुताबिक भूकम्प भारतीय समयानुसार 12.58 बजे आया और इसका केन्द्र पाकिस्तान के वाहोवा प्रांत के पास था। भूकम्प के झटके राजस्थान, पंजाब और जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में झटके महसूस हुए। राजस्थान में श्रीगंगानगर, बीकानेर के एरिया में इस भूकम्प से सबसे ज्यादा झटके महसूस किए गए। वहीं जैसलमेर, हनुमानगढ़ और चूरू के कुछ ग्रामीण एरिया में भूकम्प के बहुत हल्के झटके महसूस किए गए। बॉर्डर के जिले श्रीगंगानगर में 4-5 सैकण्ड तक भूकम्प के हल्के झटके महसूस किये।

नेशनल सैंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.8 नापी गई। भूकम्प का केन्द्र जमीन से करीब 33 किमी नीचे था। दोपहर करीब 12.58 बजे भूकम्प के झटके महसूस होने पर लोग डर के कारण घरों से बाहर निकल आए। श्रीगंगानगर के निवासी अरविंद ने बताया कि अचानक उन्हें लगा कि कुछ हिल रहा है। भूकम्प का एहसास होते ही वे दौड़कर बाहर निकले। अरविंद ने बताया कि उन्होंने करीब 4 सैकण्ड तक भूकम्प के हल्के झटके महसूस किये।

पड़ौसी देश पाकिस्तान में आये भूकम्प का बेहद मामूली असर श्रीगंगानगर इलाके पर भी नजर आया। पाकिस्तान से श्रीगंगानगर महज 25 किलोमीटर दूरी पर है। ऐसे में भूकम्प का कुछ असर श्रीगंगानगर इलाके पर दिखा। शहर में लोगों ने जैसे ही मामूली मूवमेंट देखा उन्होंने एक दूसरे को फोन कर इस बारे में जानकारी ली। यह असर कुछ सैकण्ड तक ही रहा। दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर लोगों को कुछ सैकण्ड के लिए धरती हिलती हुई महसूस हुई।

मौसम विभाग के सहायक निदेशक हिमांशु शर्मा ने बताया कि पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकम्प आया है। हालांकि अब तक श्रीगंगानगर पर इसका असर रहने की कोई पुख्ता सूचना नहीं है, लेकिन नजदीक होने के कारण यह असर कुछ सैकण्ड तक रह सकता है। मौसम विभाग के स्थानीय सूत्रों ने भी हालांकि भूकम्प की पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से सीमा सटी होने के कारण भूकम्प का असर हमारे यहां हो सकता है। हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकम्प आता है।

म.प्र. के किसानों के लिए खुशखबरी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "किसानों की सेवा करना हमारे लिये भगवान की पूजा करने के समान है।" उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के किसान सोयाबीन को राज्य में बेचने को लेकर चिन्तित थे। चौहान ने कहा कि हाल ही में, मध्य प्रदेश के किसान इस बात को लेकर चिन्तित थे कि सोयाबीन न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर बिक रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, केन्द्र ने महाराष्ट्र तथा कर्नाटक जैसे राज्यों को मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) पर सोयाबीन खरीदने की अनुमति दी थी।

मंगलवार को उन्होंने घोषणा की कि मध्य प्रदेश में सोयाबीन भी एम.एस.पी. दर पर खरीदा जायेगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने एम.एस.पी. दरें अनुमोदित कर दी हैं तथा केन्द्र को यह सूचना मिल चुकी है कि मध्य प्रदेश सरकार वहाँ के किसानों को सोयाबीन का पूरा मूल्य अदा करेगी।

■ केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश के किसानों को सस्ती दर पर सोयाबीन बेचना पड़ रहा था इसलिए राज्य सरकार ने एम.एस.पी. रेट पर सोयाबीन खरीदने का निर्णय लिया है।

क्या अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन्टेलिजैंस ब्यूरो (आई.बी.) को दी। जैसे ही यह सूचना आई.बी. को मिली, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहार अजित डोवल ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से फोन पर बात की तथा उन्हें सचेत किया कि भारत में कोई अव्यवस्था पैदा करने की कोशिश नहीं करें।

गृह मंत्रालय को प्राप्त सूचना के अनुसार, आसन्न हरियाणा विधानसभा चुनावों में अमेरिकन हस्तक्षेप की प्रबल संभावनाएं हैं।

प्रेमिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का साथ दिया हो। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक राघवेन्द्र पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर अनिल सैनी ने 13 जुलाई, 2018 को आमेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बंगाल में आंदोलनरत डॉक्टर ममता बनर्जी से सशर्त मुलाकात को तैयार

कोलकाता 11 सितंबर (वार्ता) पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार को सरकार के अस्पतालों में महीने भर से चल रहे काम बंद को खत्म करने के लिए वार्ता में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए नयी शर्तें तय कीं जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति और कार्रवाई का सीधा प्रसारण शामिल है। मुख्य सचिव मनोज पंत ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को पत्र लिखकर बातचीत के लिए राज्य सचिवालय आने का निमंत्रण दिया। इसके बाद आंदोलनकारियों ने मांग की कि उन्हें 30 प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की अनुमति दी जानी चाहिए। पंत ने हालांकि 15 सदस्यीय टीम को आमंत्रित किया था।

डाक्टरों ने कहा कि सरकार ने निमंत्रण में उल्लेख किया है कि डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल 15 सदस्यों से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन राज्य में 26 मेडिकल अस्पताल हैं और प्रत्येक अस्पताल बातचीत के लिए कम से कम एक प्रतिनिधि भेजना चाहता है।

■ आंदोलनरत डॉक्टरों ने कहा, मुख्यमंत्री से बातचीत का सीधा प्रसारण हो।

उल्लेखनीय है कि गत नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल में एक युवा महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के विरोध में सरकारी अस्पतालों में अनिश्चितकालीन काम बंद को समाप्त करने के लिए वार्ता में शामिल होने से पहले डॉक्टर कोलकाता पुलिस प्रमुख के इस्तीफे की अपनी मांग पर भी अड़े रहे।

खुली जेल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जारी कर राजस्थान सरकार को कहा था कि ओपन जेल की जमीन को कम करने का प्रयास नहीं करे। वहीं, छह दशक से ओपन जेल के लिए काम आ रही इस जमीन को संरक्षित करे, लेकिन अदालती आदेश के बाद भी जेडीए ने 30 जुलाई 2024 को इस जमीन पर सेटेलाइट अस्पताल के लिए जमीन आवंटन करना मंजूर कर दिया है।

राज्य सरकार व जे.डी.ए. का ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के अदालती आदेश की अवमानना है। याचिकाकर्ता सेटेलाइट अस्पताल खोलने के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसके लिए दूसरी जगह देखी जा सकती है। वहीं, सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब देने के लिए समय मांगा गया, जिस पर अदालत ने सीएस को हिदायत देते हुए सुनवाई टाल दी। न्याय मित्र अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि ओपन जेल में हॉस्पिटल बनाए जाने का मुद्दा राजस्थान हाईकोर्ट में भी पेंडिंग चल रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908